THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 298 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.4 2079 बुधवार, 11 जनवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सोमेश कुमार को हाईकोर्ट से बड़ा झटका

सीएस को आंध्र प्रदेश जाना तय

हैदराबाद, 10 जनवरी (एजेंसियां)। तेलंगाना के मुख्य सचिव सोमेश कुमार को एक बड़ा झटका देते हुए, उच्च न्यायालय ने मंगलवार को उनके तेलंगाना कैडर को रद्द कर दिया और उन्हें आंध्र प्रदेश राज्य में वापस भेजने का निर्देश दिया।

उच्च न्यायालय ने कैडर मुद्दे पर 2017 के केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के आदेशों को चुनौती देने वाली केंद्र सरकार की याचिका को स्वीकार कर लिया। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, (जो पीएमओ के अंतर्गत आने वाले सिविल सेवकों से संबंधित कार्मिक मामलों में केंद्र सरकार की समन्वय एजेंसी है) ने उच्च न्यायालय में यह कहते हुए अपील की कि उसके पास मामलों पर निर्णय लेने और कार्य करने की शक्ति है, न कि कैट को इस मामले में दखल देने का अधिकार है। मुख्य न्यायाधीश उज्जवल भुइयां और न्यायमूर्ति नंदा की पीठ ने कैट के उस आदेश को रद्द करने का फैसला सुनाया, जिसने आंध्र प्रदेश कैडर के अधिकारी को तेलंगाना के मुख्य सचिव के रूप में कार्यभार संभालने और राज्य में बने रहने की अनुमति दी थी।

कैट ने तेलंगाना में बने रहने की अनुमति दी थी :

तेलुगु राज्यों के विभाजन के दौरान, सोमेश कुमार को केंद्र द्वारा एपी को सौंपा गया था। उन्होंने कैट में एक याचिका दायर की थी जिसने आदेशों को निलंबित करने के अंतरिम आदेश जारी किए थे और उन्हें तेलंगाना में बने रहने की अनुमति दी थी। कैट के आदेशों को रद्द करने के लिए केंद्र ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हालांकि, उच्च न्यायालय ने सीएस सोमेश कुमार के वकील के अनुरोध पर मामले को 3 सप्ताह तक स्थगित रखने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया।

पीएम मोदी 19 को हैदराबाद में करेंगे रेल परियोजनाओं का शुभारंभ

हैदराबाद, 10 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 जनवरी को तेलंगाना में रेलवे से जुड़ीं 2,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरूआत करेंगे। साथ ही वह हैदराबाद और विजयवाड़ा के बीच एक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। प्रधानमंत्री सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण की आधारशिला रखेंगे। इसमें करीब 700 करोड़ का खर्च आएगा। इसके अलावा वह काजीपेट में पीरियॉडिकल ओवरहॉलिंग (पीओएच) कार्यशाला के निर्माण कार्य की भी शुरूआत करेंगे।

पीएम 12 जनवरी को करेंगे राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन

हुबली : कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जनवरी को राज्य के हुबली में राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। बोम्मई ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जनवरी को हुबली रेलवे ग्राउंड पहुंचेंगे।

उन्होंने कहा, 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के युवा सात दिवसीय कार्यक्रम में शामिल होंगे।

पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को आज संबोधित करेंगे उपराष्ट्रपति

जयपुर : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को जयपुर में हो रहे 83वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में संसद और विधान मंडलों को और प्रभावी, जवाबदेह बनाने, इनकी उत्पादकता बढ़ाने के साथ इन्हें डिजिटल संसद से जोड़ने पर चर्चा होगी। गौरतलब है कि यह सम्मेलन भारत की विधायी निकायों की सर्वोच्च संस्था है, जिसका पहला सम्मेलन साल 1921 में शिमला में हुआ था।

मेट्रो का पिलर गिरा, मां-बेटे की मौत

पति-बेटी गंभीर, विपक्ष बोला 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार इसके लिए जिम्मेदार

बेंगलुरू, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरू के नागवारा में मंगलवार को अंडर कंस्ट्रक्शन मेट्रो पिलर गिरने से एक महिला और उसके ढाई साल के बेटे की मौत हो गई। महिला का पति और एक बेटी गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला का परिवार बाइक से जा रहा था, तभी पिलर उनके ऊपर गिर गया। महिला के जुड़वां बच्चों में से बेटे की जान चली गई, जबकि बेटी गंभीर है।

घटना के बाद इस पर सियासत भी शुरू हो गई है। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि यह हादसा 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार के कामकाज का नतीजा है। इसी वजह से किसी काम में क्वालिटी नहीं बची है। वहीं, मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। बेंगलुरू मेट्रो के एमडी ने पीड़ित परिवार को 20 लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया है।

बाइक पर गिरा पिलर, मां-बेटे ने मौके पर ही दम तोड़ा :

पुलिस के मुताबिक घटना एचबीआर लेआउट के पास आउटर रिंग रोड पर सुबह करीब 11 बजे हुई। लोहित कुमार, उनकी पत्नी तेजस्विनी और उनके जुड़वां बच्चे बाइक से गुजर रहे थे। यहां नम्मा मेट्रो स्टेशन का काम चल रहा है। मेट्रो पिलर के लिए लोहे के सरिए से बने पिलर का स्ट्रक्चर खड़ा किया जा रहा था, जो उनकी बाइक पर गिर गया। हादसे में तेजस्विनी और उनके ढाई साल के बेटे विहान की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, लोहित और उनकी बेटी हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बाइक सवार महिला और पुरुष दोनों ने हेलमेट पहना हुआ था।

बीते साल 148 आतंकी-माओवादी ढेर

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। सीआरपीएफ ने साल 2022 में आतंक विरोधी अभियानों और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 128 मुठभेड़ों में 148 आतंकवादियों एवं माओवादियों का सफाया किया। वहीं वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 2022 में रिकॉर्ड 48 फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए गए हैं। सीआरपीएफ की तरफ से ये जानकारी साझा की गई है। सीआरपीएफ ने बताया कि देश की अंदरूनी सुरक्षा में शामिल सीआरपीएफ को वामपंथ के खतरे का मुकाबला करने, जम्मू कश्मीर में आतंकवादी विरोधी अभियानों और पूर्वोत्तर में उग्रवाद विरोधी अभियानों में तैनात किया जाता है।

जोशीमठ मामला : सुप्रीम कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इनकार

अदालत ने कहा हर मामले में यहां आना जरूरी नहीं

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जोशीमठ मामले पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने इसपर सुनवाई के लिए अब 16 जनवरी की अगली तारीख दी है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हर मामले में शीर्ष अदालत आने की जरूरत नहीं है। इस पर लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित संस्थाएं काम कर रही हैं। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है।

याचिकाकर्ता ने जोशीमठ संकट को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की थी :

बता दें कि याचिकाकर्ता स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शीर्ष अदालत में अपील करते हुए कहा था कि मामले में तत्काल सुनवाई की आवश्यकता है और इस संकट को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए। जिस पर मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ ने मंगलवार यानी आज की तारीख दी थी लेकिन अब अदालत ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है।

याचिकाकर्ता ने दी थी ये दलील :

याचिकाकर्ता का कहना था कि जोशीमठ में आज जो भी हो रहा है वह खनन, बड़ी-बड़ी परियोजनाओं का निर्माण और उसके लिए किए जा रहे ब्लास्ट के चलते हो रहा है। यह बड़ी आपदा का संकेत है। कहा कि नगर में लंबे समय से भू-धंसाव हो रहा है। लोग इसको लेकर आवाज उठाते आ रहे हैं लेकिन सरकार की ओर से इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। इसका खामियाजा आज एक एतिहासिक, पौराणिक व सांस्कृतिक नगर और वहां रहने वाले लोग झेल रहे हैं।

जोशीमठ शहर में असुरक्षित भवनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही :

जोशीमठ शहर में असुरक्षित भवनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

अब तक कुल 678 भवन चिह्नित किए जा चुके हैं। सीबीआरआई की टीम ने सोमवार को मलारी इन और माउंट व्यू होटल का सर्वे किया था। आज इन दोनों होटलों से भवनों को ढहाने की शुरूआत हो गई। इन होटलों को अत्यधिक क्षति पहुंची है।

रक्षा मंत्रालय ने तीन प्रस्तावों को दी मंजूरी

4276 करोड़ से सेना-नौसेना के लिए खरीदे जाएंगे हथियार

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। चीन से उग्र हुए तनाव के बीच सेना और सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। रक्षा अधिग्रहण परिषद् ने तीन पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए मंजूरी दी है। रक्षा मंत्रालय ने इसके बारे में जानकारी दी है।

मंत्रालय ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक हुई। इस दौरान भारतीय सेना के दो और भारतीय नौसेना के लिए एक पूंजी अधिग्रहण प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इन तीनों पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों की कीमत 4,276 करोड़ रुपये मूल्य है। इस राशि से को दुश्मन के विमानों को मार गिराने के लिए स्वदेशी हेलिना एंटी-टैंक मिसाइल और वायु रक्षा प्रणाली विकसित करने की योजना है।

रक्षा मंत्रालय के बयान के मुताबिक, इन तीन प्रस्तावों में दो भारतीय सेना और एक भारतीय नौसेना का है। ये प्रस्ताव भारतीय-आईडीडीएम श्रेणी के तहत हैं।

डीएसी ने हेलिना एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल, लॉन्चर और संबंधित सहायक उपकरण की खरीद के लिए एओएन को मंजूरी दी है। इन उपकरणों से उन्नत हल्के हेलीकाप्टर (एएलएच) को लैस किया जाएगा। यह मिसाइल दुश्मन के खतरे का मुकाबला करने के लिए एएलएच के शस्त्रीकरण का एक अनिवार्य हिस्सा है।

रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि इसके शामिल होने से भारतीय सेना की आक्रामक क्षमता मजबूत होगी।

इसके अलावा, रक्षा अधिग्रहण परिषद ने डीआरडीओ द्वारा डिजाइन और विकसित किए गए वीएसहोराड (आईआर होमिंग) मिसाइल प्रणाली की खरीद के लिए मंजूरी दी है।

मंत्रालय ने कहा है कि उत्तरी सीमाओं पर हाल में हुए घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी वायु रक्षा (एडी) हथियार प्रणालियों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। वीएसहोराड हथियार ऊबड़-खाबड़ इलाकों और समुद्री क्षेत्र में तेजी से तैनात की जा सकती हैं।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा नौसेना के लिए भी एक प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके तहत भारतीय नौसेना के लिए शिवालिक वर्ग के जहाजों और अगली पीढ़ी के मिसाइल वेसल्स (एनजीएमवी) के लिए ब्रह्मोस लॉन्चर और फायर कंट्रोल सिस्टम (एफसीएस) की खरीद की जाएगी।

2050 तक देश के 3700 बांध की क्षमता 26 प्रतिशत हो जाएगी कम

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। देश की नदियों में जम रही गाद के कारण सिर्फ बाढ़ का ही खतरा नहीं बढ़ा है, बल्कि इससे बांधों (डैम) की जल संग्रह क्षमता भी प्रभावित हो रही है। संयुक्त राष्ट्र ने हालिया अध्ययन में दावा किया है कि अगर स्थितियां नहीं सुधरीं, तो वर्ष 2050 तक भारत के 3,700 डैम की जल संग्रह क्षमता 26 प्रतिशत कम हो जाएगी। देश के 141 बड़े डैमों में से एक चौथाई की कम से कम 30 प्रतिशत जल संग्रह क्षमता कम हो चुकी है। गाद के कारण विश्व के 50 हजार से ज्यादा बड़े डैम की जल संग्रह क्षमता 13-19 प्रतिशत कम हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र के जल, पर्यावरण व स्वास्थ्य से संबंधित संस्थान यूएनयू-आइएनडब्ल्यूईएच ने अध्ययन के हवाले से अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि वर्ष 2050 तक 150 देशों के 47,403 बड़े डैम की सम्मिलित जल संग्रह क्षमता 6,316 से घटकर 4,665 अरब घन मीटर रह जाएगी।

देश में पहली बार ! फैसला सुनाने में हुई 2 महीने की देरी

सुप्रीम कोर्ट के जज ने भरी अदालत में मांगी माफी

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने एक मामले में 2 महीने की देरी से फैसला सुनाने पर माफी मांगी है। जस्टिस गवई ने न्यायपालिका में देरी से फैसला सुनाने के मामलों में अनूठा उदाहरण पेश किया। देश की न्यायपालिका के इतिहास में ऐसा पहली बार ऐसा हुआ है, जब किसी जज ने देरी से फैसला सुनाने पर माफी मांगी है। जस्टिस गवई ने चंडीगढ़ से संबंधित मामले में देरी से फैसले देने के लिए न केवल माफी मांगी, बल्कि देरी का कारण भी पक्षकारों को बताया।

जस्टिस बी.आर. गवई और एम.एम. सुंदरेश चंडीगढ़ शहर में एकल आवासीय इकाइयों को अपार्टमेंट में बदलने के बड़े पैमाने पर चलन के खिलाफ दायर याचिका के एक मामले में फैसला सुना रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें विभिन्न कानूनों के सभी प्रावधानों और उनके तहत घोषित किए गए नियमों पर विचार करना था। जस्टिस गवई ने कहा कि इसके कारण 3 नवंबर, 2022 को फैसला सुरक्षित रखने के बाद से इसे सुनाने में दो महीने से अधिक समय लग गया।

कौन है जस्टिस गवई

जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई ने 1985 में एक वकील के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया और मुख्य रूप से बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच में वकालत की प्रैक्टिस की। उन्होंने एक सरकारी वकील और फिर महाराष्ट्र सरकार के लिए सरकारी अभियोजक के रूप में कार्य किया। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई को तत्कालीन चीफ जस्टिस रंजन गोगोई के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम के नामांकन के बाद 2019 में सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत किया गया था। उन्होंने नवंबर 2003 और मई 2019 के बीच 15 से अधिक साल तक बॉम्बे हाई कोर्ट के जज के रूप में भी कार्य किया। अगर वरिष्ठता का पालन किया जाता है, तो जस्टिस गवई 14 मई से 24 नवंबर, 2025 तक भारत के चीफ जस्टिस के रूप में कार्य करेंगे। मई 2019 में सुप्रीम कोर्ट में अपनी पदोन्नति के बाद से न्यायमूर्ति गवई ने 68 फैसले (मई 2022 तक) दिए हैं। ये फैसले आपराधिक मामलों, संपत्ति, बिजली, परिवार और मोटर वाहन कानूनों से जुड़े हैं।

पाकिस्तान ने भारत की जासूसी के लिए तैनात किया चीनी ड्रोन सीएच-4

चाबहार तक लगा सकता है गश्त

इस्लामाबाद, 10 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान और चीन अरब सागर में भारत की बढ़ती ताकत से घबराए हुए हैं। यही कारण है कि दोनों देशों ने ग्वादर बंदरगाह की सुरक्षा, अरब सागर की निगरानी और ईरान के चाबहार बंदरगाह की जासूसी के लिए ड्रोन तैनात कर दिया है। ग्वादर बंदरगाह के नजदीक मौजूद तुर्बत नेवल एयरबेस पर ड्रोन स्वाड्रन की तैनाती को काफी महत्वपूर्ण डेवलपमेंट माना जा रहा है।

पाकिस्तान काफी समय से ग्वादर के आम लोगों का विरोध झेल रहा है। इन लोगों का आरोप है कि पाकिस्तानी सरकार चीन को खुश करने के लिए उनके अधिकारों का गला घोंट रही है। वहीं, चीन की चाल ईरान में भारत के पैसों से विकसित चाबहार बंदरगाह पर निगाह रखने की भी है। इस एयरबेस से उड़े ड्रोन फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी से होने वाले सबसे व्यस्त व्यापारिक जलमार्ग पर भी नजर रख सकते हैं।

ड्रोन की तैनाती से चीन-पाक को क्या फायदा

चीन और पाकिस्तान तुर्बत नेवल एयरबेस पर तैनात ड्रोन के जरिए भारत की जासूसी कर सकते हैं। यहां से उड़ान भरने वाले ड्रोन खाड़ी देशों से भारत के तेल आयात, चाबहार के रास्ते, ईरान, अफगानिस्तान और मध्य एशियाई देशों को होने वाले निर्यात पर नजर रख सकता है। इतना ही नहीं, तुर्बत नेवल एयरबेस के जरिए अरब सागर में भी भारतीय नौसैनिक गतिविधि पर निगाह रख सकता है। इससे पाकिस्तान के अलावा चीन को भी बड़ा फायदा हो सकता है। वह भारत के पश्चिमी छोर पर अपने जिबूती में मौजूद नेवल बेस के जरिए परेशानी खड़ा कर सकता है।

कितना शक्तिशाली है चीन का सीएच-4 ड्रोन :

चीन का सीएच-4 ड्रोन अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन की कॉपी है। आशंका है कि चीन ने इस ड्रोन को अमेरिकी तकनीक चुराकर विकसित किया है। इस ड्रोन का पूरा नाम चांग होंग-4 भी है।

इसे चीन के पुराने सीएच-3ए ड्रोन को अपग्रेड कर बनाया गया है। इस ड्रोन को चीनी एविएशन कंपनी चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉरपोरेशन ने डेवलप और मैन्यूफैक्चर किया है। सीएच-4 ड्रोन लगातार 30 घंटे तक उड़ान भर सकता है। यह ड्रोन 115 किलोग्राम के बम के साथ उड़ान भरने में सक्षम है। चीनी कंपनी ने पहली बार सीएच-4 ड्रोन को झुहाई एयरशो-2014 में प्रदर्शित किया था। यह ड्रोन काफी अधिक ऊंचाई पर उड़ने के कारण सामान्य रडार से बचने में भी सक्षम है।

केंद्रीय मंत्री अदालत में पेश

चोरी के 14 साल पुराने मामले में हैं आरोपी

अलीपुरद्वार, 10 जनवरी (एजेंसियां)। चोरी के एक मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निशीथ प्रमाणिक की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। इस मामले में वह कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए दी गई समय सीमा से दो दिन पहले यानी आज अलीपुरद्वार अदालत में पेश हुए। गौरतलब है कि चोरी का यह मामला 14 साल पुराना है। साल 2009 में अलीपुरद्वार में सोने की दो दुकानों में चोरी के एक मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी।

इस मामले में 11 नवंबर 2022 को अलीपुरद्वार कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। जिसके बाद वे आज कोर्ट में पेश हुए। मामले की सुनवाई के दौरान अलीपुरद्वार कोर्ट की न्यायिक मजिस्ट्रेट मौमिता मल्लिक ने इस मामले में आदेश सुनाते हुए कहा कि मामले में भविष्य में होने वाली सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से उन्हें अदालत में पेश होने की जरूरत नहीं है। उनके वकीलों के जरिए मामले की सुनवाई हो सकती है।

गौरतलब है कि 2009 में दो दुकानों में कथित चोरी के मामले में 16 नवंबर 2022 को कूचबिहार के सांसद प्रमाणिक के खिलाफ अलीपुरद्वार अदालत ने उनकी गिरफ्तारी का वारंट जारी किया था। हालांकि, कलकत्ता हाईकोर्ट ने 23 नवंबर को मंत्री के खिलाफ वारंट पर रोक लगा दी थी। इस दौरान हाईकोर्ट ने उन्हें 7 जनवरी से 12 जनवरी, 2023 के बीच अलीपुरद्वार अदालत में मजिस्ट्रेट के सामने पेश होने का निर्देश दिया था।

सुनवाई के दौरान केंद्रीय मंत्री प्रमाणिक के वकीलों ने दावा किया था कि अलीपुरद्वार थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया गया था, लेकिन पुलिस ने उन्हें मामले में फंसा दिया। सुनवाई के बाद केंद्रीय मंत्री ने ममता सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ममता सरकार भाजपा नेताओं को परेशान कर रही है।

एलजी साहब शुक्रवार 4 बजे तक बिजी

उपराज्यपाल ने नहीं दिया केजरीवाल को मिलने का समय

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बीच खींचतान बढ़ती जा रही है। दोनों की बीच 10 एल्डरमैन को मनोनीत करने को लेकर तनातनी बढ़ गई है।

सोमवार को ही उपराज्यपाल ने केजरीवाल को पत्र लिखकर मीटिंग के लिए बुलाया था। जिसके बाद अब बताया जा रहा है कि उपराज्यपाल दफ्तर ने अरविंद केजरीवाल को जल्द मीटिंग का समय देने से इनकार कर दिया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया कि एलजी ऑफिस ने मुख्यमंत्री केजरीवाल को तुरंत मीटिंग का समय देने से मना कर दिया। उपराज्यपाल से मीटिंग का आमंत्रण मिलने के तुरंत बाद केजरीवाल ने इसे स्वीकार किया था। मुख्यमंत्री ने आज मीटिंग के लिए उपराज्यपाल से अपॉइंटमेंट मांगा। जिस पर एलजी दफ्तर ने तुरंत अपॉइंटमेंट देने से मना कर दिया है। ऑफिस से कहा गया कि उपराज्यपाल के पास शुक्रवार शाम 4:00 बजे से पहले समय नहीं है।

गौरतलब है कि उपराज्यपाल ने कल ही मुख्यमंत्री केजरीवाल को गवर्नेंस संबंधित मुद्दों पर मीटिंग करने के लिए आमंत्रित किया था। दिल्ली में अधिकारों को लेकर मुख्यमंत्री केजरीवाल और उपराज्यपाल के बीच जारी टकराव के बीच उपराज्यपाल ने कल केजरीवाल को पत्र लिखा था। पत्र में उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया था। एलजी ने कहा था कि अब चुनाव खत्म हो गए हैं, ऐसे में शहर में संघर्ष मुक्त गवर्नेंस और जनहित के लिए बैठकें शुरू करनी चाहिए।

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लिखे पत्र में कहा था, मैं इस बात की सराहना करता हूं कि आपने शहर में गवर्नेंस को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है और राजधानी के प्रशासन से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों और कानूनों की पेचीदगियों में जाने लगे हैं।

दिल्ली से बिहार तक कहर बरपा रही ठंड

मौसम विभाग का अनुमान- अब बारिश बढ़ाएगी टेंशन

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में लोग कड़ाके की ठंड से परेशान हैं। शीतलहर के साथ ही घना कोहरा लोगों पर कहर बरपा रहा है। देश के कई हिस्सों में अगले कुछ घंटों के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही, मौसम विभाग ने कोहरे को लेकर ताजा अपडेट जारी किया है। विभाग ने ये भी बताया है कि 10 जनवरी की सुबह अलग-अलग इलाकों में विजिबिलिटी कितनी रही।

इन इलाकों में शून्य रही विजिबिलिटी

आगरा और बठिंडा में मंगलवार सुबह साढ़े 5 बजे विजिबिलिटी शून्य रही। जम्मू, गंगानगर, चंडीगढ़, अंबाला, पटियाला, बरेली, लखनऊ, सुल्तानपुर, गोरखपुर और भागलपुर में 25 मीटर दर्ज की गई। हिसार, पालम, बहराइच, गया और पूर्णिया में विजिबिलिटी 50 मीटर रही। 10 जनवरी की सुबह दिल्ली, यूपी, हरियाणा, पंजाब और बिहार के कुछ हिस्सों में घना और बहुत घना कोहरे की परत थी। घना कोहरा को देखते हुए वाहन चालकों से नियमों का पालन करने की अपील की गई है। जम्मू, पंतनगर, पटियाला, अमृतसर, लुधियाना, भिवानी, करनाल, पालम, बरेली, बहराइच, लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज, गया और भागलपुर में सुबह साढ़े 8 बजे विजिबिलिटी 100 मीटर से कम रही।

ट्रेनों पर कोहरे का असर

उत्तर भारत में कोहरे के चलते कई ट्रेनें देर से चल रही हैं। देरी से चलने वाली ट्रेनों की लिस्ट जारी की गई है।

उड़ानों पर भी असर

दिल्ली में कोहरे और ठंड के कारण कुछ उड़ानें (दिल्ली-काठमांडू, दिल्ली-जयपुर, दिल्ली-शिमला, दिल्ली-देहरादून, दिल्ली-चंडीगढ़-कुल्लू) लेट हुई हैं।

कुछ राज्यों में बारिश का अनुमान

मौसम विभाग ने यूपी, हरियाणा समेत कुछ राज्यों में बारिश का अनुमान जताया है। दो-तीन दिन बाद कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी हो सकती है।

ठंड से राहत मिलने की उम्मीद

मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में ठंड से राहत मिलने की उम्मीद जताई है। पूर्वानुमान विशेषज्ञों के मुताबिक, नया पश्चिमी विक्षोभ 10 जनवरी की रात से आएगा, जिसके बाद मौसम बदलेगा। 11 से 13 जनवरी के बीच हवा की दिशा बदलेगी तो ठिठुरन भरी ठंड से भी थोड़ी राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश में रेड अलर्ट और राजस्थान, बिहार में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग की सलाह

विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय तक कोहरे के कारण अस्थमा ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों में घरघराहट, खांसी और सांस की तकलीफ हो सकती है। इससे आंखों में जलन या संक्रमण भी हो सकता है। मौसम विभाग ने सलाह दी है कि लंबी यात्रा के दौरान यात्रियों को पानी और दवा जैसी जरूरी चीजें अपने साथ रखनी चाहिए।

करोल बाग-रोहतक रोड पर डीटीसी बस झुग्गियों में घुसी, कई घायल

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी के करोल बाग-रोहतक रोड पर मंगलवार की सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक डीटीसी क्लस्टर बस ब्रेक फेल होने की वजह से सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन के पास बनी झुग्गियों में जा घुसी हादसे में तीन महिलाएं और बच्चा घायल हो गया, जिसे पास के जीवन माला अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बताया जा रहा है कि बच्चे की हालत नाजुक बनी हुई है. घटना सुबह घटित हुई जब 925 नंबर की डीटीसी बस सवारियों को लेकर जा रही थी. इस दौरान अचानक बस का ब्रेक फेल हो गया, जिससे यह हादसा हो गया. इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने बस को हटाने का प्रयास किया. हादसे में बस का शीशा भी क्षतिग्रस्त हो गया है. फिलहाल मौके पर दिल्ली पुलिस और दमकल विभाग के अलावा ट्रैफिक पुलिसकर्मी और सिविल डिफेंस कर्मचारी भी मौजूद हैं जहां राहत और बचाव कार्य जारी है.

मुश्किल में शेहला रशीद

एलजी सक्सेना ने दी जेएनयू की पूर्व छात्रा के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी, ये है मामला

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने जेएनयू की पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष शेहला रशीद पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। उन पर यह कार्रवाई सेना के खिलाफ किए गए ट्वीट के चलते करने की मंजूरी दी गई है। गौरतलब है कि शेहला रशीद ने अगस्त 2019 में दो ट्वीट्स किए थे जिसके चलते उन पर सितंबर 2019 में वकील अलख आलोक श्रीवास्तव की शिकायत पर एफआईआर हुई थी। इसी मामले में एलजी ने शेहला के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 196 के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दे दी है। इससे पहले दिल्ली सरकार के गृहमंत्रालय ने भी उनके ट्वीट को धार्मिक भावनाएं भड़काने वाला मानते हुए इसमें केस चलाने की अनुमति दी थी।

किया कि उनके ट्वीट में कही बातें 18 अगस्त की रात हुईं थीं। 'सशस्त्र बल रात के वक्त लोगों के घरों में घुसकर लड़कों को उठा रहे हैं, घरों में तोड़फोड़ कर रहे हैं, जानबूझकर राशन को जमीन पर फेंक रहे हैं, चावल में तेल मिला रहे हैं और ऐसे ही बहुत कुछ रात के 12 बजे कर रहे हैं।' अगले ट्वीट में शेहला ने लिखा, 'शोपियां में चार आदमियों को आर्मी कैंप बुलाया गया और उन्हें पूछताछ के नाम पर टॉर्चर किया गया।

उनके पास एक माइक रखा गया था ताकि उनकी चीखें पूरे इलाके को सुनाई दें और लोग दहशत में आ जाएं। इसकी वजह से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।' शेहला के इन ट्वीट्स के बाद एक वकील अलख आलोक श्रीवास्तव ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी और भारतीय सेना ने भी शेहला के दावों का खंडन न्यूज एजेंसी एएनआई के माध्यम से किया था। इसी मामले में एलजी ने शेहला के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 196 के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दे दी है। इससे पहले दिल्ली सरकार के गृहमंत्रालय ने भी उनके ट्वीट को धार्मिक भावनाएं भड़काने वाला मानते हुए इसमें केस चलाने की अनुमति दी थी।

हनीट्रैप का निकला कनेक्शन

एयरपोर्ट पर शख्स के बैग से मिली 28 करोड़ से ज्यादा की कोकेन

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। एयरपोर्ट के सीमा शुल्क विभाग ने एक शख्स के बैग से 28 करोड़ रुपये की कोकेन बरामद की है. कस्टम के अधिकारियों ने भारतीय यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया है. सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि पकड़े गए व्यक्ति को एक दूसरे शख्स ने ड्रग्स ले जाने के लिए लालच दिया था. इनकी मुलाकात भी सोशल मीडिया पर हुई थी. कस्टम के अधिकारियों ने बताया कि तस्करी में शामिल करने के लिए शख्स को हनीट्रैप किया गया था. उसके बैग से 28.10 करोड़ रुपये मूल्य की 2.81 किलोग्राम कोकेन बरामद हुई है. बता दें कि मुंबई एयरपोर्ट पर ड्रग्स जब्ती की ये कोई पहली घटना नहीं है. इससे पहले भी कई बार कस्टम ने नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है.

31.29 करोड़ की ड्रग्स बरामद

तीन दिन पहले, 6 जनवरी को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने दो अलग-अलग मामलों में 31.29 करोड़ मूल्य की 4.47 किलोग्राम हेरोइन और 15.96 करोड़ मूल्य की 1.59 किलोग्राम कोकेन जब्त की.

फोल्डर और बटन में छुपाया था कोकेन और हेरोइन

अधिकारियों के अनुसार, एक अंतरराष्ट्रीय यात्री ने दस्तावेज फोल्डर कवर में हेरोइन छुपाई थी, जबकि एक अन्य यात्री को कपड़े के बटन में छुपाकर रखी गई कोकेन के साथ पकड़ा गया था. सीमा शुल्क अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए और आरोपी यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया. दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

महिला ने तोड़े प्रेम संबंध तो भड़क गया वॉचमैन

बदला लेने के लिए उठाया खौफनाक कदम, गिरफ्तार

ठाणे, 10 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में बच्चे की मां से विवाद के बाद एक वॉचमैन ने सात साल के एक बच्चे का कथित तौर पर अपहरण कर लिया और उसकी हत्या कर दी। खड़कपाड़ा पुलिस थाने के सहायक पुलिस निरीक्षक एस एस सुरवासे ने बताया कि आरोपी नितिन कांबले ने सोमवार को कल्याण कस्बे में अपने स्कूल से बच्चे का अपहरण कर लिया। जब लड़का घर नहीं लौटा तो उसके परिजनों ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने तलाश शुरू की और एक आवास परिसर के स्विमिंग पूल में बच्चे का शव मिला। पुलिस ने बाद में हत्या का मामला दर्ज किया। मामले की जांच के दौरान पुलिस को आरोपी और पीड़िता की मां के बीच प्रेम संबंध के बारे में पता चला। बाद में वह उससे बचने लगी, जिसके कारण उनका झगड़ा हुआ। अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने उसके साथ बदला लेने के लिए कथित तौर पर बच्चे का अपहरण कर लिया और उसे हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के स्विमिंग पूल में डुबो कर मार डाला, जहां वह पहले काम करता था। शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। बाद में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कहा कि वह अक्सर बच्चे को स्कूल से लाता था।

रेवाड़ी में युवक से 21 हजार की ठगी

रेवाड़ी, 10 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी में शातिर बदमाशों ने एक युवक की फेसबुक आईडी हैक कर ली। साथ ही उस पर एड नंबर के जरिए उसके खाते से 3 बार ट्रांजेक्शन कर साढ़े 21 हजार रुपए की ठगी भी कर दी। इतना ही नहीं शातिर बदमाशों ने कॉल कर युवक को धमकी भी दी। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने फ्रॉड का केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कनाडा में महिला से 4 हजार डॉलर की ठगी

करनाल, 10 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल एसपी को कनाडा में बैठी एक महिला के रिश्तेदार ने 4 हजार डॉलर की ठगी होने की शिकायत दी। आरोपी ने महिला को बातों में फंसाकर डॉलर ट्रांसफर करवा लिए। जिसके बाद पुलिस ने बुटाना थाना में मामला दर्ज किया है।

आरोपी आफताब की न्यायिक हिरासत 14 दिन के लिए बढ़ी

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। श्रद्धा हत्याकांड के मुख्य आरोपी की न्यायिक हिरासत को एक बार फिर बढ़ा दिया गया है. दिल्ली की साकेत कोर्ट ने आफताब पूनावाला की न्यायिक हिरासत अगले 14 दिनों के लिए बढ़ा दी है. समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, आफताब पूनावाला ने पढ़ाई के लिए कानून की कुछ किताबों की मांग की है. वहीं कोर्ट ने अधिकारियों को उन्हें गर्म कपड़े मुहैया कराने का भी निर्देश दिया है. इससे पहले, 4 जनवरी को डीएनए रिपोर्ट ने केस में एक बड़ा खुलासा किया. डीएनए रिपोर्ट से पता चला कि पुलिस जांच के दौरान जो बाल और हड्डी बरामद किए थे वो मृतका श्रद्धा के ही थे. दिल्ली पुलिस ने कहा कि नमूनों की माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए रिपोर्ट पीड़िता के पिता और भाई के डीएनए से मेल खाती है. नमूने परीक्षण के लिए हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंटिंग डायगोनैटिक में भेजे गए थे. विशेष पुलिस आयुक्त सागर प्रीत हुड्डा ने कहा, माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए रिपोर्ट में श्रद्धा वॉकर के साथ बाल और हड्डी के नमूने के मिलान की पुष्टि हुई है. दिल्ली पुलिस को सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स से रिपोर्ट मिली है.

डेटिंग ऐप पर मिले ये श्रद्धा और आफताब

विशेष सीपी ने ये भी कहा, हड्डी का एक टुकड़ा और बालों का एक गुच्छा मृतक के पिता और भाई के साथ मेल खाता है, जो हड्डी और बालों की पहचान को स्थापित करता है. बता दें कि श्रद्धा और आफताब 2018 में एक डेटिंग ऐप के जरिए मिले थे. बाद में 8 मई 2022 को वे दिल्ली शिफ्ट हो गए और किराए के फ्लैट में रहने लगे. बता दें, पिछले साल 18 मई को आफताब ने श्रद्धा की हत्या कर दी थी और उसके शरीर को 35 टुकड़ों में काटने के बाद शहर के विभिन्न स्थानों पर फेंक दिया था. दिल्ली पुलिस ने श्रद्धा के शरीर के अंगों की तलाश के दौरान महरौली वन क्षेत्र से हड्डियों के 13 टुकड़े बरामद किए थे.

नर्मदापुरम - पिपरिया मार्ग पर भीषण सड़क हादसा

श्रद्धालुओं से भरी बस खड़े ट्रक में घुसी, एक की मौत

नर्मदापुरम, 10 जनवरी (एजेंसियां)। नर्मदापुरम - पिपरिया स्टेट हाईवे पर घने कोहरे के कारण श्रद्धालुओं से भरी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। मंगलवार सुबह 6:00 बजे शोभापुर के पास बस सड़क पर खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में बस में बैठे 38 श्रद्धालु घायल हो गए, वहीं एक यात्री की पिपरिया के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीण और सोहागपुर एसडीओपी, टीआई समेत पुलिस स्टाफ ने पहुंचकर घायल यात्रियों को बाहर निकाला। सोहागपुर, पिपरिया और माखननगर से बुलाई गई एम्बुलेंस से गंभीर घायल श्रद्धालुओं को पिपरिया और सोहागपुर से नर्मदापुरम रेफर किया गया है। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि बस का बायां हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस में बैठे सभी लोग श्रद्धालु हैं, जो कि उज्जैन, ओंकारेश्वर दर्शन करने आएं थे और वापस बालाघाट जा रहे थे।

शादी का झांसा देकर सहमति से शारीरिक संबंध बनाना रेप नहीं

उड़ीसा हाईकोर्ट के फैसले की मुख्य बातें

भुवनेश्वर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। उड़ीसा हाईकोर्ट ने रेप को लेकर अहम फैसला दिया है. हाईकोर्ट ने एक जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि शादी का झांसा देकर सहमति से शारीरिक संबंध बनाना रेप की श्रेणी में नहीं आता है. हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि दुष्कर्म से जुड़े कानूनी प्रावधानों का इस्तेमाल अंतरंग संबधों को नियंत्रित करने में नहीं किया जाना चाहिए, जब एक महिला अपनी मर्जी से ऐसे संबंधों में शामिल होती है. हाईकोर्ट ने रेप के एक आरोपी को जमानत देते हुए यह टिप्पणी की. कोर्ट ने आगे कहा कि यदि कोई महिला सहमति से यौन संबंध बनाती है तो आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म के आपराधिक कानूनी प्रावधानों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है. जस्टिस एसके पाणिग्रही की सिंगल बेंच ने रेप के आरोपी एक युवक की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की है. हाईकोर्ट ने रेप के आरोपी को जमानत देते हुए कहा, 'बिना किसी आश्वासन के सहमति से बनाए गए शारीरिक संबंध के मामले को आईपीसी की धारा 376 (दुष्कर्म के लिए सजा का प्रावधान) के तहत अपराध नहीं माना जा सकता है. शादी के झूठे वादे कर यौन संबंध बनाने को रेप की श्रेणी में रखना उचित नहीं है.'उड़ीसा हाईकोर्ट की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि शादी का झूठा वादा करके शारीरिक संबंध बनाने को रेप मानना गलत प्रतीत होता है, क्योंकि यह आईपीसी की धारा 375 के तहत दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं आता है. इसके साथ ही हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि अभियुक्त जांच प्रक्रिया में सहयोग करेगा और पीड़िता को धमकी नहीं देगा. हाल में ऐसे ही एक मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि अगर कोई महिला सहमति से शारीरिक संबंध बनाती है तो उस मामले में आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 375 का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है. इस मामले में अभियुक्त के खिलाफ अन्य आपराधिक कानून के प्रावधानों का इस्तेमाल किया जा सकता है. आरोप के मुताबिक, एक युवक ने शादी का झांसा देकर भोपाल की एक महिला से शारीरिक संबंध बनाए. उसके बाद आरोपी फरार हो गया. स्थानीय पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था. इसके बाद आरोपी की ओर से जमानत याचिका दायर की गई थी. निचली अदालत ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया था. इसके बाद आरोपी युवक ने हाईकोर्ट में जमानत की अर्जी दाखिल की थी.

भारत में कोविड-19 के 121 नए मामले, एक व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में मंगलवार को कोविड-19 महामारी के 121 नए मामले आए जिससे कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4.46 करोड़ हो गई है वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 2,319 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में संक्रमण से एक व्यक्ति की मृत्यु होने के बाद इस महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 5,30,722 हो गई है। दैनिक संक्रमण दर 0.07 प्रतिशत और साप्ताहिक संक्रमण दर 0.11 प्रतिशत दर्ज की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार उपचाराधीन मरीजों की संख्या कुल मामलों का 0.01 प्रतिशत है और संक्रमण से ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.80 प्रतिशत हो गई है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन रोगियों की संख्या में 52 की कमी आई है। बीमारी से ठीक होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,41,47,174 हो गई है। मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत देश में कोविड-19 रोधी टीके की अब तक 220.14 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

450 हेक्टेयर वन भूमि को खाली कराने का अभियान शुरू

500 से अधिक परिवार होंगे प्रभावित

लखीमपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। असम के लखीमपुर जिले में मंगलवार को अवैध निवासियों से 450 हेक्टेयर वन भूमि को खाली करने का अभियान चल रहा है। आरक्षित वन के 2,560.25 हेक्टेयर में से केवल 29 हेक्टेयर वर्तमान में किसी भी अतिक्रमण से मुक्त है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि पावो आरक्षित वन के तहत 450 हेक्टेयर भूमि को साफ करने के अभियान में 500 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं, मंगलवार को पहले चरण में 200 हेक्टेयर को लक्षित किया गया था। लखीमपुर की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रूना नेओग ने कहा कि 60 से अधिक उत्खननकर्ता और ट्रैक्टर और 600 सुरक्षाकर्मियों को सुबह से कार्रवाई में लगाया गया है। नेओग ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि सुबह साढ़े सात बजे से अभियान शांतिपूर्वक चल रहा है और हमें अब तक किसी प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र की निगरानी कर रहे थे और अवैध निवासियों को अपने घरों को खाली करने के लिए कहा गया था। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मोघुली गांव में 299 घरों वाली 200 हेक्टेयर जमीन को मंगलवार को साफ किया।

10 से ज्यादा लोगों ने किया शख्स पर हमला, काटकर ले गए हाथ

चंडीगढ़, 10 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र से एक चौंका देने वाली घटना सामने आयी है. यहां कुछ अज्ञात लोगों ने एक शख्स पर हमला किया और उसका हाथ काट कर अपने साथ ले गए. पीड़त शख्स इस वक्त अस्पताल में भर्ती है जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है. पीड़ित शख्स की पहचान जुगनु नाम से हुई है. घटना के बाद जुगनु को लोक नायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है. पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि ये घटना सरदार पुलिस थाने के अंदर आने वाले कुरुक्षेत्र हवेली पर घटी है.

नाबालिग की मौत के बाद जागा प्रशासन

अब गश्त कर बाघ की तलाश में जुटे टाइगर रिजर्व प्रबंधन के अधिकारी

उमरिया, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मानपुर परिक्षेत्र में बाघ के हमले से नाबालिग की मौत के बाद टाइगर रिजर्व प्रबंधन के अधिकारी कर्मचारी गांव में डेरा जमाए हुए हैं। कर्मचारी अब गांव सहित पूरे क्षेत्र में गश्त कर बाघ की तलाश कर रहे हैं। जिससे बाघ को जंगल की तरफ खदेड़ा जा सके। इसकी निगरानी टाइगर रिजर्व के अधिकारियों की ओर से की जा रही है। बता दें, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मानपुर परिक्षेत्र के बीच पटपरिया गांव में शनिवार देर शाम को खेत में नाबालिग युवक पर बाघ ने हमला कर दिया था, जिसमें युवक की मौत हो गई थी, जिसके बाद बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन के अधिकारी कर्मचारी और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे थे।

प्रतिभा सिंह बोलीं

कांगड़ा को कैबिनेट में और प्रतिनिधित्व देने के लिए सीएम से करूंगी बात

शिमला, 10 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी की हिमाचल प्रदेश अध्यक्ष सांसद प्रतिभा सिंह ने कहा कि कैबिनेट में जिन जिलों को अभी प्रतिनिधित्व नहीं मिला है, वहां से चुने पार्टी विधायकों को भी तवज्जो दिया जाएगा। 26 जनवरी से कांग्रेस के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान को लेकर आयोजित बैठक के लिए राजीव भवन शिमला में मौजूद रहीं प्रतिभा सिंह ने मंत्रिमंडल विस्तार पर कहा किसरकार में नए चेहरे के साथ वरिष्ठ सदस्यों को प्रतिनिधित्व दिया है। सभी लोगों ने इसका स्वागत किया है। जिन जिलों को प्रतिनिधित्व नहीं मिला है, वहां से चुने हुए विधायकों को भी तवज्जो दिया जाएगा। कहा कि कांगड़ा जिले से इतने विधायक जीतकर आए हैं। इस संबंध में मुख्यमंत्री से बात की जाएगी कि कांगड़ा से जीते विधायकों को भी तवज्जो दी जाए। कहा कि पहली कैबिनेट बैठक में महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपये देने पर का फैसला होगा।

करीमगंज में बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या के बाद तनाव, धारा 144 लागू

करीमगंज, 10 जनवरी (एजेंसियां)। असम के करीमगंज जिले में बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की हत्या के बाद इलाके में तनाव की स्थिति है। एहतियात के तौर पर जिले के कुछ हिस्सों में धारा 144 लगा दी गई है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी है। गौरतब है कि करीमगंज से करीब 50 किलोमीटर दूर लोवाइरपुआ इलाके में 16 वर्षीय सांभू कोइरी की शनिवार शाम हत्या कर दी गई थी। बताया जा रहा है कि उस पर धारदार हथियार से हमला किया गया था। ये हमला उस वक्त हुआ जब सांभू पड़ोसी जिले हाइलाकांडी में बजरंग दल के तीन दिवसीय ट्रेनिंग कैंप से लौट रहा था। हमले में बुरी तरह घायल हुए सांभू को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, इस घटना से गुस्साए लोगों ने थाने का घेराव किया।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र

मातृभाषा के माध्यम से ही वास्तविक लाभ सम्भव है।

बुधवार, 11 जनवरी, 2023 3

10वीं कक्षा में सर्वश्रेष्ठ परिणाम का लक्ष्य : हरीश राव

सौ प्रतिशत परिणाम लाने वाले स्कूलों को मिलेंगी 25 हजार की पुरस्कार राशि

सिद्दीपेट, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट में सरकारी हाई स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को हर संभव सहायता का आश्वासन देते हुए वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने उनसे पिछले साल की बोर्ड परीक्षा के प्रदर्शन को दोहराने का आह्वान किया। जिला 2021-22 कक्षा 10 बोर्ड परीक्षाओं में 97.85 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत प्राप्त कर राज्य में प्रथम स्थान पर रहा था। मंगलवार को बोर्ड परीक्षा के लिए कक्षा 10 के छात्रों द्वारा तैयारी पर एक समीक्षा बैठक में बोलते हुए, श्री राव ने 10 जीपीए पाने वाले प्रत्येक छात्र को 10,000 रुपये की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की, इसके अलावा इस वर्ष 100 प्रतिशत परिणाम लाने वाले स्कूलों को 25,000 रुपये देने की घोषणा की।

10वीं कक्षा के प्रत्येक छात्र की प्रगति की नियमित रूप से निगरानी करने के उद्देश्य से, मंत्री ने सुझाव दिया कि प्रत्येक शिक्षक और जनप्रतिनिधि प्रत्येक 10 छात्रों को गोद लें।

हरीश राव ने कहा कि जिला प्रशासन 10वीं कक्षा के छात्रों के लिए डिजिटल सामग्री तैयार कर रहा है, जिससे छात्रों को परीक्षाओं की बेहतर तैयारी करने में मदद मिलेगी। छात्रों के लिए सामग्री तैयार करने के अलावा मंत्री ने कहा कि प्रत्येक अध्याय में एक क्यूआर कोड होगा। छात्र प्रत्येक अध्याय के लिए विशेष रूप से बोर्ड परीक्षाओं के लिए डिज़ाइन की गई डिजिटल सामग्री का उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिले में 10वीं कक्षा के 10,000 से अधिक छात्रों के लिए सामग्री और डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर जिला परिषद् अध्यक्ष वी रोजा शर्मा, मेडक सांसद कोठा प्रभाकर रेड्डी, कलेक्टर प्रशांत जीवन पाटिल, एमएलसी फारूक हुसैन और अन्य उपस्थित थे।

आईटी टावर के काम में देरी से मंत्री नाखुश दिखे

सिद्दीपेट, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि सिद्दीपेट में आईटी टॉवर इस साल अप्रैल में खोला जाएगा। हालांकि, मंत्री ने काम की धीमी गति पर निराशा व्यक्त की। इससे पहले सरकार ने काम पूरा करने के लिए जनवरी की समय सीमा तय की थी, लेकिन ठेका देने वाली एजेंसी निर्धारित समय सीमा को पूरा नहीं कर पाई। मंगलवार को आईटी टावर कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि अब तक लगभग 60 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. अधिकारियों को काम में तेजी लाने के लिए कहते हुए, राव ने उन्हें मार्च तक पूरा करने का निर्देश दिया यह कहते हुए कि तेलंगानासरकार ने स्थानीय लोगों के लिए रोजगार पैदा करने के उद्देश्य से सिद्दीपेट में एक आईटी टावर बनाने का फैसला किया था, उन्होंने कहा कि आईटी टॉवर सिद्दीपेट के योग्य युवाओं के लिए एक सुनहरा उपहार बन जाएगा।

पक्षी प्रेमियों से शहर में चाइनीज मांझे का प्रयोग नहीं करने की अपील की

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हम, सहयोग संगठन और भारतीय प्राण मित्र संघ के स्वयंसेवक 17 जनवरी की सुबह तक हैदराबाद शहर और उसके आसपास दोपहिया वाहनों पर घूमेंगे और घायल पक्षियों की देखभाल करेंगे। इस संगठन की स्थापना पशु अधिकारों और पशुओं के कल्याण के लिए काम करने के लिए की गई है। इसमें कहा गया है कि सभी जानवर मारपीट, बदसलूकी, कैद, ओवरलोडिंग और तमाम तरह की क्रूरता के शिकार हो रहे हैं। हर जनवरी में हैदराबाद शहर में, संक्रांति उत्सव के दौरान पतंग उड़ाने वालों के रोमांच के लिए हजारों पक्षी मारे जाते हैं। पक्षियों को चोट चीनी मांझा के कारण लगती है। कांच से लिपटे धागे जो पक्षियों के मांस और हड्डियों को काटते हैं। शिविर में लाए गए पक्षियों के शरीर में गहरी चोटें, यहां तक कि कांच के टुकड़े भी लगे होते हैं। पक्षियों के साथ अंतरिक्ष के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले अधिक पतंग उड़ाने वालों के साथ, हिट की संख्या पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी है।

मांझा से कई पक्षी और इंसान गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। इसलिए, हम, सहयोग संगठन और भारतीय प्राण मित्र संघ के स्वयंसेवक नागरिकों से पतंगबाजी उत्सव के दौरान कुछ करने और न करने योग्य बातों का पालन करने का आग्रह किया है।

चाइनीज़ मांझे से पतंग नहीं उड़ाएं। खुले मैदान में पतंग उड़ाएं। किसी घायल पक्षी को कभी भी नज़रअंदाज़ न करें कृपया हमें मदद के लिए कॉल करें या पेड़ों से लटके हुए पक्षियों की सूचना हमारे हेल्पलाइन नंबर 9394005600 पर दे।

घायल पक्षियों को निकटतम पशु चिकित्सक या नजदीकी कबूतर उपचार केंद्र पर ले आएं। मकर संक्रांति के दौरान पतंग उड़ाने के लिए बिना परत वाली डोरी (मांझा की जगह) का इस्तेमाल करें। चाइनीज मांझा राज्य में प्रतिबंधित है, चाइनीज मांझा बेचने वाला कोई भी दिखे तो उसकी सूचना हमारी हेल्पलाइन पर दें, ताकि उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सके।

संक्रांति पर्व के लिए दमरे विशेष ट्रेनें चलाएगा

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति त्योहारी सीज़न के दौरान अपने गृहनगर, तीर्थ यात्रा और अन्य स्थानों की यात्रा करने वाले रेल यात्रियों के लिए,दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर)विभिन्न गंतव्यों के बीच अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाएगा। तदनुसार, सिकंदराबाद-काकीनाडा टाउन (07571) ट्रेन 12 जनवरी, काकीनाडा टाउन-तिरुपति (07573) ट्रेन 13 जनवरी और तिरुपति-काकीनाडा टाउन (07574) ट्रेन 14 जनवरी को चलेगी। ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में नलगोंडा, सत्तेनपल्ली, गुंटूर, विजयवाड़ा, एलुरु, ताडेपल्लीगुडेम, राजमुंदरी, सामलकोट, तेनाली, बापतला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर और रेनिगुन्टा स्टेशनों पर रुकेंगी।

मीरपेट पार्षद के पति पर लगा जान से मारने की धमकी देने का आरोप

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मीरपेट पार्षद के पति प्रभाकर रेड्डी ने एक बाइक को अपनी कार से टक्कर मारने और बाइक सवारों पर हमला करने के बाद हंगामा खड़ा कर दिया। पूरी घटना सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। सूत्रों के मुताबिक, मीरपर्ट पार्षद के पति प्रभाकर रेड्डी ने कथित तौर पर अपनी कार जानबूझकर बाइक से टक्कर मारी और बलराम नाम के व्यक्ति पर हमला कर दिया। हादसे में घायल पीड़ित ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित बलराम का आरोप है कि प्रभाकर रेड्डी ने उसे जान से मारने की कोशिश की और उसके और उसके परिवार के सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार किया। पुलिस को संदेह है कि घटना के पीछे एक राजनीतिक रंजिश हो सकती है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। हालांकि इस मामले में पार्षद की ओर से कोई बयान नहीं आया है।

प्रैक्टिकल ट्रेनिंग में पास हो गए डॉग

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंटीग्रेटेड इंटेलिजेंस ट्रेनिंग एकेडमी-आईआईटा, मोइनाबाद, हैदराबाद के 48 डॉग प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर आए थे। त्योहारी सीजन को देखते हुए आरपीएफ/जीआरपी स्टाफ व स्थानीय पुलिस डॉग स्क्वॉड ने विस्फोटक पदार्थ व नार्को पदार्थ पर मॉक ड्रिल किया। डॉग स्कायड की पूर्व सूचना के बिना अज्ञात यात्रियों के बैग के अंदर पदार्थ रखे गए थे।

काचीगुड़ा के पूरे स्टेशन परिसर को कुत्तों द्वारा चेक किया गया था, जिन्होंने अंत में सही बैग सूंघ लिया जिसमें पदार्थ रखे गए थे। केसीजी में मॉक ड्रिल में कुत्तों के साथ आरपीएफ/जीआरपी के अधिकारी और कर्मचारी और स्थानीय पुलिस डॉग स्कायड के कर्मचारियों ने भाग लिया। मॉक ड्रिल के दौरान धर्मेंद्र कुमार, इंस्पेक्टर आरपीएफ काचीगुड़ा के साथ-साथ इंटीग्रेटेड इंटेलिजेंस ट्रेनिंग एकेडमी - आईआईटीए, मोइनाबाद, हैदराबाद के डॉग ट्रेनर मौजूद थे। मॉक ड्रिल यात्रियों को बिना किसी परेशानी के आयोजित की गई और कोई अप्रिय घटना नहीं हुई/रेलवे संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ।

पोचारम व गुत्था ने अजमेर दरगाह में चादर चढाई

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी और विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने मंगलवार को राजस्थान में हजरत मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह अजमेर दरगाह का दौरा किया। इस मौके पर दोनों ने अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाई और आशीर्वाद लिया।

विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी, विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेन्द्र रेड्डी, जो जयपुर में आयोजित होने वाले 83 वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में भाग लेने के लिए राजस्थान आ रहे हैं। अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन भारत में विधानमंडलों का शीर्ष निकाय है जिसने 2021 में अपने सौ वर्ष पूरे किए। राजस्थान विधानसभा में बुधवार से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में 83वां सत्र हो रहा है. सम्मेलन का उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ बुधवार को करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया-भारत बिजनेस टीम का दौरा

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में निवेश की संभावनाएं तलाशने के लिए ऑस्ट्रेलिया-इंडिया बिजनेस काउंसिल की टीम यहां पहुंची और मंगलवार को परिसर भवन में तेलंगाना स्टेट इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड (टीएसआईआईसी) के चेयरमैन ग्यादरी बालामल्लू के साथ चर्चा की। टीम का नेतृत्व ऑस्ट्रेलिया-इंडिया बिजनेस काउंसिल के चेयरपर्सन जोडी मैककॉक, ऑस्ट्रेलिया के कसरला नागेंद्र रेड्डी और राजेश्वर राव अर्शनापल्ली ने किया। मेहमान प्रतिनिधिमंडल ने ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच मुक्त व्यापार व्यापार समझौते पर जोर देते हुए कहा कि दोनों देशों के व्यवसायी आसानी से व्यापार कर सकते हैं और तेलंगाना में चौतरफा विकास हो रहा है और टीम ने यहां निवेश करने का फैसला किया है।

नहर में कार गिरने से पांच की मौत

सिद्दीपेटए 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुखद घटना में, मंगलवार को यहां जगदेवपुर के मुनिगडपा में मल्लन्ना मंदिर के पास कार के नियंत्रण से बाहर हो जाने और केएलआईएस नहर में गिर जाने से एक परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार मारुति आल्टो कार में तीन महिला और एक लड़के समेत छह लोग सवार थे। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने कार से पांच शव निकालने में कामयाबी हासिल की, जबकि गंभीर रूप से घायल एक यात्री को गजवेल के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

प्रपत्र 10-1

सार्वजनिक अधिसूचना

FUB/0027

एतद्वारा निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है :

विषयः सिकंदराबाद डिवीजन-।काजीपेट -विजयवाडा सेक्शन के मध्य न्यू बीजी लाईन तीसरी लाईन का निर्माण कार्य-- यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई के लिए, 543.440 किमी से 560.087 किमी तक एर्रुपालेम (मिलाकर) तथा चेरुवुमाधवरम (छोडकर) के मध्य न्यू बीजी विद्युतीकृत तीसरी लाईन का प्रारंभ-सभी जनता को अधिसूचना के प्रति प्रपत्र 10-1 तथा प्रपत्र 10-2 का प्रकाशन के बारे में।

ओएचई मास्ट लोकेशन 543/सी9 (किमी/सीएचः 543/411.55) (वायपी मिलाकर) से: ओएचई मास्ट लोकेशन 560/सी3(किमी/सीएचः 560/111.90) (सीवीवी छोडकर) तक- एर्रुपालेम यार्ड तथा गंगीनेनी यार्ड सहित एर्रुपालेम(मिलाकर) एवं चेरुवुमाधवरम(छोडकर) के मध्य 543.440 किमी से 560.087 किमी तक यात्रियों की ढुलाई के लिए तत्संबंधित कार्य।

दक्षिण मध्य रेलवे के उपरोक्त सेक्शन के 25केवी, **50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को दि.02-02-2023** को या इसके बाद उर्जित (एनर्जाइज) किया जायेगा। निर्दिष्ट तिथि या उसी तिथि से ओवर हेड ट्रैक्शन लाइनस् को निरंतर लाइव सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइन के निकट न पहुंच सकेगा न कोई कार्य ही कर सकेगा।

प्रपत्र 10-2

एसी 25 केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ

सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी

निम्न सेक्शन के तहत मध्य 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में आम जनता को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि,

विषयः सिकंदराबाद डिवीजन-काजीपेट -विजयवाडा सेक्शन के मध्य न्यू बीजी लाईन तीसरी लाईन का निर्माण कार्य- - यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई के लिए, 543.440 किमी से 560.087 किमी तक एर्रुपालेम (मिलाकर) तथा चेरुवुमाधवरम (छोडकर) के मध्य न्यू बीजी विद्युतीकृत तीसरी लाईन का प्रारंभ-सभी जनता को अधिसूचना के प्रति प्रपत्र 10-1 तथा प्रपत्र 10-2 का प्रकाशन के बारे में।

ओएचई मास्ट लोकेशन 543/सी9 (किमी/सीएचः 543/411.55) (वायपी मिलाकर) से: ओएचई मास्ट लोकेशन 560/सी3(किमी/सीएचः 560/111.90) (सीवीवी छोडकर) तक- 7

एर्रुपालेम यार्ड तथा गंगीनेनी यार्ड सहित एर्रुपालेम(मिलाकर) एवं चेरुवुमाधवरम(छोडकर) के मध्य 543.440 किमी से 560.087 किमी तक यात्रियों की ढुलाई के लिए तत्संबंधित कार्य।

दक्षिण मध्य रेलवे के सभी लेवल क्रासिंस पर सड़क के स्तर से उपर 4.78 मीटर्स की स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई के साथ हाइट गेजेस लगाए गए हैं, जो तत्संबंधित लेवल क्रासिंस के रेल लेवल के उपर, न्यूनतम 5.5 मी. उंचाई पर है, ताकि अत्यधिक ऊंचाई के भार के संपर्क में आने या लाइव ट्रैक्शन वायर्स (संपर्क वायर्स) के खतरनाक निकटता से रोका जा सके।

आम जनता को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि, लदान करने वाले वाहनों के प्रति ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें और इसका पूरा ध्यान रखें कि, किसी भी परिस्थिति में सड़क वाहनों में लदान किए गए भार, हाइट गेज का उल्लंघन कतई नहीं करता हो।

अत्यधिक ऊंचाई के भार के खतरे इस प्रकार हैं-

i)हाइट गेज के लिए खतरा और सड़क के साथ-साथ रेलवे लाइन के लिए रुकावट I ii) मटेरियल या उपकरण के लिए या वाहन में तत्संबंधित उपकरण ढुलाई करने पर खतरा।

iii)कंडक्टर्स के संपर्क में आने या खतरनाक निकटता के कारण आग का खतरा तथा जिंदगी का जोखिम ।

उप मुख्य बिजली अभियंता(/निर्माण/ओएचइ-/सिकंदराबाद

A0046

दमरे ने माल लदान के 100 मिलियन टन के आंकड़े को किया पार

बहुत ही कम समय में माल ढुलाई की आय पहुंची नई ऊंचाई पर

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने 9 जनवरी, 2022 को चालू वित्त वर्ष में 100 मिलियन टन से अधिक माल लदान के महत्वपूर्ण मील के पत्थर को पार कर लिया है। इस ज़ोन ने 9 जनवरी, 2022 तक रिकॉर्ड 100.236 मिलियन टन (एमटी) लोड किया है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में लगभग 11.5 एमटी अधिक है। महत्वपूर्ण रूप से, यह 2018-19 के दौरान प्राप्त 306 दिनों के पिछले सर्वश्रेष्ठ की तुलना में 284 दिनों में मील का पत्थर हासिल करने के लिए जोन द्वारा माल लदान में 100 मीट्रिक टन को पार करने का सबसे तेज़ समय भी है। दक्षिण मध्य रेलवे की माल ढुलाई से होने वाली आय भी 9,755 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गई है। इन कमाई ने पिछले वित्तीय वर्ष के 7,870 करोड़ रुपये के माल ढुलाई राजस्व की तुलना में लगभग 24 प्रतिशत अधिक राजस्व की स्वस्थ वृद्धि दर्ज की। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में चालू वित्त वर्ष के दौरान सभी वस्तुओं के लदान के उच्च स्तर के साथ, माल ढुलाई में वृद्धि का प्रतिक्षेप पूरे माल ढुलाई खंड में देखा गया है। कमोडिटी-वार लोडिंग 50.35 एमटी कोयला (17.77), 26 एमटी सीमेंट (57), 5 एमटी उर्वरक (237) और 18.76 एमटी अन्य कमोडिटी (11,7) शामिल है। रेल परिवहन की ओर नई वस्तुओं को आकर्षित करने के लिए ज़ोन कई सक्रिय कदम उठा रहा है, जबकि मौजूदा माल टोकरी को भी मजबूत कर रहा है। जबकि माल ढुलाई को संभालने वाले टर्मिनल में लगातार सुधार किया जा रहा है, माल की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए मालगाड़ियों की आवाजाही पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने माल लदान में 100 मिलियन टन का आंकड़ा पार करने के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए संचालन और वाणिज्यिक टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि नीतिगत सुधारों और नई पहलों के साथ-साथ जोन भर में स्थापित व्यवसाय विकास इकाइयों ने माल ढुलाई के मामले में जोन द्वारा असाधारण प्रदर्शन किया है। उन्होंने अधिकारियों को शेष वित्तीय वर्ष के लिए इसी गति को जारी रखने की सलाह दी ताकि माल ढुलाई में नई ऊंचाई दर्ज की जा सके।

संक्रांति पर्व के मद्देनजर साइबराबाद सीपी ने समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त साइबराबाद स्टीफन रवींद्र ने साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के तहत सभी पुलिस स्टेशनों के अधिकारियों और अपराध विभाग के अधिकारियों के साथ संक्रांति पर्व को देखते हुए समीक्षा बैठक की। बैठक में सीपी ने कहा कि बहुत से लोग संक्रांति पर्व के दौरान छुट्टियों की वजह से अपने गृहनगर की यात्रा करते हैं। इस दौरान स्थानीय और अंतरराज्यीय लुटेरों के गिरोह बंद घरों पर अपना हाथ साफ करने के लिए सक्रिय हो जाते है। उन्होंने कहा कि रात में होने वाली चोरी को नियंत्रित करने के लिए सभी उपाय किए गए हैं और लोगों प्रसन्नता के साथ अपनी यात्रा करना चाहिए और त्योहार को खुशी से मनाना चाहिए। रात में रिहायशी इलाकों में विजिबल पुलिसिंग बढ़ा दी गई है और रात में स्ट्रीट पेट्रोलिंग की जा रही है।

उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल चोरी को रोकने के लिए हर थाना क्षेत्र में क्राइम हॉट स्पॉट में सीसीटीवी लगाए गए हैं और विशेष सतर्कता लगातार रखी जा रही है और पीएसआईओसी निगरानी कर रहा है और समय-समय पर निर्देश प्राप्त कर रहा है। नागरिकों को अपने परिसरों में निगरानी कैमरे लगाने और कॉलोनियों में संदिग्ध व्यक्तियों के बारे में सूचित करने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए। विशेष रूप से पुराने अपराधियों और हाल ही में जेल से छूटे अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने वाले संदिग्धों को पकड़ने के लिए कॉर्डन सर्च ऑपरेशन चलाकर अपराध नियंत्रण के उपाय भी किए जाएंगे। आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के सीमावर्ती क्षेत्रों के पुलिस स्टेशनों को पुलिस स्टेशनों के साथ समन्वय करना चाहिए और गश्ती और रेलवे पुलिस के साथ भी समन्वय करना चाहिए। बैठक में डीसीपी क्राइम कलमेश्वर सिंघनवार, ट्रैफिक डीसीपी श्रीनिवास राव, माधापुर डीसीपी सुश्री शिल्पावल्ली, शमशाबाद डीसीपी जगदीश्वर रेड्डी, बालानगर डीसीपी संदीप, एसबी एडीसीपी रवि कुमार, एडीसीपी क्राइम नरसिम्हा रेड्डी, एसीपी, इंस्पेक्टर, डीआई आदि पुलिस कर्मियों ने बैठक में भाग लिया।

नगर में पारा गिरा, पूरे शहर में ठंड का प्रकोप बढ़ा

दो दिनों तक कड़ाके की ठंड के साथ कोहरे की चेतावनी

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद-सिकंदराबाद में पारा गिरकर 9.9 डिग्री सेल्सियस के साथ मंगलवार को पूरे शहर में ठंड का प्रकोप बढ़ गया। अत्यधिक ठंड ने अन्य क्षेत्रों को सुन्न कर दिया, औसत न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सामान्य से प्रस्थान - 3.3 डिग्री सेल्सियस है। भारत मौसम विज्ञान विभागने चेतावनी दी है कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण अगले दो दिनों तक शहर में कड़ाके की ठंड रहेगी। कोहरे की चेतावनी भी लागू है। लगभग सभी इलाकों में, न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिरने की संभावना है। हालांकि, तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी के अनुसार, कुतुबुल्लापुर और मुशीराबाद गर्म रह सकते हैं, क्योंकि यहां तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इस अवधि के दौरान शहर में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है।

8 साल की बच्ची से रेप के आरोप में युवक को 5 साल की सजा

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नौवें एडीजे-कम-स्पेशल पॉक्सो कोर्ट, एलबी नगर की न्यायाधीश हरीशा ने एलबी नगर के 22 वर्षीय युवक चेजेर्ला प्रसाद को दोषी ठहराया। उसे पांच साल कैद की सजा सुनाई और 20 हजार रुपए का जुर्माना का जुर्माना भी लगाया। जुर्माने की रकम पीड़िता को मुआवजे के तौर पर देने का आदेश दिया। एलबी नगर पुलिस ने कहा कि बीते 4 जून 2017 को सुबह 11 बजे उन्हें पीड़िता की मां से शिकायत मिली कि 3 जून 2017 को शाम 5 बजे वह और उसका पति अपने तीन बच्चों को घर पर छोड़कर सब्जी बेचने गए थे।

जब शिकायतकर्ता की आठ साल की बड़ी बेटी उनके घर के सामने खेल रही थी, तो आरोपी प्रसाद उसे पास की गली में ले गया और उसके साथ दुराचार किया। जब उसने शोर मचाया तो आरोपी वहां से फरार हो गया। शिकायत के आधार पर एलबी नगर पुलिस ने जांच शुरू की। आईओ डी.नागराजू, एसआई ने साक्ष्य एकत्र किए, आरोपी को गिरफ्तार किया और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जांच पूरी होने पर आईओ ने आरोप पत्र दाखिल किया। ट्रायल के दौरान आज नौवें एडीजे-कम-स्पेशल पास्कों कोर्ट की जज हरीशा ने आरोपी को दोषी ठहराया और उसे पांच साल कैद की सजा सुनाई और 20,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

कानपुर में वन विभाग की महिला अधिकारी पर ग्राम प्रधान ने लगाया गंभीर आरोप, वीडियो वायरल

कानपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। हरे पेड़ों की कटाई के मामले में वन विभाग के कर्मचारियों की माफिया से मिलीभगत का एक मामला उत्तर प्रदेश के कानपुर जनपद के घाटमपुर की ग्राम पंचायत सिरोह में सामने आया है. यहां सार्वजनिक हित के लिए ग्रामीणों ने सूखे पेड़ काट दिए. इसकी जानकारी होते ही वन विभाग की महिला अधिकारी और फारेस्ट गार्ड मौके पर पहुंच गए. ग्राम प्रधान ने इन पर 25 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है.

छह बहुराष्ट्रीय कंपनियां यूपी में करेंगी 17 हजार करोड़ का निवेश

21 हजार को मिलेगा रोजगार

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। यूरोप की बड़ी कंपनियां यूपी में 17 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही हैं। इनमें सैमसन, मदरसन और सेरनेका इंटरनेशनल ग्रुप जैसी छह बहुराष्ट्रीय कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों के प्रतिनिधियों ने प्रदेश सरकार से एमओयू साइन किया है। इन कंपनियों के निवेश से प्रदेश में 21 हजार से ज्यादा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। फरवरी में होने जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस-23) में निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जर्मनी, बेल्जियम और स्वीडन में टीम भेजी थी। इसमें उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद शामिल थे। इस टीम ने औद्योगिक घरानों और सरकार के प्रतिनिधियों से 20 बैठकें कीं। इन देशों में हुए विभिन्न कार्यक्रमों में टीम ने कई उद्यमियों से मुलाकात भी की थी। इससे 19 बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने यूपी में 176740 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव (लेटर ऑफ इंटेंट) दिया था। इससे लगभग 50 हजार रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। इन्हीं में से 6 कंपनियों ने सरकार से 17 हजार करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए हैं। ये कंपनियां मैन्युफैक्चरिंग, फूड प्रोसेसिंग, फिल्म उद्योग, अपशिष्ट शोधन, अक्षय ऊर्जा और ऑटोमोबाइल एंसिलरी सेक्टर में निवेश करेंगी।

ये कंपनियां करेंगी निवेश

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट की कंपनी सैमसन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में प्रदेश में दो हजार करोड़ का निवेश करेगी। इससे पांच हजार रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ऑटोमोबाइल एंसिलरी में इसी शहर की मदरसन कंपनी 500 करोड़ का निवेश करेगी। इससे दो हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर सृजित होंगे। बेल्जियम के ब्रूसेल्स की कंपनी एग्रीस्टो मासा और जेमिनी कॉरपोरेशन क्रमशः तीन सौ और दो सौ करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। इससे डेढ़ हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। स्वीडन के स्टॉकहोम की कंपनी सेरनेका इंटरनेशनल ग्रुप और बोसॉन एनर्जी एस, फिल्म सिटी में दस हजार करोड़ का निवेश करेंगी। इससे तीन हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर सृजित होंगे। वहीं बोसॉन एनर्जी एस, अक्षय ऊर्जा में एक हजार करोड़ का निवेश करेगी। इससे एक हजार रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

6 महीनों से मोस्ट वांटेड हसीना को ढूंढ रही यूपी-बिहार पुलिस

गोरख ठाकुर हत्याकांड की है मास्टरमाइंड

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश व बिहार की उस हसीना की तलाश में जुटी है, जिसने अपने इशारे पर सहाबुद्दीन के शूटर से एक मोस्ट वांटेड अपराधी की फिल्मी स्टाइल में हत्या करवा दी. उसी हसीना ने अपने इंतकाम को अंजाम तक पहुंचाने के लिए 14 साल पुराने प्रेमी से हत्या की साजिश रचवा दी. जब पुलिस का चारों ओर से शिकंजा कसने लगा, तो एक-एक कर सभी प्यादों को पुलिस के जाल में डालकर खुद रफू चक्कर हो भी गई. ये असल जिंदगी की फिल्मी जैसी लगने वाली कहानी है बिहार के नरकटियागंज की रहने वाली उस हसीना की, जिसकी तलाश पिछले 6 महीनों से यूपी और बिहार पुलिस दोनों को है.25 जून 2022 की दोपहर बिहार पुलिस की वर्दी में चार शूटर्स एक कार से उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कैंट थाना के अंतर्गत नीलमथा आते हैं. कार को दूर खड़ी करके गलियों से होते हुए बंकर नुमा एक मकान में एंट्री करते हैं. उन वर्दीधारी शूटर को देख वहां मौजूद हथियारबंद सुरक्षा कर्मी मौके से फरार होने में एक पल भी नहीं सोचते. इतनी ही देर में शूटर दिव्यांग मोस्ट वांटेड अपराधी वीरेंद्र उर्फ गोरख ठाकुर को गोलियों से भून देते हैं. महज 20 मिनट का क्राइम सीन जितना सुनने और पढ़ने में आसान दिख रहा है, असल में उतना है नहीं. इस हत्या की साजिश को रचने और उसे अंजाम तक पहुंचाने में एक लड़की को 14 साल लगे हैं. हर एक कड़ी को जोड़ने, एक-एक किरदार को आपस में मिलाने और फिर उन किरदारों के अंदर उस मोस्ट वांटेड अपराधी गोरख ठाकुर के लिए बदला लेने की आग भड़काने के लिए बिहार की लड़की को 14 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा.

जेपी नड्डा ने दी एमएलसी उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी

पांच को मिला टिकट

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पांच निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों के नामों को अपनी मंजूरी दे दी है. रिपोर्ट के अनुसार स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए भाजपा के तीन उम्मीदवारों में जय पाल सिंह (बरेली-मुरादाबाद); अरुण पाठक (कानपुर-उन्नाव) और देवेंद्र प्रताप सिंह (गोरखपुर-फैजाबाद) के नामों की घोषणा सोमवार को की गई. दो शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के उम्मीदवारों में वेणु रंजन भदौरिया शामिल हैं, जो कानपुर-उन्नाव शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए पार्टी के उम्मीदवार होंगे और झांसी-प्रयागराज निर्वाचन क्षेत्र के लिए बाबूलाल तिवारी का नाम शामिल है. गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 में ज्यादा समय नहीं बचा है और कुछ राज्य के विधानसभा चुनाव भी कुछ ही महीने दूर हैं. इस साल मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, कर्नाटक, मेघालय, नागालैंड, मिजोरम, राजस्थान, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होंगे. इन नौ में से छह राज्यों में बीजेपी और उसके सहयोगी दलों की सरकारें हैं. जबकि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकारें हैं, तेलंगाना भारतीय राष्ट्र समिति (पूर्व में तेलंगाना राष्ट्र समिति) द्वारा शासित है. पार्टी अध्यक्ष के रूप में नड्डा का तीन साल का कार्यकाल इस महीने के अंत में समाप्त हो रहा है. हालांकि, आगामी चुनावों को देखते हुए उनका कार्यकाल बढ़ाया जा रहा है.

मेरठ पुलिस ने बंजारा का 6 करोड़ का आलीशान बंगला किया कुर्क

मेरठ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय गौ-तस्कर अकबर बंजारा गैंग पर पुलिस का बड़ा एक्शन सामने आया है. मेरठ पुलिस ने शहर के शास्त्रीनगर में अकबर बंजारा गैंग की 6 करोड़ 30 लाख की संपत्ति कुर्क कर ली. वहीं, मेरठ पुलिस अब तक 44 करोड की संपत्ति कुर्क कर चुकी है. अहम बात यह है कि यह वह आलीशान कोठी है, जिसमें अकबर बंजारा अपने जरायम के साथियों के साथ पार्टी करता था. इसके अलावा कई संपत्तियों पर बुलडोजर भी चल चुका है. इससे पहले बिजनौर जिले की नगीना तहसील में 3 करोड़ कीमत की करीब 54 बीघा जमीन कुर्क गई थी. वहीं, फलावदा में भी करोड़ों की जमीन पुलिस ने पहले ही अपने कब्जे में ले ली थी. इस बीच मेरठ के थाना नौचंदी क्षेत्र के शास्त्री नगर में में कार्रवाई हुई है. जहां करोड़ों की कोठी को पुलिस ने कुर्क कर लिया. मेरठ के सबसे हॉट प्लेस शास्त्री नगर में इस आलीशान कोठी की कीमत 6 करोड़ से ज्यादा आंकी जा रही है.

फलावदा में दर्ज मुकदमे की जांच जारी

मेरठ की थाना बहसूमा पुलिस अकबर बंजारा के भाई समीम बंजारा व अन्य लोगों के नाम पर दर्ज गैंगस्टर मामले की जांच कर रही है. जरायम की दुनिया से अर्जित की गई संपत्ति पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्की की कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सभी संपत्ति गौ तस्करी के काले धंधे से अर्जित की गई थीं. इसके अलावा और भी संपत्तियों की जांच जारी है.

बिहार संपर्क क्रांति के चक्के में लगी आग

मुजफ्फरपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। नई दिल्ली से दरभंगा की तरफ जा रही डाउन बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस (12566) के चक्के में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। घटना मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर रेलखंड पर चक्के में आग देखकर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। यात्रियों के शोर मचाने पर ट्रेन रुकी। करीब 15 मिनट तक 73 नंबर गुमटी पर ट्रेन को रोका गया।

चुनावी रंजिश में जान से मारने की धमकी दी

रात में सीवान में पूर्व वार्ड पार्षद के घर गोलीबारी

सीवान, 10 जनवरी (एजेंसियां)। सीवान में चुनावी रंजिश में अपराधियों ने शाम में जान से मारने की धमकी दी और फिर रात में पूर्व वार्ड पार्षद के घर पर गोलीबारी कर दी। मामला नगर थाना क्षेत्र के किला वार्ड संख्या 35 की है। बीती देर रात वार्ड संख्या 35 के पूर्व वार्ड पार्षद मंसूर आलम के घर बाइक सवार कुछ अपराधी आए और ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगे। अचानक हुई इस फायरिंग से पूरे मोहल्ले में दहशत का माहौल हो गया। लोगों ने इसकी सूचना नगर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई।

सजा के डर से शिक्षक ने किया मरने का नाटक

अपनी चिता सजा कर कोर्ट में भेजी फोटो, अब 14 साल की जेल

भागलपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। करीब चार साल पहले एक शिक्षक ने लड़की से रेप किया था. सजा से बचने के लिए पिता के साथ मिलकर उसने कोर्ट तक को धोखा देने की कोशिश की. खुद की चिता सजाई और मरा साबित करने के लिए कोर्ट में फोटो भिजवाई गई. पीरपैंती प्रखंड के इशीपुर बाराहाट थाना क्षेत्र के रहने वाले शिक्षक पर 14 अक्टूबर 2018 को एक लड़की से जबरन दुष्कर्म करने के मामले में शिकायत दर्ज कराई गई थी. इस मामले में एडीजे और पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश लवकुश कुमार के कोर्ट ने 14 साल की साज सुनाई. एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है. जुर्माना नहीं देने पर छह महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी. 14 अक्टूबर 2018 को एक लड़की दोपहर में शौच करने के लिए निकली थी. उसका पीछा करते हुए शिक्षक नीरज मोदी ने जबरन दुष्कर्म किया था. इसी मामले में कार्रवाई हुई है. जबरन दुष्कर्म के बाद लड़की ने अपने घर वालों को सारी बात बताई थी. परिवार वालों ने इशीपुर बाराहाट थाने में केस दर्ज कराया.

नाबालिग से गैंग रेप और मर्डर केस में पटना हाई कोर्ट का बड़ा आदेश, डीएसपी और आईओ तलब

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)। नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने के मामले में पटना हाईकोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है. एक याचिका पर सुनवाई करते हुए मुजफ्फरपुर के सरैया के डीएसपी और संबंधित अनुसंधानकर्ता को कोर्ट ने अगली सुनवाई में तलब किया है. जस्टिस चंद्रशेखर झा ने मृत पीड़िता के पिता की दायर याचिका पर सुनवाई की. बता दें कि याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ओम प्रकाश कुमार ने कोर्ट से इस मामले की किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की है.

गाजियाबाद की घटना पर बोले अखिलेश यादव

'निर्दोषों की हत्या कर रही यूपी पुलिस'

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। गाजियाबाद की पुलिस चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों की पिटाई से ऑटो ड्राइवर की मौत हो गई थी। इस दौरान समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी पुलिस पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, निर्दोषों की हत्या कर रही यूपी पुलिस"। कानपुर में बलवंत सिंह के बाद अब गाजियाबाद में ऑटो चालक धर्मपाल यादव की पुलिस हिरासत में मौत, बेहद शर्मनाक। दोनों मृतकों की पत्नियों को सरकारी नौकरी और परिजनों को 1-1 करोड़ का मुआवजा दे सरकार।

पुलिसकर्मियों को जेल भेजें

समाजवादी पार्टी के ट्विटर हैंडल से इस मामले को लेकर ट्वीट किया गया है। उसमें लिखा गया कि पार्टी मृतक के परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद करेगी। साथ में मुख्यमंत्री आरोपी पुलिसकर्मियों को जेल भेजें।

"दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ की जाएगी कार्रवाई"

वहीं, पुलिस आयुक्त अजय मिश्रा ने कहा, जांच में दोषी पाए जाने पर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम के लिए डॉक्टरों की एक समिति बनाई गई है।

पुलिस की पिटाई के कारण गई जान

मृतक ऑटो चालक के चचेरे भाई मुरारी ने बताया, "उनके 25 साल के भाई धर्मपाल यादव को रविवार रात कनावनी पुलिस चौकी में पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर पीटा था। जिस वजह से उसने सीने में दर्द हुआ। सुबह जब उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बोधगया में 27 जनवरी से शुरू होगा इंटरनेशनल बौद्ध महोत्सव, डीएम ने लिया तैयारियों का जायजा

गया, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के गया में इंटरनेशनल बौद्ध महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर जिला पदाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने कालचक्र मैदान का निरीक्षण किया और महाबोधि संस्कृति केंद्र के सभाकक्ष में बैठक की. इस दौरान डीएम ने कहा कि इस बार बौद्ध महोत्सव 27 जनवरी से प्रारंभ होकर 29 जनवरी तक चलेगा. तीन दिवसीय महोत्सव में शामिल होने वाले लोगों को कालचक्र मैदान तक पहुंचने में कोई दिक्कत न हो, इसका पूरा ख्याल रखा जाएगा.

'इतिहास के बहुत नाजुक मोड़ पर मुसलमान':मौलाना अरशद मदनी बोले

को-एजुकेशन धर्म परिवर्तन को बढ़ा रहा, बच्चियों को बचाने के लिए हमें अपने स्कूल खोलने होंगे

सहारनपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जमीयत उलेमा ए हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने को-एजुकेशन पर सवाल उठाए हैं। अरशद मदनी ने कहा, को-एजुकेशन से धर्म परिवर्तन को ऊर्जा मिल रही है। अपनी बच्चियों को धर्मांतरण के प्रलोभन से बचाने के लिए हमें अपने शिक्षण संस्थान खोलने ही होंगे। क्योंकि देश में तेजी से धर्म त्याग बढ़ रहा है। धर्म परिवर्तन का सिलसिला खतरनाक है।

तीन दिन पहले की थी हिंदू-मुस्लिम एकता की बात

अभी तीन दिन पहले हरिद्वार में निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशनंद से मिले थे। उन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता की बात की थी। दोनों का खून एक बताया था। धर्म परिवर्तन को जबरन कराना गलत बताया था। अब तीन दिन बाद को-एजुकेशन पर सवाल उठा दिए हैं।

इतिहास के बहुत नाजुक मोड़ पर मुसलमान

अरशद मदनी ने कहा, मुसलमानों के कल्याण और उनकी शिक्षा के विकास के लिए अब जो भी करना है, हमें खुद करना होगा। आजादी के बाद से मुसलमान का एक समूह इतिहास के बहुत नाजुक मोड़ पर खड़ा है। हमें विभिन्न प्रकार की समस्याओं में उलझाया जा रहा है। आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और शिक्षा के विकास के रास्ते बंद किए जा रहे हैं। खामोश साजिश को नाकाम करने के लिए हमें अपने बच्चे और बच्चियों के लिए अलग से शिक्षण संस्थाएं स्थापित करनी होंगी। क्योंकि इतिहास गवाह है हर दौर में विकास की चाबी शिक्षा ही रही है।"

मदनी बोले- मुसलमानों को बेघर किया जा रहा

मौलाना अरशद मदनी ने असम, मध्यप्रदेश और उत्तराखंड में मुसलमानों को बेघर किए जाने को योजना बताते हुए इसकी कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या यह न्याय है कि दशकों से आबाद लोगों को बेघर कर दिया जाए। उन्हें उचित मुआवजा भी न दिया जाए। उन्होंने यह बात दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय के मदनी हाल में मौलाना सैयद अरशद मदनी की अध्यक्षता में जमीयत कार्य समिति की बैठक में कही।

मुसलमानों के खिलाफ योजनाबद्ध तरीके से प्रोपेगैंडा

अरशद मदनी ने कहा, धर्म परिवर्तन को को-एजुकेशन के कारण ऊर्जा मिल रही है। हमने पूर्व में इसीलिए इसका विरोध किया था। लेकिन, उस समय हमारी इस बात को नकारात्मक अंदाज में पेश करते हुए यह प्रोपेगैंडा किया गया था कि जमीयत लड़कियों की शिक्षा के खिलाफ हैं। लेकिन, हम लड़कियों की शिक्षा के खिलाफ नहीं, बल्कि को-एजुकेशन के खिलाफ हैं। अरशद मदनी ने कहा, धर्म परिवर्तन का जो सिलसिला चल रहा है, वह खतरनाक है। मुसलमानों के खिलाफ प्रोपेगैंडा चलाया जा रहा है। हमारी बच्चियों को निशाना बनाया जा रहा है। इस फसाद को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। यदि इसे नहीं रोका गया तो भविष्य में इसके और अधिक खतरनाक परिणाम देखने को मिलेंगे।

दो करोड़ हुई स्कालरशिप की धनराशि

अरशद मदनी ने बताया कि गरीब और जरूरतमंद छात्रों को दी जाने वाली स्कालरशिप को छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एक करोड़ से बढ़ाकर इस वर्ष दो करोड़ रुपए कर दी गई है। उम्मीद जताई कि हम अपने प्रस्तावित बजट से अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों तक अपनी आर्थिक सहायता पहुंचा सकेंगे। बिना किसी भेदभाव स्कालरशिप का फायदा सभी वर्गों के छात्र-छात्राओं को दिया जा रहा है।

बाघ का आतंक

सात साल की बच्ची समेत दो पर हमला; चार दिन में जंगली जानवर के हमले की दूसरी घटना

बगहा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में बाघ का आतंक बढ़ता जा रहा है। देर शाम बगहा स्थित नौरंगिया थाना क्षेत्र के सिरसिया सरेह में बाघ ने सात वर्षीय बच्ची समेत दो लोगों पर हमला कर दिया। दोनों का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल में चल रहा है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि नौरंगिया थाना क्षेत्र सिरसिया गांव निवासी सात वर्षीय सोनम सोमवार की देर शाम खेत से लौट रही थी। वह कुछ दूरी पर पहुंची थी कि बाघ ने पीछे से हमला कर दिया। जिससे उसके पैर में चोट लगी।

एक ही परिवार के कई लोगों से 45 लाख की ठगी का आरोप, एफआईआर दर्ज

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में एक ही परिवार के छह सदस्यों से 45 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है. पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है. पीड़ित ने विभूतिखंड थाने में पीड़ित ग्रुप के एमडी, जनरल मैनेजर, मैनेजर, दो कर्मचारी व अन्य अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है. पुलिस ने बताया कि लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर आवासीय योजना चलाने वाले एक ही परिवार के दंपती सहित छह लोगों से 45.37 लाख रुपये ले लिए और पांच साल के बाद भी प्लॉट नहीं दिया.

बिहार में 'खरमास' के बाद कई नेता बदलेंगे राजनीतिक 'घर'

लिस्ट में किनके नाम

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में पड़ रही कड़ाके की ठंड में राजनीतिक दलों के नेताओं की जारी यात्राओं को लेकर भले गरम हो, लेकिन खरमास के बाद यानी 15 जनवरी के बाद नेताओं के दलबदल की तपिश अभी से महसूस की जा रही। कहा जाता है कि खरमास के बाद कई नेता अपने लिए नए घर की तलाश में हैं और वे 15 जनवरी का इंतजार कर रहे हैं। माना भी जाता है कि खरमास में कोई नया कार्य या शुभ कार्य नहीं किया जाता है। राजनीति के लिए संक्रांति पर चूड़ा-दही भोज खास रहेगा। पाला बदलने को बेताब कई नेताओं को खरमास खत्म होने और शुभ मुहूर्त के आने का बेसब्री से इंतजार है। इस बीच, सत्तारूढ़ दल की ओर से एक ही दिन दो भोज के आयोजन की घोषणा की गई है।

खरमास बाद होगा खेल!

पहला भोज राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर होगा। वहीं दूसरा चूड़ा-दही का न्योता जदयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा दे रहे हैं। दो नेता तो पार्टी छोड़ नई पार्टी में जाने के लिए भी खरमास समाप्त होने का इंतजार कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव रंजन ने पार्टी छोड़ दी है। इसी तरह लोजपा प्रमुख और केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने श्रवण कुमार को पार्टी से निकाल दिया है। दोनों के दोनों वर्तमान में किसी भी दल में नहीं है।

लिस्ट में इन नेताओं के नाम

माना जा रहा है कि राजीव रंजन अपने पुराने घर यानी जदयू में जायेंगे जबकि श्रवण कुमार का अब तक ठिकाना नहीं मिला है। इधर, भाजपा के नेता और विधान पार्षद सम्राट चौधरी भी कहते हैं कि खरमास के बाद जदयू में भगदड़ मचेगी। जदयू के कई नेता पार्टी छोड़ेंगे। उनका कहना है कि इन नेताओं को पता है कि नीतीश कुमार के पास अब जमीनी पकड़ समाप्त हो गई है।

नालंदा में नदी से अधेड़ का शव बरामद

नालंदा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। नालंदा में शौच करने गए एक अधेड़ का शव घंटों बाद नदी से बरामद किया गया। मामला नगर थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर गांव का है। मृतक गांव निवासी महेंद्र सिंह के (40) वर्षीय पुत्र पुरुषोत्तम कुमार है। वहीं देर शाम पुलिस

शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल लेकर आई।

खेत से निकलने लगा तेल...लूटने की मची होड़

खगड़िया, 10 जनवरी (एजेंसियां)। खगड़िया में एक खेत से अचानक कच्चा तेल निकलने लगा। इसे लूटने के लिए लोगों की होड़ मच गई। गांव में जैसे ही ये खबर पहुंची लोग डिब्बा, बाल्टी, गैलन जिसे जो मिला वो लेकर तेल लूटने में जुट गए। मामला बकिया गांव का है। यहां मंगलवार सुबह लोगों ने खेत से कच्चा तेल निकलते देखा। इसकी जानकारी आसपास के गांव वालों को मिली तो देखते ही देखते वहां तेल लूटने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी।

अब रिटायर होने का समय, आदित्य ठाकरे संभालेंगे कमान

क्या उद्धव ठाकरे की जुबान बोल रहे हैं संजय राउत?

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत अपने बयानों के लिए चर्चा में रहते हैं। संजय राउत ने कहा है कि पार्टी में अब हमारे जैसे लोगों को अगली सीट से पीछे की सीट पर जाने का समय आ चुका है। शिवसेना की कमान अब नई पीढ़ी को सौंपनी चाहिए। मैं इसी नजरिए से आदित्य ठाकरे को देखता हूं। इसके आगे राउत ने कहा कि आदित्य ठाकरे दिन-ब-दिन परिपक्व हो रहे हैं। उन्हें राजनीति के दांव-पेच और बारीकियां भी समझ में आने लगी हैं। आदित्य ठाकरे के पास युवासेना को संभालने का बड़ा अनुभव है। इतना ही नहीं उन्होंने महाविकास अघाड़ी सरकार में बतौर मंत्री भी बेहतरीन काम किया है। राउत के बयान के बाद एक सवाल यह उठ रहा है कि क्या वह उद्धव ठाकरे की भाषा बोल रहे हैं? क्या उद्धव के इशारे पर संजय राउत ऐसा बयान दे रहे हैं?

'अब राजनीति से एग्जिट लेने का समय आ चुका है'

संजय राउत ने उद्धव ठाकरे के पुत्र आदित्य की तारीफ करते हुए कहा, 'युवा नेतृत्व के पास शिवसेना की कमान दिए जाने के लिए मुझे आदित्य ठाकरे सर्वगुण संपन्न नजर आते हैं।' संजय राउत ने कहा कि आगामी

लोकसभा और विधानसभा चुनाव भी आदित्य ठाकरे के नेतृत्व में लड़े जाएंगे। संजय राउत ने यह बयान मटा कैफे प्रोग्राम में दिया है। मटा कैफे में संजय राउत ने कहा कि अब राजनीति से एग्जिट लेने का समय आ चुका है। उन्होंने आने वाले कुछ वर्षों में राजनीतिक संन्यास लेने के संकेत भी दिए।

पात्रा चॉल घोटाले में तीन महीने से ज्यादा जेल में रहे राउत

शिंदे-फडणवीस सरकार के सत्ता में आने के बाद संजय राउत की मुश्किलें काफी बढ़ गई थीं। गोरेगांव वेस्ट के पात्रा चॉल घोटाले में राउत को तीन महीने से ज्यादा मुंबई की आर्थर रोड जेल में बिताने पड़े। इसके बाद उन्हें जमानत पर रिहा किया गया। इस दौरान शिवसेना में भी बड़े बदलाव हुए। पार्टी का नाम, चुनाव चिह्न सब बदल गया। कल तक उद्धव ठाकरे के लिए जीने-मरने की कसम खाने वाले कई करीबी नेताओं ने भी उनका साथ छोड़ एकनाथ शिंदे गुट का दामन थाम लिया।

आदित्य को कैसे देखते हैं?

जब संजय राउत से यह सवाल पूछा गया कि वह आदित्य ठाकरे के नेतृत्व की तरफ किस नजरिए से देखते हैं? तब जवाब देते हुए संजय राउत ने कहा कि जिस नजर से उद्धव ठाकरे आदित्य को देखते हैं, बिल्कुल उसी नजर से मैं आदित्य की तरफ देखता हूं। शिवसेना पार्टी ठाकरे के नाम पर खड़ी है। ठाकरे नाम पर महाराष्ट्र की जनता का अपार प्रेम और श्रद्धा है। ठाकरे घराने के आदित्य ठाकरे के नेतृत्व में पार्टी अब धीरे-धीरे उभर रही है। बीते 30-35 सालों से हम पार्टी नेतृत्व के लिए काम कर रहे हैं। मैं भी पार्टी में नेता और सांसद के रूप में काम कर रहा हूं। बीते 30 सालों से सामना अखबार का संपादक हूं। इन सबके बावजूद अब ऐसा लगता है कि हम जैसे लोगों के पीछे बैठने का समय आ चुका है, ताकि नई पीढ़ी को पार्टी की कमान सौंपी जा सके और उन्हें पार्टी को बढ़ाने का मौका दिया जा सके। आखिर हम कितने साल और काम करेंगे? कभी न कभी तो हमें रिटायरमेंट लेना पड़ेगा। इसलिए सही समय पर रिटायरमेंट होना चाहिए। जब हम रिटायरमेंट लें, तब तक नई पीढ़ी के हाथ में पार्टी की कमान जानी चाहिए। इसके लिए आदित्य ठाकरे के अंदर मुझे सभी गुण नजर आते हैं।

पार्टी संकट और चुनावों के लिए कितने तैयार हैं आदित्य ठाकरे

संजय राउत से जब यह सवाल पूछा गया कि अगले साल विधानसभा और लोकसभा के चुनाव होने हैं। इसके अलावा पार्टी भी भीषण संकट का सामना कर रही है। ऐसे में आदित्य ठाकरे को पार्टी की कमान दी जाएगी क्या? इस सवाल के जवाब में संजय राउत ने कहा कि आदित्य ठाकरे को अगर पार्टी की कमान दी गई तो इसमें दिक्कत क्या है? अभी भी शिवसेना के तमाम अहम फैसलों में उनका मत महत्वपूर्ण होता है। युवासेना के रूप में उन्होंने एक प्रमुख संगठन भी तैयार किया है। इसके बाद शिवसेना के नेताओं की मंडली में भी अब उनका नाम शुमार होने लगा है। धीरे-धीरे उनका नेतृत्व भी निखर रहा है। अगर ऐसा न होता तो शीतकालीन अधिवेशन सत्र के दौरान आदित्य ठाकरे पर व्यक्तिगत हमले विरोधी दलों की ओर से न किए जाते।

संजय राउत ने कहा कि आदित्य ठाकरे एकदम सही कहते हैं कि एक 32 साल के युवक से शिंदे-फडणवीस सरकार डर गई है। अगर यह सरकार डरी नहीं होती तो सरकार में मौजूद नेताओं ने आदित्य ठाकरे पर निजी हमले न किए होते। आदित्य ठाकरे का नेतृत्व आगे जाएगा। इसी नेतृत्व से मौजूदा सरकार को डर है। इसीलिए वह तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर आदित्य ठाकरे को बदनाम करने में जुटी है।

पश्चिम बंगाल में मिड डे मील में मिला सांप

'जहर' वाला भोजन खाकर बच्चे पहुंचे अस्पताल

कोलकाता, 10 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में मिड डे मील में सांप के मिलने से कोहराम मच गया. अधिकारियों ने बताया कि जहर वाला भोजन खाकर स्कूल के कई बच्चे अस्पताल पहुंच गए. कुछ ही दिन पहले ममता बनर्जी की सरकार ने मिड डे मील में चिकन और अंडा परोसे जाने का ऐलान किया था. अधिकारियों के मुताबिक, बीरभूम जिले के मयूरेश्वर प्रखंड के एक प्राइमरी स्कूल में 30 बच्चे मिड डे मील में परोसे गए भोजन को खाने के बाद बीमार पड़ गए. इसके बाद तुरंत उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया. स्कूल में मिड डे मील तैयार करने वाले कर्मचारी ने भी बताया कि दाल से भरे एक कंटेनर में सांप मिला था. कर्मचारी ने बताया, 'मिड डे मील खाने के बाद बच्चों ने उल्टी करनी शुरू कर दी. आनन-फानन में हम लोगों ने उन्हें रामपुरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती करवाया.' प्रखंड विकास पदाधिकारी दीपांजन जाना ने कहा कि गांव के कुछ लोगों ने मिड डे मील के भोजन को खाने की वजह से बच्चों के बीमार पड़ने की शिकायत की है.

एक बच्चा अभी भी अस्पताल में

उन्होंने कहा, 'मैंने प्राइमरी स्कूल के डिस्ट्रिक्ट इंस्पेक्टर को सूचित कर दिया है, वो 10 जनवरी को आएंगे.' अधिकारी ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में सिर्फ एक बच्चा अस्पताल में भर्ती है. बाकी बच्चों को डिस्चार्ज कर दिया गया है. वह खतरे से बाहर हैं. इस मामले में बच्चों के पैरेंट्स ने स्कूल के सामने प्रदर्शन किया. पुलिस के मुताबिक, बच्चों के घरवालों ने स्कूल के प्रधानाध्यापक का घेराव कर उनकी गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया.

हाल ही में पश्चिम बंगाल सरकार ने जनवरी से अप्रैल तक मिड डे मील में चिकन और मौसमी फल को शामिल करने का ऐलान किया था, इसके लिए 371 करोड़ रुपये आवंटित भी किए गए थे. सरकार के अधिसूचना के मुताबिक, प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत फिलहाल मिड डे मील में चावल, आलू, सोयाबीन और अंडे दिए जा रहे थे. अब इनमें चार महीने तक हर सप्ताह चिकन और मौसमी फल शामिल किए जाने की घोषणा की गई थी.

'बाइक टैक्सी' की अनुमति पर अनिश्चितता को लेकर भड़का बॉम्बे एचसी

राज्य सरकार की लगा दी क्लास

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राज्य में बाइक टैक्सी की अनुमति देने वाली नीति तैयार करने में अनिश्चितता के लिए महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाई और कहा कि उसे किसी न किसी रूप में अपना रुख स्पष्ट करना होगा। जस्टिस गौतम पटेल और जस्टिस एस जी डिगे की खंडपीठ ने कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे को अधर में लटकाकर नहीं रख सकती है और उसे तुरंत फैसला लेना होगा। पीठ पुणे और मुंबई में रैपिडो बाइक टैक्सी सेवाओं के संचालक रोपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो राज्य सरकार द्वारा 29 दिसंबर, 2022 को जारी एक संचार के खिलाफ थी, जिसमें उन्हें बाइक टैक्सी एग्रीगेटर लाइसेंस की अनुमति देने से इनकार किया गया था। सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ ने मंगलवार को अदालत को बताया कि आज की तारीख में बाइक टैक्सी चलाने की अनुमति नहीं है, क्योंकि सरकार ने इसके लिए कोई नीति या दिशानिर्देश जारी नहीं किया है। सराफ ने कहा कि सरकार ने वास्तव में एक ऐसी एग्रीगेटर कंपनी को बिना लाइसेंस के बाइक टैक्सी चलाने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। ऐसे मामलों में कैरेज लाइसेंस की

आवश्यकता होती है। सरकार की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने कहा कि सरकार की दलीलें तर्कविहीन है। सरकार कभी कहती है कि ऐसी बाइक टैक्सी तब तक नहीं चल सकती जब तक नीति नहीं बनाई जाती है, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट नहीं कर रही है कि वह अपनी नीति कब लाएगी। नीति या दिशानिर्देशों के अभाव में आप कैसे मना कर सकते हैं?

गो फर्स्ट की फ्लाइट 54 पैसेंजर्स को छोड़कर उड़ गई

बस में इंतजार करते रहे यात्री, बेंगलुरु से दिल्ली जा रहा था प्लेन

बेंगलुरु, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को गो फर्स्ट की फ्लाइट 54 पैसेंजर्स को छोड़कर रवाना हो गई। यह सभी बस से प्लेन की तरफ आ रहे थे। जब एयरलाइन को अपनी गलती का पता चला तो एयरपोर्ट पर छूटे यात्रियों को चार घंटे बाद दूसरे विमान से दिल्ली भेजा गया। इस मामले में डीजीसीए ने रिपोर्ट मांगी है। उसके बाद एक्शन लिया जाएगा। यह घटना सोमवार सुबह करीब 5.45 बजे की है, जब यात्रियों को बेंगलुरु से दिल्ली जाने वाली गो फर्स्ट फ्लाइट जी8 116 में सवार होना था। यात्रियों को टरमैक पर खड़े विमान तक ले जाने के लिए कुल चार बस भेजी गई थीं। पहली दो बस निकल गईं।

यात्री बोला- दोस्त ने फोन किया फ्लाइट उड़ रही है, मैं बस में था

यात्री सुमित कुमार ने एक इंटरव्यू में बताया- हम तीसरी बस में थे। पहली, दूसरी और चौथी बस फ्लाइट तक पहुंच गईं। चौथी बस में मेरे दोस्त भी शामिल थे। उनमें से एक ने मुझे फोन किया और कहा कि विमान उड़ान भरने वाला है। मैं चिल्लाने लगा और ग्राउंड क्रू को बताने लगा कि विमान हमारे बिना जा रहा है। इसके बाद ग्राउंड स्टाफ को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने हमारे पास बोर्डिंग पास देखे, तो इस गड़बड़ी से एयरपोर्ट के अधिकारी हैरान रह गए। यात्री उनसे सवाल करने लगे। इसके बाद अधिकारियों ने यात्रियों को समझाने की कोशिश की और 54 यात्रियों को डिपार्चर एरिया से बाहर निकाला।

4 घंटे बाद यात्रियों को दूसरी फ्लाइट पर बैठाया

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गो फर्स्ट ग्राउंड के एक कर्मचारी ने कहा कि सभी 54 यात्रियों को फिर से सिक्योरिटी चेक करवाना पड़ा। इसके बाद उन्हें सोमवार सुबह 10 बजे की दूसरी फ्लाइट से दिल्ली भेजा गया। इन सभी 54 लोगों को, जिनके बिना फ्लाइट ने उड़ान भरी उन्हें सोमवार को दोपहर 2 बजे के आसपास दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचने पर अपने बैग वापस मिल गए।

सोशल मीडिया पर पैसेंजर ने कहा- नींद में काम कर रही एयरलाइन

इस घटना को लेकर यूजर सोशल मीडिया पर कमेंट्स कर रहे हैं। सतीश कुमार नाम के एक यात्री ने ट्वीट किया। फ्लाइट जी8 116 (बीआरएल-डीईएल) ने यात्रियों को जमीन पर छोड़ कर उड़ान भरी! 1 बस में 50 से अधिक यात्रियों को छोड़ दिया गया और केवल 1 बस के यात्रियों के साथ उड़ान भरी।

कौन हैं आईएएस अशोक खेमका? 30 साल में 55 बार तबादला

चंडीगढ़, 10 जनवरी (एजेंसियां)। अपनी ईमानदार छवि और लगातार ट्रांसफर होने की वजह से खबरों में रहने वाले वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अशोक खेमका का हरियाणा सरकार ने फिर ट्रांसफर कर दिया है. हरियाणा सरकार ने सोमवार को वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अशोक खेमका के लिए स्थानांतरण आदेश जारी किए. आपको बता दें कि 30 साल के लंबे करियर में उनका यह 55वां स्थानांतरण है. खेमका के साथ हरियाणा सिविल सेवा के चार अधिकारियों का भी तत्काल प्रभाव से तबादला किया गया है. अशोक खेमका भारतीय सिविल सेवा के एक नौकरशाह हैं. वह 1991 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं. अपने ट्रांसफर के लिए विख्यात अशोक खेमका एक अन्य सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी प्रदीप कासनी के बाद हरियाणा के दूसरे सबसे अधिक स्थानांतरित होने वाले नौकरशाह हैं. कासनी का 35 वर्षों में 71 बार तबादला किया गया था.

उन्हें गुड़गांव में सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा के जमीन के अवैध सौदे के म्यूटेशन को रद्द करने के लिए जाना जाता है. रिपोर्ट के अनुसार विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से हटाकर खेमका को अब अभिलेखागार विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है. सरकारी बयान में तबादलों के लिए किसी विशेष कारण का उल्लेख नहीं किया गया है. 1991 बैच के आईएएस अधिकारी का तबादला कथित तौर पर हरियाणा के मुख्य सचिव सर्वेश कौशल को पत्र लिखने के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया गया था कि उनके पास विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के उच्च शिक्षा विभाग में विलय के बाद पास पर्याप्त काम नहीं था. पत्र में, उन्होंने संकेत दिया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में काम का बोझ प्रति सप्ताह 2-3 घंटे से अधिक नहीं था. खेमका अभिलेखागार विभाग में 1990 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ. राजा शेखर वुंडरू का स्थान लेंगे. यह चौथी बार है जब खेमका को राज्य के अभिलेखागार विभाग में नियुक्त किया गया है इनमें से तीन कार्यकाल राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान थे.

खेमका को पहली बार 2013 में विभाग में स्थानांतरित किया गया था जब हरियाणा में कांग्रेस सत्ता में थी. उन्हें आखिरी बार अक्टूबर 2021 में अभिलेखागार से बाहर स्थानांतरित किया गया था. खेमका को फरवरी 2022 में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर पदोन्नत किया गया था.

सोने के रंगों से बनाई राष्ट्रपति की पेंटिंग, प्रवासी भारतीय सम्मेलन में की भेंट

इंदौर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर के चांदमल कुमरावत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की एक पेंटिंग इंदौर आगमन पर उन्हें भेंट की। चांद अब तक 8 राष्ट्रपतियों को इस तरह की पेंटिंग बनाकर दे चुके हैं। वे बताते हैं कि इस पेंटिंग में ऑयल कलर के अलावा गोल्डन कलर और वर्क का भी इस्तेमाल हुआ है। सात ग्राम गोल्ड का कलर तैयार कर राष्ट्रपति के चश्मे की फ्रेम और आभूषण बनाए गए। चांद इस पेंटिंग को जयपुर से बना कर लाए थे और इंदौर में उसे नक्काशीदार लकड़ी में फ्रेम करवाया। इंदौर

आगमन के दौरान राष्ट्रपति को यह पेंटिंग चांद कुमरावत ने भेंट की।

कोलकाता एसटीएफ ने खंडवा से दो को किया गिरफ्तार

आतंकी संगठन से जुड़े तार

खंडवा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के खंडवा के एक युवक को आतंकी संगठन से संबंध के चलते कोलकाता एसटीएफ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक से एसटीएफ ने एक मोबाइल, पेन ड्राइव और जरूरी दस्तावेज बरामद किए हैं। कोलकाता पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया था। इस मामले में खंडवा के अब्दुल रकीब को भी आरोपी बनाया है। एसटीएफ की टीम ने खंडवा आकर उसकी गिरफ्तारी की है। रकीब का पश्चिम बंगाल में संदिग्ध आतंकी गतिविधियों का कनेक्शन मिला है। सोशल मीडिया पर ऐसी गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था, जो देशहित में नहीं है। इस वजह से जब एसटीएफ की टीम ने पश्चिम बंगाल के सोशल मीडिया ग्रुप्स की छानबीन की तो उसमें खंडवा के रकीब से जुड़ने की बात सामने आई। उसके बाद टीम बंगाल से रकीब को पकड़ने के खंडवा आई थी। शहर के खानशाहवली में रहने वाले सिमी के सदस्य रहे अब्दुल रकीब को सोमवार को कोलकाता (स्पेशल टॉस्क फोर्स) की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। कोलकाता के एक मामले में आतंकी कनेक्शन जुड़ने पर रकीब को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने बताया कि कोलकाता एसटीएफ ने एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में मदद मांगी थी। खंडवा के अब्दुल रकीब कुरैशी पर कोलकाता के थाने में धारा 121, 121ए, 122, 123 और 120बी के तहत केस दर्ज किया है। विवेक सिंह ने बताया कि रकीब को पहले भी यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया जा चुका है। वह पूर्व में सिमी का सदस्य रहा है। फ़िलहाल एक मामले में जमानत पर बाहर है।

रकीब का कनेक्शन स्पष्ट नहीं

पुलिस ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि आखिर किस आतंकी गतिविधि से रकीब का कनेक्शन जुड़ा है। परिजन ने देश विरोधी गतिविधियों पर रकीब के कनेक्शन से इनकार किया है। भाई अब्दुल रशीद का आरोप है कि रकीब नमाज पढ़कर दुकान पर आ रहा था। रास्ते में टीम उसे उठाकर अपने साथ ले गई। इसकी सूचना भी हमें नहीं दी। रकीब के भाई रशीद अन्य परिजनों के साथ एसपी विवेक सिंह के पास पहुंचे। उन्होंने एसपी को शिकायती आवेदन दिया। इसमें उन्होंने जिक्र किया कि बिना सूचना दिए भाई को जबरदस्ती उठाकर ले गए हैं। मुझे आशंका है कि एसटीएफ जबरदस्ती आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता बताकर उसके खिलाफ केस दर्ज करवा सकती है। उसके साथ कोई अप्रिय घटना भी हो सकती है।

बस कंडक्टर बने मंत्री देवेंद्र बबली

टोहाना से इंदा छुई लेकर पहुंचे रोडवेज, लोगों ने ताली बजाकर किया स्वागत

फतेहाबाद, 10 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में पिछले कुछ दिनों से ई-टेंडरिंग को लेकर सुर्खियों में चल रहे पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली आज अचानक बस में सवार हो गए। उन्होंने फतेहाबाद के टोहाना से इंदा छुई रूट पर बस सेवा शुरू कराते हुए सुबह 7:00 बजे पहली बस की गांव इंदा छोई तक सवारी की। गांव पहुंचने पर बबली ने कहा कि आज मंत्री आपका कंडक्टर बनकर आया है। इस दौरान यहां से बस विद्यार्थियों से फुल हुई। बस में सवार 35 छात्राओं के 435 रुपए देकर मंत्री ने कंडक्टर से टिकट कटवाई। जिसके बाद उन्होंने कंडक्टर से अपने टिकट कटवानी चाही तो उन्हें बताया कि विधायक का कोटा है, इसलिए उनकी की टिकट नहीं लगेगी। मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने बताया कि ग्रामीण रूटों पर आगे से दिक्कत नहीं आने दी जाएगी, जल्द ही अन्य रूटों पर भी बस सेवाएं दुरुस्त की जाएंगी। पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में बसों की कमी को लेकर काफी दिक्कतें सामने आती रहती हैं।

आजकल वे अपने कार्यक्रम मधुर मिलन समारोह का न्योता देने के लिए गांवों में जा रहे हैं। इस दौरान लोग ज्यादातर समस्याएं बसों को लेकर कर रहे हैं। उन्होंने रोडवेज के अधिकारियों से इस बारे में बात की है और ग्रामीण रूटों की सारी डिटेल मांगी है। साथ ही यह जानकारी भी मांगी गई है कि कितने रूटों पर प्राइवेट बसें चलती हैं। वह अपने फेरे पूरे करती हैं या नहीं और कितने रूटों पर रोडवेज बसें अपने फेरे लगाती हैं। इस सारी जानकारी के बाद जहां-जहां बसों की कमी होगी, वहां-वहां बसें दुरुस्त करवाई जाएंगी। आज उन्होंने इंदा छोई वाया फतेहपुरी, चंदड रूट पर बस सेवा शुरू कराई है और पहली बस लेकर वे गांव पहुंचे।

गर्भनाल रक्त का गलत तरीके से हो रहा प्रचार

सख्त कार्रवाई की तैयारी

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने देश में गर्भनाल रक्त बैंक को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर दिशा-निर्देश तैयार किए हैं, जिनके जरिये गर्भनाल रक्त का गलत तरीके से प्रचार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। देश में करीब 10 से ज्यादा निजी बैंक सक्रिय हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने दिशा-निर्देशों की ड्राफ्ट कॉपी पर आपत्ति सुझाव मांगे हैं। आईसीएमआर का कहना है कि काफी समय से गर्भनाल रक्त और इसके प्रचार पर शिकायतें मिल रहीं थीं। मंत्रियों की बैठक में सरकार ने दिशा-निर्देश लागू करने का निर्णय लिया। साथ ही इन्हें सीडीएससीओ के अधीन लाया जाएगा। कई बैंक गर्भनाल रक्त को 'जीवन में एक बार मिलने वाले अवसर' के रूप में पेश कर रहे हैं। माताओं को गर्भनाल स्टोर करने का विकल्प देकर भविष्य में होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह तक दे रहे हैं, जो पूरी तरह से गलत है।

मामले 2012 से 2020 के बीच

दुनिया में पहली बार पेरिस में सफल गर्भनाल रक्त स्टेम सेल प्रत्यारोपण 1988 में किया गया। इंडियन सोसाइटी ऑफ ब्लड एंड मैरो ट्रांसप्लांट रजिस्ट्री डाटा से पता चलता है कि भारत में 2012 से 2020 के बीच केवल 60 असंबंधित गर्भनाल रक्त प्रत्यारोपण हुए हैं।

दिशा-निर्देशों में इन्हें किया गया शामिल

आईसीएमआर के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, नए दिशा-निर्देशों के तहत गर्भवती महिला की स्वास्थ्य जांच से लेकर प्रसूति के बाद गर्भनाल एवं रक्त को किस तरह सुरक्षित निकालना है और कैसे उसे बैंक तक पहुंचाना है। किन मामलों में ऐसा किया जाना मां-बच्चे के लिए जोखिम भरा हो सकता है, इसके बारे में भी वैज्ञानिक तथ्यों के साथ जानकारी है। कोई भी बैंक गर्भनाल रक्त को लेकर गलत दावे नहीं कर सकता और न विज्ञापन जारी कर सकता है। प्रत्येक जिले में औषधि नियंत्रण अधिकारी को अधिकार होगा कि वह इनके खिलाफ कार्रवाई कर सके।

यह है गर्भनाल रक्त :

गर्भ में भ्रूण विकास से पहले स्टेम सेल्स का जन्म होता है। इसके बाद शिशु की अन्य कोशिकाएं और अंग विकसित होते हैं। जन्म के बाद मां से एक गर्भनाल ट्यूब के जरिये शिशु जुड़ा होता है। गर्भनाल और प्लेसेंटा को अक्सर बच्चे के जन्म के तुरंत बाद मेडिकल वेस्ट के रूप में हटा दिया जाता है, लेकिन गर्भनाल के भीतर का रक्त, हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल्स से भरपूर होता है, जो रक्त-उत्पादक कोशिकाएं होती हैं।

जिनके पास पक्का घर

उन्हें नहीं मिलना चाहिए पीएमएवाई फंड भाजपा के आरोप के बाद बोले टीएमसी सांसद

कोलकाता, 10 जनवरी (एजेंसियां)। नेता से अभिनेता बने तृणमूल कांग्रेस के सांसद दीपक अधिकारी उर्फ देव ने मंगलवार को कहा कि जिन लोगों के पास पक्का घर है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, क्या सही है और क्या गलत...इसके बीच में अंतर करने में वह बिल्कुल भी संकोच नहीं करेंगे। फिर भले ही उनकी पार्टी के लोगों ने गलत किया हो। टीएमसी नेता की यह टिप्पणी भाजपा के उस आरोप के बाद आई है, जिसमें कहा गया है कि टीएमसी के नियंत्रण वाली ग्राम पंचायतों में गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं दिया जा रहा है। दरअसल, हाल ही में केंद्रीय टीमों में ने मालदा व पश्चिमी मेदिनीपुर जिलों का दौरा किया था, जिसके बाद यह हकीकत निकल कर सामने आई थी।

जिनके सिर पर छत नहीं, उन्हें मिले लाभ

टीएमसी नेता ने कहा, अगर हमारी पार्टी के किसी भी व्यक्ति द्वारा गलत किया या है तो इसे स्वीकार किया जाना चाहिए। गरीब व्यक्ति, जिनके सिर पर पक्की छत नहीं है, उन्हें सरकारी योजना का लाभ मिलना ही चाहिए। न कि उन लोगों को यह निधि मिलनी चाहिए, जो पहले से एक या दो मंजिला घरों में रहते हैं। इस दौरान उन्होंने पीएमएवाई फंड पाने वाले अपात्र लोगों के मामले हो सकते हैं, लेकिन टीएमसी का शीर्ष नेतृत्व इसको लेकर जीरा टालरेंस की नीति अपनाता है।

मानदंडों के आधार पर मिलता है लाभ

उधर, टीएमसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुखेंदु शेखर रॉय ने कहा, पीएमएवाई लाभार्थियों के लिए कुछ मानदंड निर्धारित किए गए हैं, जिनका राज्य सरकार पालन करती है। उन्होंने कहा, अगर लाभार्थी या प्रशासन के स्तर पर कुछ विसंगतियां पाई जाती हैं, तो उन्हें दूर भी किया जाता है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 11 जनवरी, 2023

इंदौर प्रवासी सम्मेलन

जीवन के शुरुआती संघर्ष के दिनों में अच्छे और बेहतर भविष्य की तलाश में लोग भले ही अपना वतन और अपने लोग छोड कर सुदूर किसी देश में जा बसते हैं। वहां पैर जमाने के बाद एक समय ऐसा भी आता है जब वही लोग अपनी धरती और अपने लोगों के बीच फिर लौट कर कुछ करना चाहते हैं। यह लगाव स्वाभाविक होता है, चाहे वे पीढ़ियों पहले कहीं और जाकर बस गए हों। सभी देश का अपने प्रवासियों से निरंतर नाता बना रहता है। इसी के चलते भारत में प्रवासी दिवस मनाने की शुरुआत हुई थी, जिसमें हर साल दूसरे देशों में रह रहे भारतीय मूल के लोग कुछ दिनों के लिए यहां आते हैं। यह केवल सैर-सपाटे का अवसर नहीं होता, बल्कि उन्हें अपने देश के लिए कुछ करने का मौका भी होता है। यहां वे उद्योग व निवेश में संभावनाएं तलाशते हैं। प्रवासी सम्मेलन की शुरुआत इसी मकसद से की गई थी कि दूसरे देशों में जम गए भारतीय मूल के लोग अपने वतन आ कर निवेश के अवसर तलाश सकें। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में चल रहे सत्रहवें प्रवासी सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने भी कुछ इसी तरह के अपने विचार रखे। पीएम मोदी ने दूसरे देशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों को विदेशी धरती पर भारत का 'ब्रांड एंबेसडर' बताया। इस सम्मेलन में सत्तर देशों के साढ़े तीन हजार प्रवासी भारतीयों ने हिस्सा लिया है। प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले विदेशमंत्री ने भी इस सम्मेलन को प्रवासी भारतीयों के लिए अपने संबंधों को नया करने, नई ऊर्जा से भरने और नए पहलुओं को जोड़ने के एक अवसर के रूप में रेखांकित किया। इंदौर के प्रवासी भारतीय सम्मेलन की अहमियत इसलिए भी है कि इस वर्ष जी-20 समूह की अध्यक्षता भारत कर रहा है और यहां निवेश संबंधी अनेक नए अवसर मिलने वाले हैं। भारत वैसे भी तेजी से विकास पथ पर दौडते हुए विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन चुका है। आज हालात यह है कि पूरी दुनिया भारत की मोहताज है। भारत को एक आशा भरी निगाहों से सम्मान मिल रहा है। ऐसे अनेक अवसर आए, जब विश्व के विकसित कहे जाने वाले देशों ने भी भारत को भरपूर अहमियत दी। कोरोना के समय भारत ने अपने बल पर न केवल इसके टीके बनाए, बल्कि दुनिया के उन्नत कहे जाने वाले देशों की तुलना में अधिक तेजी से और बड़ी संख्या में टीके लगाने में कामयाबी भी हासिल की। अरिहंत जैसा स्वदेशी जलपोत तैयार किया, उपग्रह प्रक्षेपण के मामले में प्रतिस्पर्धी ढंग से आगे बढ़ रहा है। यही वजह है कि भारत से जाकर दूसरे देशों में कारोबार कर रहे लोगों के मन में भारत के प्रति आकर्षण बढ़ा है। अभी जिस तरह पूरी दुनिया मंदी के डर से डगमगा रही है और कारोबारी सुस्ती छाई हुई है, उसमें तमाम देश अपने लिए नया बाजार तलाश रहे हैं। ऐसे में निवेश की दृष्टि से उद्यमियों की निगह भारत पर ही आकर टिकती है। भारत में ग्राहकों की कमी नहीं है। इसलिए यह एक बेहतर बाजार तो है ही, साथ ही कई अन्य तरह की सहूलियत भी सरकारी तौर पर मुहैया कराई जा रही है। इसलिए इंदौर प्रवासी सम्मेलन से स्वाभाविक ही उम्मीद बनती है कि भारतीय मूल के लोगों को यहां कारोबार की नई संभावनाएं तलाशने में मदद मिलेगी। बता दें कि भारत सरकार ने स्टार्टअप और मेक इन इंडिया योजनाओं के तहत लाखों युवाओं को नए आविष्कार और रोजगार सृजन के अवसर पैदा किए हैं। इससे यहां एक समृद्ध कारोबारी वातावरण बना हुआ है। विदेशी कंपनियों के लिए नियम और शर्तें काफी लचीली बना दी गई हैं। यहां तक कि विदेशी विश्वविद्यालयों को अपने परिसर भी यहां खोलने की इज्जत दे दी है। ऐसे में भला कौन ऐसा प्रवासी भारतीय व्यवसायी होगा जो इस अनुकूल कारोबारी वातावरण का लाभ लेने से हिचकिचाएगा। व्यवसाय के लिए सबसे जरूरी चीज होती है, कारोबारी वातावरण और बाजार। ये दोनों चीजें भारत में उपलब्ध हैं। अगर प्रवासी भारतीय भारत में निवेश के लिए आगे बढ़ते हैं, तो न सिर्फ यहां कुछ नए क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होंगे, बल्कि निर्यात को भी गति मिलने की उम्मीद की जा सकती है। निस्संदेह इंदौर प्रवासी सम्मेलन से बेहतर नतीजे आने की उम्मीद जगी है।

नए-पुराने भूतों का अध्ययन

रामविलास जांगिड़

भूत विश्वविद्यालय ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी करते हुए बताया कि पुराने भूत बहुत भोले होते थे। वे खंडहर, टूटी हवेली, नई कोठी, श्मशान घाट अथवा सड़क किनारे अंधे कुएं में रहते थे। नए भूत किसी विश्वविद्यालय, कोचिंग सेंटर, ऑफिस, सचिवालय आदि में घूमते नजर आते हैं। पुराने भूत किसी पेड़ की डाली पर उल्टे लटके रहते थे। वे हर किसी को दिखते तक नहीं थे। बेचारों के पास रहने को ढंग की कोई जगह भी नहीं थी! अभी वाले भूत मंडल, निकाय, बोर्ड, अकादमी, निगम, आयोग आदि के अध्यक्ष बनकर शासन सचिवालय को अपने कंधों पर उल्टा लटकाए रखते हैं। पुराने भूतों के पास कुछ नहीं हुआ करता था। वे बेचारे कंगले गरीब टाइप के भूत हुआ करते थे। जब उनको भगाया जाता, तो उनके पास सिवाय लंगोटी के कुछ नहीं हुआ करता था। इसलिए कहा जाता कि भागते भूत की लंगोटी ही सही। लेकिन आजकल के भूत भगाने वाले की लंगोटी तक खुलवा डालते हैं। पुराने भूत डर के मारे भाग जाया करते थे, लेकिन ये नये भूत डराने के लिए कई तरह की यात्राएं निकालते हैं। नए भूत जाति, धर्म, संप्रदाय आदि के सींगों से पब्लिक को खदेड़ रहे हैं। पहले की भूत बिरादरी बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करती थी। भूत शास्त्र के नियमों पर चलती थी। किसी के रास्ते चलने पर कोई भी भूत कुछ भी नहीं कहता था। अभी वाले भूत सही रास्ते चलने वाले की अकल ठिकाने लगा देते हैं। ये न केवल उसे मारते-पीटते बल्कि उसका मर्डर भी कर देते हैं। कुर्सी की ताकत वाले भूत तो सबसे खतरनाक दिखाई दे रहे हैं। कुर्सी के बल पर ये चांद तारे सूरज को भी गायब करने की हिम्मत रखते हैं। भूत शास्त्र में कहा गया है कि लातों के भूत बातों से नहीं मानते हैं। लेकिन अब मामला बिल्कुल उल्टा हो गया है। आजकल लातों के भूतों को बातों से ही मनाना पड़ता है। लात लगाने से काम नहीं बनता है। इसलिए बातें ही की जाती है। बात करने पर ही अच्छे-अच्छे भूत सीधे होते नजर आए हैं। बातों की कलाकारी को कूटनीति कहा जाता है। घर से लेकर विदेश नीति सब जगह यही नीति पसरी है। यही कूटनीति झूठनीति का मूल आधार होती है। सबसे ज्यादा खतरनाक घर का भूत होता है। घर के भूत को सब कुछ अता-पता रहता है। घर का भूत बीस पीढ़ी के नाम, पते, ठिकाने दे देता है। इसलिए भूतिया शास्त्रों में घर के भूत से डरने की सलाह दी है। कहा गया है कि हर घर में कोई न कोई औरत होनी ही चाहिए। औरत मतलब पत्नी! पत्नी घर में झगड़ती ही रहती है। लेकिन वह नहीं होने से घर भूतों का डेरा कहलाता है। मतलब है कि घर में महिला नहीं हो तो भूत रहते हैं। महिला रहती है, तो भूत भाग जाते हैं। अर्थ है की पत्नी रूपी महिला से भूत तक डरते हैं। अगर पत्नी का रूप धारण की हुई महिला की कोई बात नहीं माने तो उसके सिर पर भूत सवार हो जाता है। भूत शास्त्र में साफ-साफ लिखा हुआ है की ऐसी महिला बहुत घातक होती है। इसलिए दुनिया के सभी पतियों को अपनी पत्नियों से डरना चाहिए। भूत आचरण संहिता में कहा गया है कि प्यार, चोर और डर भूतों को जन्म देते हैं।

राजनैतिक वंशवाद का विरोध : मिथक और यथार्थ

डॉ. चक्रपाल सिंह

जब-जब चुनाव नजदीक आते हैं या फिर किसी राजपुत्र/पुत्री! को सुनियोजित ढंग से लोकतान्त्रिक प्रक्रिया की समस्त बाधाओं को पार कराते हुए सत्ता की गद्दी की तरफ आगे बढ़ाया जाता है, तब-तब राजनैतिक वंशवाद विरोध की बासी कडी में उबाल आना शुरू हो जाता है । यह सिलसिला साठ के दशक से जारी है । जहां तक स्वतंत्र भारत में राजनैतिक वंशवाद के विरोध का प्रश्न है , तो इसकी गंभीर पहल प्रखर समाजवादी चिंतक स्व. डॉ. रामनोहर लोहिया के नेतृत्व में जवाहर लाल नेहरू द्वारा अपनी पुत्री स्व. इंदिरा गांधी को अपना उत्तराधिकारी घोषित किए जाने के विरुद्ध आवाज उठाने से मानी जाती है । तब से लेकर आज तक सभी का ध्यान राजनैतिक वंशवाद के विरोध पर केंद्रित रहा है । विशेषकर नेहरू ख़ानदान के विरुद्ध । कालांतर में लोहिया जी को छोड़कर सभी वंशवादी राजनीति के विरोधी जिनमें लोहिया जी के शिष्य भी शामिल हैं, स्वयं राजनैतिक वंशवाद को प्रश्रय देने की मानवीय कमजोरी का शिकार हो गए । कुछ अपवादों को छोडकर आज की तारीख में कोई भी राजनेता अथवा दल राजनैतिक वंशवाद से अछूता नहीं है। यहाँ तक कुछ राजनैतिक दलों, जिन्हें सत्ता में आए हुए जुम्मा जुम्मा कुछ ही वर्ष हुए हैं, उनके पुत्र-पुत्रियाँ राजनीति के मैदान में उतरने के लिए बेताब हैं। किन्हीं कारणों से इन नवजात राजपुत्र/पुत्रियों! का टिकट कटने की संभावना मात्र से इनके अवसाद में चले जाने की खबरें सुर्खियाँ बन जाती हैं । परंतु, गैर-राजनैतिक क्षेत्र में व्यापक रूप से व्याप्त वंशवाद पर कभी किसी को कोई आपत्ति नहीं रही है, जिसने भारतीय सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक प्रगति एवं विकास को कहीं अधिक, न केवल स्थाई नुकसान पहुँचाया है बल्कि इसके (प्रगति एवं विकास) लाभों को सही पात्रों तक पहुँचने ही नहीं दिया है । जिसने तमाम तरह की अनैतिकता, भ्रष्टाचार, अन्याय, शोषण, बेईमानी, एवं झूठ को जन्म दिया है। जिसके समर्थन एवं इसे सही ठहराने में न जाने कितने तर्क-कुतर्क एवं सिद्धांत आज भी प्रचलन में हैं । आज भी गैर-राजनैतिक वंशवाद का कोई दल अथवा नेता सार्थक विरोध तो क्या, जिक्र करना भी उचित नहीं समझता है । आज स्थिति यह है कि अपने अपने स्तर पर अपनी-अपनी तरह के पूर्वाग्रहों के चलते आरोप- प्रत्यारोपों का यह सिलसिला परिवार/वंश से व्यक्तिगत स्तर पर उतर आया है, जिसमें एक दूसरे के लिए अमर्यादित टिप्पणियाँ एवं बेलगाम भाषा शामिल है । स्पष्ट हो जाना चाहिए कि विरोध की असली जड़ें राजनैतिक वंशवाद में नहीं, कहीं और हैं । यथार्थ वह नहीं है जो दिखाई देता है या फिर दिखाया जाता है । प्रश्न उठता है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में "जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा शासन " स्थापित हो जाने के बाद देश में राजनैतिक वंशवाद के लिए क्या कोई मुकम्मल गुंजाइश बचती है ? क्या सच में कोई राजनैतिक वंशवाद के चलते 21वीं सदी में स्थाई रूप से सत्ता में रह सकता है ? 21 वीं सदी में यह विरोध कितना प्रासंगिक व सच्चा है ? इस बहस को आगे बढ़ाने तथा किसी तार्किक निष्कर्ष पर पहुँचने से पूर्व भारतीय वंश परंपरा पर विचार करना अधिक प्रासंगिक होगा। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति में परिवार मानव जीवन की पूर्णता की आधारभूत इकाई रहा है, जिसने भारतीय समाज की वंश परंपरा की निरंतरता को अक्षुण बनाए रखा है । प्राचीन काल से लेकर आज तक पुत्र परंपरा वंश का आधार रही है । कुछ अपवादों को छोड़कर सभी धार्मिक आयोजन पुत्र द्वारा सम्पन्न होते रहे हैं । बाबा मनु के अनुसार तीन ऋणों में पित्र ऋण भी एक है । इसका शोधन किए बिना मोक्ष का सेवन करने वाला नरकगामी होता है, ऐसी उनकी मान्यता है। धार्मिक अनुष्ठानों में निरवंशी स्त्री-पुरुष की उपस्थिति अशुभ मानी जाती रही है । यहाँ तक कि सुबह-सुबह इनके पहले दर्शन को परंपरावादी आज भी अशुभ एवं अपशकुन से भरा मानते हैं । इतना ही नहीं, प्राचीन काल से आज तक वंश चलाने के लिए "नियोग" – जिसमें कोई निःसंतान (पुत्रहीन) विधवा स्त्री अपने निकट संबंधी से ,यहां तक कि अपने ससुर तक से पुत्र उत्पन्न करने की सीमा तक जा सकती है , जैसी अनैतिक प्रथा मान्य रही है । यह सब आपद धर्म की चादर ओढ़कर किया जाता रहा है । आर्थिक, शैक्षिक एवं बौद्धिक विकास के तमाम दावों के बावजूद 21वीं सदी में भी पुत्र प्राप्ति यानी कि वंश की खातिर कन्याओं की भ्रूण हत्या जारी है । तेजी से घटता लिंग अनुपात इसकी पुष्टि करता है । जिस देश एवं समाज में वंश से संबंधित ऐसी एवं इस तरह की जड़ धार्मिक व सामाजिक आस्थाएँ एवं अंधविश्वास 21वीं सदी में भी जीवित हों, वहाँ वंश या वंशवाद से निरपेक्ष रहने की कल्पना कैसे की जा सकती है , भले ही वह राजनैतिक वंशवाद ही क्यों न हो । स्पष्ट है कि जब तक वंश है , वंशवाद भी रहेगा। अतः राजनीतिज्ञों द्वारा समय – समय पर इसका विरोध, विरोध नहीं बल्कि विशुद्ध विरोध की अवसरवादिता है, जिसे वे अपने राजनैतिक स्वार्थ एवं सुविधा के हिसाब से चयनित समय पर अपने राजनैतिक प्रतिद्वंदी के लिए उपयोग करते हैं। अतः इसका विरोध न केवल नकली, अवास्तविक एवं झूठा है बल्कि विशुद्ध आलोचना की राजनैतिक अवसरवादिता है। यहाँ प्रश्न उठ सकता है कि, तो फिर क्या 21वीं सदी में भी भारतीय राजनीति में वंशवाद को जारी रहने दिया जाना चाहिए ? या फिर इसका समर्थन किया जाना चाहिए ? इसका सीधा व सपाट जवाब है – बिल्कुल नहीं । किसी कीमत पर नहीं। परंतु, राजनीतिज्ञों की व्यक्तिगत कुंठाओं, पूर्वाग्रहों, राजनैतिक हताशा एवं निराशा का शिकार कोई व्यक्ति विशेष या परिवार नहीं होना चाहिए। विरोध का पैमाना सभी पर कम से कम न्यूनतम मानकों के साथ समान रूप से लागू होना चाहिए। जहाँ तक प्रश्न विभिन्न राजनेताओं के वंशधरों द्वारा ग्राम पंचायत से लेकर लोकसभा तक के चुनाव लड़ने व लड़ाने का है, तो यहाँ यह स्पष्ट करना जरूरी हो जाता है कि लोकतान्त्रिक व्यवस्था में कोई भी राजनेता स्वयं अपने पुत्र-पुत्री या फिर किसी निकट संबंधी को सीधे विधायक या लोकसभा सदस्य तो क्या, ग्राम प्रधान तक अपनी मर्जी से नियुक्त नहीं कर सकता है ।

उसे हर हालत में जनता के बीच जाना ही होता है । भले चुनाव के वक्त ही सही , लू के थपेड़े खाए, परंतु उसे जनता के बीच जाना ही पड़ता है । जनता ही इन्हें चुनती है और चुनेगी । राजनीति के जुआ के नीचे नहे राजनेताओं के बछड़े! लोकतंत्र के विशाल मैदान में कहाँ तक चल पाते हैं या फिर गरें बैल की तरह बीच खेत में ही बैठ जाते हैं, यह इनकी राजनैतिक सूझबूझ, बौद्धिक क्षमता, संघर्ष, सम्यक सोच, विवेक, समस्याओं के प्रति दृष्टिकोण , मानवीय संवेदनाओं के प्रति आस्था, राजनैतिक सुचिता, पारदर्शिता एवं इन सबके प्रति इनकी ईमानदारी व प्रतिबद्धता पर निर्भर करेगा । न कि पिता प्रवरों या माताश्रीओं की राजनैतिक विरासत एवं उनकी कद-काठी पर । पता नहीं कब, कैसे व कहाँ किसी सिद्धार्थ का पुत्र वर्धमान महावीर स्वामी बन जाए या फिर कोई सिद्धार्थ, बड़ा होकर गौतम बुद्ध बनकर विश्व को रोशनी दिखाए, जैसी संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है । यह कोई कल्पना नहीं ऐतिहासिक तथ्य हैं । वंशवाद या परिवारवाद भारतीय समाज और संस्कृति की बुनियादी पहचान है। जिसको समाप्त करने की वास्तविक क्षमता किसी में नजर नहीं आती है । न ही इसमें किसी को कोई गंभीर रुचि है । कम से कम आज की तारीख में कोई दल अथवा राजनेता ईमानदारी पूर्वक व्यावहारिक स्तर पर वंशवाद के विरोध में खड़ा नजर नहीं आता है । हकीकत में आज वंशवाद के विरोध की रेत में शुतुरमुर्ग की तरह सिर गढ़ा लेने और व्यक्तिगत आलोचना के दल-दल में धंस कर भैंस की तरह जुगाली करने में राजनीतिज्ञ अपने -अपने निहित राजनैतिक स्वार्थ देखते हैं । यही कारण है कि जब- जब देश में चुनाव निकट होता है, वंशवाद विरोध की बासी कड़ी में अचानक उबाल आ जाता है । वस्तुतः असल मुद्दा वंशवाद विरोध नहीं है । मामला विशुद्ध राजनैतिक हताशा ,कुंठा , निराशा एवं आलोचना की अवसरवादिता का है, जिसे सत्ता की अवसरवादिता भी कहा जा सकता है। दांव पर लगे राजनैतिक भविष्य का है । हमारी आपत्ति का कारण वंशवाद विरोध में उपयोग किए जा रहे शब्द नहीं, विरोध का अश्लील होता जा रहा दृष्टिकोंण है।

जोशीमठ को बचाने के लिए देश खड़ा हो

आर.के. सिन्हा

देवभूमि के जोशीमठ में तेजी से जमीन धंसने की खबरों को देख-सुनकर सारे देश का चिंतित होना स्वाभाविक है। जोशीमठ में अफरा-तफरी का माहौल है। दरारों से भरी हुई सड़कें और मकान भय और आतंक दोनों उत्पन्न करते हैं। इस समय सारा देश जोशीमठ और उत्तराखंड की जनता के साथ खड़ा दिख रहा है। जोशीमठ शहर पर ज़मीन में समाने का ख़तरा लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है। इस पूरे क्षेत्र को 'सिंकिंग ज़ोन' करार दिया गया है। तेज़ी से बदलते हालात की वजह से आपदा प्रभावित इलाकों में रहने वाले हज़ारों परिवारों को पुनर्वास केंद्रों में ले जाया जा रहा है। अब जोशीमठ में ताजा स्थिति के लिए पर्यटन, अवैध निर्माण और सुरंगों और बांधों का निर्माण बताया जा रहा है। कहने वाले तो यह भी कह रहे हैं कि अनियंत्रित भवन निर्माण को देख भूकम्प भी जोशीमठ को घूर रहा है। इसलिए जोशीमठ का अस्तित्व खत्म होता नजर आ रहा है। वहां पर जमीन के अंदर भारी भरकम सुरंग तो खोद दिए गए, लेकिन राज्य के पर्यावरण की अनदेखी की गई। जोशीमठ मे भयावह स्थिति के चलते स्थानीय जनता की आंखों में सिर्फ आंसू के अलावा कुछ नहीं है। जीवन भर की कमाई से मकान बनाने वालों को अपनी आंखों के सामने उनको जमींदोज होता देखना पड़ रहा है। जोशीमठ ग्लेशियर के मलवे पर बसा शहर है, जिसकी जमीन बहुत मजबूत नहीं है। इस बात का उल्लेख 50 साल पहले की एक रिपोर्ट में किया भी गया था। इस रिपोर्ट में अनियोजित विकास के खतरों को रेखांकित करते हुए चेतावनी दी गई थी कि जोशीमठ में छेड़खानी के परिणाम भारी पड़ सकते हैं । रिपोर्ट में जड़ से जुड़ी चट्टानों, पत्थरों को बिल्कुल भी न छेड़ने के लिए कहा गया था। वहीं यहां हो रहे निर्माण को भी सीमित दायरे में समेटने की सलाह की गई थी। पर इन सिफारिशों को अनदेखा किया गया। इसके बाद और भी अध्ययनों में भी ऐसी ही बातें सामने आईं कि इस पहाड़ी इलाके में विकास के नाम पर चल रही बड़ी परियोजनाएं आखिरकार तबाही का कारण बन सकती हैं। उत्तराखंड को देवभूमि कहते हुए यहां धार्मिक गतिविधियों को बढ़ाने की योजनाएं बनाई गईं। धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन बढ़ाकर आर्थिक समृद्धि के सपने भी दिखाए गए। लेकिन, यह सब किस कीमत पर हासिल होगा, लगता है इस पर विचार नहीं किया गया।

जोशीमठ एक प्राचीन शहर है। यहां 8वीं सदी में धर्मसुधारक आदि शंकराचार्य का प्रवास हुआ। फिलहाल चर्चा है कि वर्तमान संकट के लिए एनटीपीसी द्वारा बनाए जा रहे बिजली घर के अंडरग्राउंड टनल के निर्माण लिए विस्फोटकों का प्रयोग, जल विद्युत परियोजना के लिए अंधाधुंध खुदाई तथा नेशनल हाईवे बनाने के लिए अनियमित ढंग से जंगलों की कटाई है। देखिए, जो चौड़ी दरारें बद्रीनाथ में पड़ चुकी हैं जिनकी वजह से सड़कें और इमारतें धंसते जा रहे हैं। विशेषज्ञों की सलाह है कि अब बद्रीनाथ को बचाने के लिए भी भागीरथी प्रयास करने होंगे। भारत एक ऐसा देश है, जहां नौ महीने से अधिक समय तक सूर्य रहता है। जब हमारे पास अनगिनत सौर ऊर्जा परियोजनाएं हो सकती हैं तो जल विद्युत परियोजना की जरूरत ही क्यों है? हमें इस तरफ भी विचार करना होगा। जोशीमठ से बाहर रहने वाले लोग शायद वहां के लोगों का दर्द महसूस नहीं कर सकते। कैसी विडम्बना है, जब जल विद्युत परियोजनाएँ बनती हैं, ग्रामीणों के पुनर्वास के लिए बहुत सारे वादे किए जाते हैं, लेकिन होता कुछ नहीं है। इस तबाही के लिए कौन जिम्मेदार है? अब इस दुर्घटना की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और पुनर्वास के साथ भारी भरकम मुआवजा भी दिया जाना चाहिए। यह याद रखना होगा कि प्रकृति का अपना स्वयं का स्वतंत्र धर्म एवं नियम है। प्रकृति से खिलवाड़ एवं उसका अतिक्रमण मनुष्य को बहुत ही भारी पड़ने वाला है। और यह सब मनुष्य को अपने आप को छद्म धार्मिक साबित करने के चलते हो रहा है I सदियों से जोशीमठ अस्तित्व में है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों तक वहां इतनी भीड़ भाड़ नहीं थी। जबसे समाज में पाखंड दिखावे और ढोंग का बोलबाला हुआ है, तब से कमोबेश सभी धार्मिक स्थलों का यही हाल है। दस साल पहले जून 2013 में उत्तराखंड के केदारनाथ में भयंकर तबाही हुई थी। भयंकर बारिश और मंदाकिनी नदी में उफान ने हजारों जिंदगियां लील ली थीं, सैकड़ों घर तबाह हो गए थे। इस आपदा को प्राकृतिक कहा गया, लेकिन, असल में यह प्रकृति से अधिक मानव निर्मित आपदा थी। बारिश, गर्मी और सर्दी ऋतुचक्र का हिस्सा हैं। भूगर्भ शास्त्री कहते हैं कि धरती के नीचे तरह-तरह के परिवर्तन होते रहते हैं, इसलिए धरती कभी कांपती है, कभी उसके नीचे की सतहें एक जगह से दूसरी जगह सरकती हैं। ये सारी व्यवस्थाएं इसलिए हैं ताकि धरती का अस्तित्व बना रहे। पेड़, पौधे, कीड़े-मकौड़े, जानवर सब इस व्यवस्था के हिसाब से चलते हैं। लेकिन इंसान ने अपनी बुद्धि के घमंड में इस व्यवस्था को चुनौती देनी शुरु कर दी। जिन जगहों पर पहाड़ों को होना था, जहां जंगलों का विस्तार होना था, जहां नदियों को बहने के लिए निर्बाध जगह चाहिए, जहां बारिश के पानी को समाने के लिए स्थान चाहिए, उन सारी जगहों पर इंसान ने अपना कब्जा जमाना शुरु कर दिया। लेकिन, जब उसके कब्जे को प्रकृति का नुकसान पहुंचा, तो उसे प्राकृतिक आपदा का नाम दे दिया गया। यह नाम देने की सुविधापूर्ण चालाकी ही फिर से भारी पड़ती दिखाई दे रही है। क्या केदारनाथ संकट से कोई सबक न लेने का नतीजा है, जोशीमठ का धंसना? जोशीमठ में हालात की गंभीरता को देखते हुए अब एनटीपीसी की तपोवन-विष्णुगढ़ जलविद्युत परियोजना और मारवाड़ी-हेलंग बाईपास मोटर मार्ग को अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। संकट और दहशत के बीच लोग लगातार सरकार से ध्यान देने की मांग कर रहे थे। अब सारे मामले को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी स्वयं देख रहे हैं। अब एक उम्मीद बंधी है कि जोशीमठ संकट का सार्थक हल निकलेगा। वहां की परेशान जनता के साथ तो सारा देश और सरकार खड़ी हैं ही।

सरकार की हेराफेरी, जनगणना में देरी

डॉ सत्यवान सौरभ

जनगणना देश की जनसंख्या के आकार, वितरण और सामाजिक-आर्थिक, जनसांख्यिकीय और अन्य विशेषताओं के बारे में जानकारी प्रदान करती है। जनगणना पहली बार 1872 में ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड मेयो के तहत शुरू की गई थी। इसने समुदाय में सुधार के क्षेत्रों के उत्थान के लिए नई नीतियों, सरकारी कार्यक्रमों को तैयार करने में मदद की। भारत में पहली समकालिक जनगणना 1881 में हुई थी। तब से, हर दस साल में एक बार निर्बाध रूप से जनगणना की जाती रही है। भारत में एक शताब्दी से भी अधिक समय से प्रत्येक 10 वर्षों में एक राष्ट्रीय जनगणना कराने की परंपरा रही है। यह दुनिया के उन गिने-चुने देशों में से एक है, जो न केवल विकासशील देशों में से एक है, जिसने इस पवित्र परंपरा को कायम रखा है और बनाए रखा है।

भारत की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग करते हुए अनुसंधान ने हजारों डॉक्टरेट, ऐतिहासिक नीतियों (भूल और सफलता दोनों) में नई अंतर्दृष्टि प्रदान की है, विभिन्न क्षेत्रों और क्षेत्रों में सहायता की है, इसके अलावा जनगणना के आंकड़ों ने राष्ट्र का एक विश्वसनीय आर्थिक इतिहास भी प्रदान किया है। दशकीय जनगणना न केवल जनसंख्या, घरों और परिवार की इकाइयों में वृद्धि दर्ज करती है, बल्कि आयु, साक्षरता, प्रजनन क्षमता और प्रवासन के वितरण पर विस्तृत जानकारी भी देती है। दशकीय जनगणना कराने की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तहत भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त के कार्यालय की है। जनगणना जानकारी के सबसे विश्वसनीय स्रोतों में से एक है जैसे आर्थिक गतिविधि, साक्षरता और शिक्षा, आवास और घरेलू सुविधाएं, शहरीकरण, प्रजनन क्षमता और मृत्यु दर, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति।भारत की पहली जनगणना 1872 में आयोजित की गई थी, जो देश के विभिन्न हिस्सों में गैर-समकालिक रूप से आयोजित की गई थी। उसके बाद, भारत ने 1881 से 2011 तक नियमित रूप से अपनी दशकीय जनगणना की। जनगणना के बारे में संविधान क्या कहता है? निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के लिए जनगणना डेटा का उपयोग होगा, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण की मात्रा निर्धारित करने के लिए इस्तेमाल। इसमें यह नहीं बताया गया है कि जनगणना की आवधिकता क्या होनी चाहिए। जनगणना अधिनियम, 1948 जनगणना से संबंधित कई गतिविधियों के लिए इसकी आवधिकता के बारे में कुछ भी उल्लेख किए बिना कानूनी पृष्ठभूमि प्रदान करता है। यह कहता है: केंद्र सरकार जनगणना करने के अपने इरादे की घोषणा कर सकती है, जब भी वह ऐसा करना आवश्यक या वांछनीय समझती है, और उसके बाद जनगणना की जाएगी। जनगणना देश के हर गांव और कस्बे के लिए जनसंख्या डेटा प्रदान कर सकती है।

नमूना सर्वेक्षण केवल उच्च भौगोलिक स्तरों पर सामाजिक और जनसांख्यिकीय संकेतकों पर विश्वसनीय डेटा प्रदान कर सकते हैं। जनगणना जनसंख्या विशेषताओं, आवास और सुविधाओं पर डेटा प्रदान करती रही है।

जनगणना के आंकड़ों का उपयोग संसद, राज्य विधानसभाओं, स्थानीय निकायों और सरकारी सेवाओं में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों की संख्या निर्धारित करने के लिए किया जाता है। सर्वेक्षणों का उपयोग यह पता लगाने के लिए किया जा सकता है कि कितने गाँवों में साक्षरता दर 75% से कम है या किन तहसीलों में लोगों को संरक्षित जल आपूर्ति का प्रतिशत कम है। पंचायतों और नगर निकायों के मामले में, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए सीटों का आरक्षण जनसंख्या में उनके अनुपात पर आधारित है। कोई अन्य स्रोत नहीं है जो यह जानकारी प्रदान कर सके। जनगणना में देरी का मतलब है कि 2011 की जनगणना के डेटा का इस्तेमाल जारी रहेगा। पिछले दशक में जनसंख्या की संरचना में तेजी से परिवर्तन के बावजूद इसका मतलब है कि या तो बहुत अधिक या बहुत कम सीटें आरक्षित की जा रही हैं। जनसंख्या का ग्रामीण-शहरी वितरण पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बदल रहा है। उदाहरण के लिए महामारी के परिणामस्वरूप वयस्कों और वृद्धों की मृत्यु बच्चों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक हुई। यह मौतों की संख्या का अप्रत्यक्ष अनुमान देगा। इसमें प्रत्येक भारतीय की गिनती करने का वादा है। एक जनगणना तब होती है जब राज्य प्रत्येक व्यक्ति से जुड़ता है और डेटा को छुपाना या छिपाना मुश्किल होगा।

मिस्टर सीएम .! आपको तत्काल पद छोड़ देना चाहिए

नवीन जैन

अपनी मेहमानवाजी के लिए लगातार ढोल _नगाड़े पीटने वाले इन्दौर का असली चेहरा महज चंद मिनटों में दुनिया के सामने आ गया। ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के नाम पर जिन विदेशी मेहमानों के लिए पलक पांवड़े बिछाए जाए जाने का भरोसा दिलाया गया था ,उन मेहमानों के लिए नौ जनवरी कभी न भूलने वाला कटु अनुभव होगा । ठीक है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुए उक्त दुखांत एपिसोड के लिए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने माफी मांगने में कोई विलंब नहीं किया,लेकिन खुद सीएम ,और संबंधित तंत्र के लिए यह सोचने वाली बात है कि क्या सिर्फ क्षमा मांग लेने से जो नुकसान हुआ है , इन्दौर की छवि को जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नुकसान हुआ है,और सबसे बड़ी बात यह कि जनता के टैक्स से जो करोड़ो की राशि समिट के पहले ही फूंक दी गई ,उसकी भरपाई कभी संभव होगी? अब प्रतिक्रिया स्वरूप कुछ आला प्रशानिक आधिकारी इधर से उधर कर दिए जाएंगे ,कुछ को सीएम अपनी सनातन अदा में फटकार लगाएंगे ,और बस किस्सा खत्म । कमाल का शब्द छल करते हुए मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने पीएम नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में सभागार के मंच से कहा कि भले हमारे अतिथियों को हाल में जगह न मिली हो ,लेकिन हमारे दिल में तो उनके लिए जगह है। शाबाश ,!

क्या बात है मिस्टर सीएम !कोई अमेरिकी कारोबारी महिला अपने अपमान को लेकर रोने को आईं हो ,और आप हैं कि आप उन जैसों को कह रहे हैं कि देखें , आप सभी के लिए हमारे दिल में जगह है। इस तरह के शायराना अंदाज़ में बहाने बनाने की बजाय आप पूरी असफलता की जिम्मेदारी खुद लेते हुए अपने पद से इस्तीफा क्यों नहीं दे देते ,क्योंकि जानी _पहचानी बात है कि जब युद्ध में सेना हार जाती है ,तो उस हार की पूरी जिम्मेदारी सेनापति की भी होती है।करीब एक महीने से अंतर्राष्ट्रीय निवेश संबधी इस जलसे को सीएम और उनकी सरकार ने एक जंग का मैदान ही तो बना दिया था।

श्रीकृष्ण पूजा का महीना

माघ मास को धर्म ग्रंथों में बहुत ही पवित्र बताया गया है। ये महीना 7 जनवरी से 5 फरवरी तक रहेगा। इस दौरान श्रीकृष्ण की पूजा करने और नदी स्नान करने से मनुष्य स्वर्ग में स्थान पाता हैं। माघ महीने में गंगा का नाम लेकर नहाने से भी गंगा स्नान का फल मिलता है। पुराणों में कहा गया है कि जब माघ मास में सूर्य मकर राशि में हो तो सुबह जल्दी पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। इससे अनंत गुना पुण्य मिलता है।

धर्म ग्रंथों के अनुसार, इस महीने में श्रीकृष्ण की पूजा की जाए तो मनोकामनाएं पूरी होती हैं। माघ मास में श्रीकृष्ण की पूजा से पहले सुबह तिल, जल, फूल, कुश लेकर इस प्रकार संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद श्रीकृष्ण की प्रार्थना और पूजा करें। श्रीकृष्ण को घर में शुद्धता से बने पकवानों का भोग लगाएं। उसमें तुलसी के पत्ते जरूर डालें।

इस तरह पूरे महीने में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने से दुख दूर होते हैं और सुख-समृद्धि रहती है। माघ की ऐसी महिमा है कि इसमें जहां कहीं भी जल हो, वो गंगाजल के समान होता है। फिर भी प्रयाग, काशी, नैमिषारण्य, कुरुक्षेत्र, हरिद्वार तथा अन्य पवित्र तीर्थों और नदियों में स्नान का बड़ा महत्व है।

महाभारत में माघ महीने का महत्व

महाभारत और अन्य ग्रंथों में माघ मास के महत्व के बारे में बताया गया है। महाभारत के अनुशासन पर्व के अनुसार जो माघ मास में नियम से एक वक्त खाना खाता है, वो धनवान कुल में जन्म लेकर अपने परिवार में महत्वपूर्ण होता है। इसी अध्याय में कहा गया है कि माघ मास की द्वादशी तिथि को दिन-रात उपवास करके भगवान माधव की पूजा करने से उपासक को राजसूय यज्ञ का फल प्राप्त होता है और वह अपने कुल का उद्धार करता है।

माघ मास की कथा

प्राचीन काल में नर्मदा किनारे सुव्रत नाम का ब्राह्मण रहता था। वो वेद, धर्मशास्त्रों और पुराणों के जानकार थे। कई देशों की भाषाएं और लिपियां भी जानते थे। इतने विद्वान होते उन्होंने अपने ज्ञान का उपयोग धर्म के कामों में नहीं किया। पूरा जीवन केवल धन कमाने में ही गवां दिया।

जब वो बूढ़े हुए तो याद आया कि मैंने धन तो बहुत कमाया, लेकिन परलोक सुधारने वाला कोई काम नहीं किया। ये सोचकर दुखी होने लगे। उसी रात चोरों ने उनका धन चुरा लिया, लेकिन सुव्रत को इसका दुःख नहीं हुआ क्योंकि वो तो परमात्मा को पाने का उपाय सोच रहे थे। तभी सुव्रत को एक श्लोक याद आया- माघे निमग्नाः सलिले सुशीते विमुक्तपापास्त्रिदिवं प्रयान्ति।

उनको अपने उद्धार का मूल मंत्र मिल गया। फिर उन्होंने माघ स्नान का संकल्प लिया और नौ दिनों तक सुबह जल्दी नर्मदा के पानी में स्नान किया। दसवें दिन नहाने के बाद उन्होंने अपना शरीर त्याग दिया। सुव्रत ने जीवन भर कोई अच्छा काम नहीं किया था, लेकिन माघ में स्नान के बाद उनका मन निर्मल हो चुका था। जब उन्होंने प्राण त्यागे तो उन्हें लेने दिव्य विमान आया। उस पर बैठकर वो स्वर्ग चले गए।

माघ मास में तीर्थ स्नान के साथ ही भगवान माधव की पूजा और व्रत करने का विधान, इससे उम्र बढ़ती है

एक ऐसा मंदिर जहां आज भी धड़कता है श्रीकृष्ण का दिल

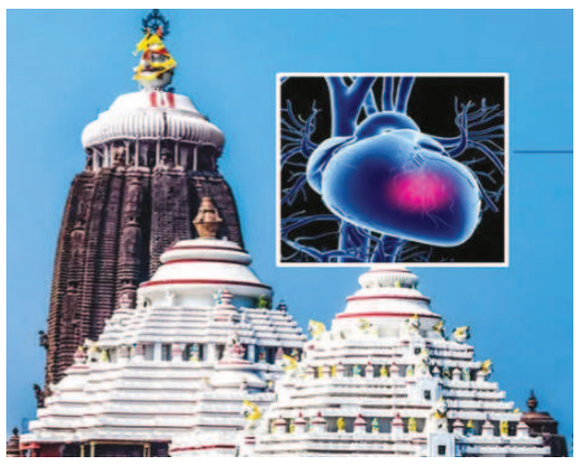

भारत के कई प्रसिद्ध मंदिर व धर्मस्थलों का इतिहास रहस्यों व चमत्कारों से भरा हुआ है। ओडिशा के पुरी में स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर पवित्र धामों में से एक है। जगन्नाथ मंदिर का इतिहास अपने आप में हैरान कर देने वाला है। मान्यता है कि जगन्नाथ मंदिर में मौजूद मूर्तियों में आज भी भगवान श्रीकृष्ण का हृदय धड़कता है। यहां अन्य मंदिरों में भगवान की अलौकिक मूर्तियां देखने को मिलती है तो वहीं जगन्नाथ मंदिर में स्थापित मूर्तियां अधूरी हैं। तो चलिए जानते हैं जगन्नाथ मंदिर में धड़कते श्रीकृष्ण के दिल का रहस्य क्या है।

कौन हैं भगवान जगन्नाथ?

पंडित इंद्रमणि घनस्याल बताते हैं कि शास्त्रों में भगवान श्रीकृष्ण के ही जगन्नाथ होने के प्रमाण मिलते हैं। मत्स्य पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण अपने भाई-बहन के साथ विराजमान हैं। सभी मंदिरों में भगवान की मूर्तियां अष्टधातु या अन्य किसी धातु या पत्थर की बनी होती है लेकिन जगन्नाथ मंदिर में नीम की लकड़ियों से मूर्तियां बनी हैं। माना जाता है कि मालवा के राजा इंद्रद्युम्न को सपने में श्रीकृष्ण ने नीम के पेड़ के लट्ठे से अपनी और अपने भाई-बहन बलभद्र और सुभद्रा की मूर्तियां बनाने का आदेश दिया था, तब राजा इंद्रद्युम्न ने ये मंदिर बनवाया था।

मान्यता के अनुसार, जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मूर्तियां हैं, जो हर 12 वर्षों में बदली जाती हैं। जब मंदिर की मूर्तियों को बदला जाता है, तब मूर्तियों में से ब्रह्म पदार्थ को निकालकर नई मूर्तियों में लगाया जाता है। ब्रह्म पदार्थ को श्रीकृष्ण का हृदय माना जाता है। जगन्नाथ मंदिर के पुजारियों का कहना है कि जब वे भगवान का दिल नई मूर्तियों में रखते हैं, तब उन्हें अपने हाथों में कुछ उछलता हुआ महसूस होता है। मंदिर के पुजारियों का मानना है कि यह ब्रह्म पदार्थ है, जो अष्टधातु से बना है। लेकिन यह ब्रह्म पदार्थ जीवित अवस्था में है। इस ब्रह्म पदार्थ को देखने वाला अंधा हो सकता है या उसकी मृत्यु हो सकती है। इसलिए, ब्रह्म पदार्थ को बदलते वक्त पुजारियों की आंखों पर रेशमी पट्टियां बांध दी जाती है। इसी तरह मंदिर की धूप में कभी भी परछाई नहीं बनती है।

जब मिली दैत्यगुरु शुक्राचार्य को मृत संजीवनी विद्या

एक ऐसा सत्य है, जिससे बच पाना असंभव है। मान्यता है, जो एक बार इस धरती पर जन्म लेकर आ गया, उसकी मृत्यु निश्चित है। जन्म से लेकर मृत्यु तक मानव अपने ढंग से जीवन जी सकता है, परंतु अंत में उसकी आत्मा उसके शरीर को छोड़ कर चली जाएगी, वह ये भी जानता है। मृत्यु एक शाश्वत और अटल सत्य है। काल के देवता यम के मृत्यु पाश से बच पाना पूर्ण रूप से असंभव है परंतु ऐसे में यदि आपसे कोई कहे कि एक विधि से मृत शरीर को जीवित किया जा सकता है, तो क्या आप मानेंगे? आइए पुराणों में वर्णित वह कथा जानते हैं, जिससे मृत शरीर को भी जीवित कर देने वाली इस दिव्य, गुप्त और आलौकिक विद्या के बारे में शुक्राचार्य को पता लगा और उन्होंने युद्ध में मरने वाले अपने दैत्यों को भी जीवित कर दिया।

अंगिरस ऋषि का आश्रम

एक समय की बात है, अंगिरस ऋषि के आश्रम में उनके कई शिष्य शिक्षा ग्रहण करते थे, जिनमे से एक का नाम कवि था। कवि के ही साथ स्वयं अंगिरस ऋषि का पुत्र जीव भी शिक्षा ग्रहण करता था। कवि बहुत विद्वान और ज्ञानी था। अंगिरस ऋषि ने उन दोनों की परीक्षा ली और पाया कि कवि उनके पुत्र जीव से कई अधिक होशियार था। यह देख उनका मन व्याकुल हो उठा।

कवि को आश्रम से निकालना

अपने पुत्र से भी बुद्धिमान शिष्य को देखकर महर्षि अंगिरस ने एक ऐसी चाल चली, जिससे पढ़ाई के समय भी सदा ही कवि कुछ न कुछ आश्रम के काम में लगा रहता। यह रोज होता देख एक दिन कवि ने हिम्मत करके गुरुदेव से इसका कारण पूछते हुए बोला "हे गुरुदेव, मैने देखा है, बीते कुछ दिनों से आप पढ़ाई के समय मुझे किसी और काम में भेज देते हैं। क्या आप मुझसे क्रुद्ध हैं?" शिष्य के मन में शंका देख अंगिरस ऋषि का क्रोध बढ़ गया और उन्होंने गुस्से में कवि को आश्रम से निकाल दिया।

मृत संजीवनी

अंगिरस ऋषि के आश्रम से निकलने के बाद, गौतम ऋषि के आश्रम में शिष्य कवि ने ज्ञान प्राप्त किया, जिसके बाद गौतम ऋषि ने उसे आगे का ज्ञान भगवान शिव से प्राप्त करने की आज्ञा दी। गुरु आज्ञा से कवि ने भगवान शिव को गुरु बनाने के लिए कठोर तप किया। भगवान शिव ने प्रसन्न होकर कवि को मृत संजीवनी की विद्या दी, जिससे किसी मृत को भी जीवित किया जा सकता है। भगवान शिव से यह ज्ञान प्राप्त करने के बाद कवि दैत्यगुरु शुक्राचार्य बन गया। जिसके बाद दैत्य देवों द्वारा मारे गए अपने शिष्यों को जीवित कर देते। बाद में भगवान शिव ने शुक्राचार्य को रूप विस्तार कर अपने पेट में धारण किया जिससे मृत संजीवनी का प्रयोग कम हो।

कौन थी रावण की बेटी, जिसे हो गया था रामभक्त हनुमान से प्रेम

श्रीराम, रामभक्त हुनमान और रावण वध से जुड़ी कई कहानियां भारत ही नहीं, भारत के बाहर भी सुनी-सुनाई जाती हैं। वाल्मिकी रामायण के अलावा भी कई देशों में अलग-अलग रामायण लिखी गई हैं। ऐसी ही दो रामायण में रावण की बेटी के बारे में लिखा गया है। यही नहीं, उनमें रावण की बेटी को हनुमानजी से प्रेम होने का उल्लेख भी किया गया है। हालांकि, वाल्मिकी रामायण या तुलसीदासजी कृत रामचरित मानस में रावण की बेटी का जिक्र नहीं मिलता है। आज हम बताएंगे कौन-कौन सी रामायण में रावण की बेटी से जुड़ी कहानियां लिखी गई हैं।

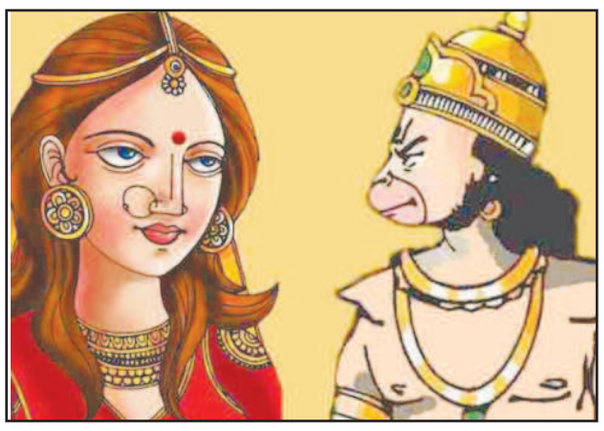

वाल्मिकी रामायण के बाद दक्षिण भारत ही नहीं कई देशों में रामायण को अपने-अपने तरीके से लिखा गया है। इनमें से ज्यादातर रामायण में श्रीराम के साथ ही रावण को भी काफी महत्व दिया गया है। इसीलिए श्रीलंका, इंडोनेशिया, मलेशिया, माली, थाईलैंड और कंबोडिया में रावण को भी पूरी अहमियत दी जाती है। रावण की बेटी का उल्लेख भी थाईलैंड की रामकियेन रामायण और कंबोडिया की रामकेर रामायण में किया गया है।

क्या कहती हैं रामकियेन रामायण-रामकेर रामायण?

रामकियेन और रामकेर रामायण के मुताबिक, रावण के तीन पत्नियों से 7 बेटे थे। इनमें पहली पत्नी मंदोदरी से दो बेटे मेघनाद और अक्षय कुमार थे। वहीं, दूसरी पत्नी धन्यमालिनी से अतिकाय और त्रिशिरा नाम के दो बेटे थे। तीसरी पत्नी से प्रहस्थ, नरांतक और देवांतक नाम के तीन बेटे थे। दोनों रामायण में बताया गया है कि सात बेटों के अलावा रावण की एक बेटी भी थी, जिसका नाम सुवर्णमछा या सुवर्णमत्स्य था। कहा जाता है कि सुवर्णमत्स्य देखने में बहुत सुंदर थी। उसे स्वर्ण जलपरी भी कहा जाता है। एक अन्य रामायण 'अद्भुत रामायण' में श्रीराम की पत्नी देवी सीता को भी रावण की बेटी बताया गया है। अद्भुत रामायण के अनुसार, अपनी पुत्री पर ही बुरी दृष्टि डालने के कारण रावण का अंत हुआ।

थाईलैंड-कंबोडिया में क्यों पूजी जाती है सुनहरी मछली?

दशानन रावण की बेटी सुवर्णमत्स्य का शरीर सोने की तरह दमकता था। इसीलिए उनको सुवर्णमछा भी कहा जाता है। इसका शाब्दिक अर्थ होता है, सोने की मछली। इसीलिए थाईलैंड और कंबोडिया में सुनहरी मछली को ठीक उसी तरह से पूजा जाता है, जैसे चीन में ड्रेगन की पूजा होती है। हालांकि, थाईलैंड में कुछ जगहों पर उन्हें ऐतिहासिक थाई पात्र तोसाकांथ की बेटी भी बताया गया है। रामायण के बाद दसवीं शताब्दी में कंबन ने रामायण महाकाव्य लिखा, जो दक्षिण में बहुत अधिक लोकप्रिय हुआ। हालांकि, ये स्पष्ट है कि दुनियाभर में लिखी गईं सभी रामायण महर्षि वाल्मिकी की रचना से ही प्रेरित रही हैं। क्योंकि, सभी रामायण में ना राम बदले, ना स्थान और ना ही उनके उद्देश्य में कोई परिवर्तन हुआ।

किस घटना से है सुवर्णमत्स्य और नल-नील का संबंध?

वाल्मिकी रामायण के थाई और कंबोडियाई सस्करणों के मुताबिक, श्रीराम ने लंका पर विजय अभियान के दौरान समुद्र पार करने के लिए नल और नील को सेतु बनाने का काम सौंपा। श्रीराम के आदेश पर जब नल और नील लंका तक समुद्र पर सेतु बना रहे तो रावण ने अपनी बेटी सुवर्णमत्स्य को ही ये योजना नाकाम करने का काम सौंपा था। पिता की आज्ञा पाकर सुवर्णमछा ने वानरसेना की ओर से समुद्र में फेंके जाने पत्थरों और चट्टानों को गायब करना शुरू कर दिया। उसने इस काम के लिए समुद्र में रहने वाले अपने पूरे दल की मदद ली।

भगवान शिव ने माता पार्वती को बताया अपनी चोरी के बारे में

भगवान शिव ने मदारी का भेष बनाया और काकभुशुण्डि जी बने उनके जम्बुरे, दोनों अपना खेल दिखाते हुए राजा दशरथ जी के महल के नीचे पहुंचे। उस समय राम लला पालने में सो रहे थे, शिव जी के डमरू की आवाज सुन उनकी निंद्रा टूटी और वह शिव जी कि समस्त लीला को समझ गए। तब भगवान राम ने शिव जी से विनोद करने के लिए डमरू का शोर सुन रोना शुरू कर दिया जिसे देख माता कौशल्या ने सिपाहियों से कहकर मदारी-जम्बुरे के रूप में आए शिव जी और काकभुशुण्डि जी को महल से दूर भगा दिया। रात का समय होगया था तो दोनों सरयू जी के घाट पर आगए, तब काकभुशुण्डि जी ने आगे की योजना पूछी तो भगवान शिव ने कहा अब कल का कल देखेगे।

शिव जी ने बनाया ज्योतिषी का रूप

अगला दिन हुआ तो भगवान शिव ने ज्योतिषी का रूप बनाया और काकभुशुण्डि जी बने उनके चेले। वे दोबारा दशरथ जी के महल के पास पहुंचे और लोगों को उनका भविष्य बताने लगे, तभी शिव जी ने महल की एक दासी को अपने बच्चे के साथ वहां से जाते देखा और काकभुशुण्डि जी को उसे बुलाने का इशारा किया। ज्योतिषी की तारीफ कर काकभुशुण्डि जी

दासी को उसके बच्चे का हाथ दिखाने के लिए शिव जी के पास ले आए, ज्योतिषी बने शिव जी ने उस बालक का एकदम सटीक भविष्य बताया और उससे दक्षिणा में राजमहल में प्रवेश दिलाने की विनती की।

हुआ राम लला का दर्शन

दासी राजमाता कौशल्या के पास जाकर ज्योतिषी की तारीफ करने लगी, इतनी तारीफ सुन माता के मन में भी अपने लाला राम का भविष्य पूछने की लालसा उत्पन्न हो गई और उन्होंने ज्योतिषी को महल में बुलाने का आदेश दे दिया। माता कौशल्या ने उनके चरण स्पर्श कर, आरती कर, उन्हें भोजन आदि कराया और उसके बाद चारों राजकुमारों (राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न) को भी ज्योतिषी रूपी शिव के चरण स्पर्श कराए। भगवान शिव राम जी का दर्शन पाते ही इतने प्रसन्न हुए कि उन्हें देखते ही समाधी में चले गए, यह देख माता कौशल्या चिंतित हो उठी। तब भगवान श्री राम ने अपनी लीला से समस्त स्तिथि को संभाला, जिसके बाद ज्योतिषी रूपी शिव ने भगवान राम का भविष्य बताया और वहां से विदा ली।

माता पार्वती ने भी बताया एक रहस्य

यह समस्त कथा सुनते हुए माता पार्वती मुस्कुराने लगी, जिसे देख भगवान शिव ने उनसे मुस्कुराने का कारण पूछा जिसपर माता पार्वती जी ने उत्तर दिया, "नाथ अगर महल की दासी ना आई होती तो क्या आप महल में प्रवेश कर पाते, अरे बाबा क्या आपने उस दासी को अभी भी नहीं पहचाना...?" वास्तव में भगवान शिव की राम लला की मनोकामना को पूर्ण करने के लिए माता पार्वती ने ही महल की दासी का रूप बनाया था...

'बेशर्म रंग' विवाद पर बोले जावेद अख्तर 'सभी धर्मों का सेंसर बोर्ड होना चाहिए'

जाने-माने गीतकार, शायर और लेखक जावेद अख्तर पर हिंदी में लिखी और अंग्रेजी में भाषांतरित की गयी (दोनों) किताब 'जादूनामा' लोगों के सामने पेश की गई और अपनीलिखी इस बुक का लॉन्च करने के दौरान फिल्मकार गुलजार स्पेशल गेस्ट के तौर पर वहां पर मौजूद थे. ऐसे में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'पठान' पर बढ़ते विवाद के बाद सीबीएफसी ने मेकर्स को इस गाने के कुछ शॉट्स बदलने के निर्देश दिए थे और अब इसी बीच लिरिसिस्ट-राइटर जावेद अख्तर ने अपना विचार रखा है और उन्होंने हर बार की तरह बेहद बेबाकी से कुछ बातें कही हैं. जावेद अख्तर ने पठान कंट्रोवर्सी पर बोलते हुए तंज कसा है.

जावेद अख्तर ने पठान कंट्रोवर्सी पर बोलते हुए तंज कसा और जावेद अख्तर ने कहा- अगर वे सोचते हैं कि मध्य प्रदेश के लिए अलग सेंसर बोर्ड होना चाहिए, तो उन्हें अलग जाकर फिल्म देखनी चाहिए. अगर वे केंद्र के फिल्म सर्टिफिकेशन से नाखुश हैं तो हमें उनके बीच नहीं आना चाहिए. ये उनके और सरकार के बीच की बात है' इसके बाद जावेद अख्तर से हाल ही में बने 'धर्म सेंसर बोर्ड' के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा 'मध्य प्रदेश में एक ही सेंसर बोर्ड है. फिर केंद्र का अलग से एक सेंसर बोर्ड है. इसमें क्या दिक्कत है? हमारे पास 4-5 अहम धर्म हैं और उनके खुद के सेंसर होने चाहिए. शायद तब मौलवी फिल्में देखना शुरू करेंगे'।

पठान के बेशरम रंग गाने के विवाद पर जावेद अख्तर ने भी अपनी टिप्पणी साझा की है उन्होंने कहा, 'फिल्म मेकर्स को फिल्म सर्टिफिकेशन बॉडी जिसके पास यह तय करने का अधिकार है कि लास्ट कट क्या होगा और क्या नहीं होगा. इसपर 'भरोसा' करने की जरूरत है'. आगे उन्होंने कहा, 'यह आपके और मेरे लिए नहीं है कि हम तय करें कि क्या सही है और क्या गलत है। हमारी एक एजेंसी है, सरकार के लोग हैं और समाज का एक क्रॉस-सेक्शन फिल्म देखता है और तय करता है कि क्या पास होगा और क्या नहीं होगा'।

'कृष-4' की रिलीज में क्यों हो रही देरी? 10 साल बाद ऋतिक रोशन ने दिया फिल्म से जुड़ा बड़ा अपडेट

बॉलीवुड के हैंडसम हंक ऋतिक रोशन आज अपना 49वां जन्मदिन मना रहे हैं. सुपरस्टार को सोशल मीडिया पर फैंस और दोस्तों से बर्थडे की ढेर सारी शुभकामनाएं मिल रही हैं. ऋतिक रोशन बॉलीवुड को कई सुपरहिट फिल्में दे चुके हैं, लेकिन फैंस को उनके सुपरहीरो सीरीज 'कृष' के चौथे पार्ट का बेसब्री से इंतजार है. फैंस के इस एक्साइटमेंट को देखते हुए ऋतिक ने बताया कि आखिर 'कृष-4' की रिलीज में देरी क्यों हो रही है. ऋतिक ने फैंस को खुशखबरी दी कि 'कृष-4' की मेकिंग जारी है और जल्द ही फिल्म रिलीज की जाएगी.

ऋतिक रोशन के पिता और फिल्म निर्माता राकेश रोशन द्वारा डायरेक्ट की गई सुपरहिट फिल्म 'कोई मिल गया' फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म थी और ये 2003 में रिलीज हुई थी. इसके बाद 'कृष' 2006 आई और 'कृष 3' 2013 में आई. अब फैंस को पिछले करीब 10 साल से 'कृष-4' का इंतजार है. क्रिश 4 के बारे में पूछे जाने पर, ऋतिक रोशन ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मुझे लगता है, हम सभी को एक साथ मिलकर थोड़ी प्रार्थना करनी चाहिए. सब कुछ सेट है (क्रिश 4 के बारे में) लेकिन हम एक छोटी सी तकनीकी पर अटके हुए हैं. उम्मीद है कि हम साल के अंत तक इस समस्या से छुटकारा पा लेंगे.

उन्होंने आगे कहा, "कृष 4 निश्चित रूप से पाइपलाइन में है और यह जल्द ही वास्तविक रूप से होगा.' उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म 'फाइटर' के बारे में भी बात की. फिल्म के लिए उन्होंने भारतीय वायु सेना के साथ अपने एक्सपीरिएंस को भी शेयर किया. ऋतिक ने कहा, 'हम असली फाइटर जेट्स के साथ शूटिंग कर रहे हैं, हमने अभी सुखोई में शूटिंग की है. भारतीय वायु सेना के आसपास होना ही बहुत प्रेरणादायक रहा है. उनकी बॉडी लैंग्वेज, मर्यादा, अनुशासन, उनके साहस और बुद्धिमत्ता से सीखने के लिए बहुत कुछ है. मुझे बहुत खुशी है कि मुझे खुद इसका अनुभव हुआ.'

मुश्किलों के बीच भी सिनेमा के लिए मेरा प्यार कम नहीं हुआ : सामंथा

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म शाकुंतलम 17 फरवरी को रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच कल यानी 9 जनवरी को मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर लॉन्च रखा, जहां बहुत समय बाद सामंथा पब्लिक के बीच दिखाई दीं। सामंथा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा है में है। जिसमें वो ट्रेलर लॉन्च के दौरान इमोशनल हो जाती हैं और अपने आंसुओं को बहने से नहीं रोक पाती हैं।

दरअसल वीडियो में शाकुंतलम के डायरेक्टर गुनाशेखर सामंथा के बारे में बात कर रहे थे। इतने में वो इमोशनल हो जाती हैं और उनकी आंखों में आंसू छलक उठते हैं। सामंथा अपने आंसू पोछते हुए मुस्कुराने की कोशिश करती हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में सामंथा ने कहा- हाल के दिनों में मुश्किलों के बावजूद सिनेमा के लिए मेरा प्यार कभी भी कम नहीं हुआ।मेरा विश्वास है कि शाकुंतलम के साथ यह प्यार कई गुना बढ़ जाएगा।' लॉन्च के दौरान सामंथा ने बताया कि उन्होंने बड़ी हिम्मत के साथ इस इवेंट में हिस्सा लिया है। सामंथा की आंखों में आंसू देख उनके फैंस बेहद भावुक हो गए हैं। फैंस ने कहा- 'वो हर हाल में सामंथा के साथ खड़े हैं।'

बीमारी और ट्रीटमेंट के चलते सामंथा काफी समय से लाइमलाइट से दूर थी। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर कई दिनों बाद उन्हें लोगों के बीच देखा गया। शाकुंतलम लॉन्च इवेंट की फोटो सोशल मीडिया पर सुर्खियों में हैं। इस बीच एक यूजर ने सामंथा के लुक्स को लेकर ट्वीट किया कि उन्होंने अपना चार्म और ग्लो खो दिया है, जिस पर सामंथा ने रिएक्ट करते हुए मुहतोड़ जवाब दिया। ट्विटर पेज ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- सामंथा के लिए दुख हो रहा है कि उन्होने अपना सारा आकर्षण और चमक खो दी। जब सभी ने सोचा है कि वह तलाक से मजबूती से बाहर आ गई और उनके प्रोफेशनल लाइफ अच्छी चल रही, तब मायोसाइटिस ने उन्हें बुरी तरह झकझोर दिया, जिससे वो एक बार फिर कमजोर हो गईं हैं। पोस्ट पर जवाब देते हुए सामंथा ने लिखा- मैं प्रार्थना करती हूं कि आपको कभी भी महीनो के इलाज और दवा से नहीं गुजरना पड़े, जैसे मैंने किया था। और यहां मेरी ओर से आपकी चमक में जोड़ने के लिए कुछ प्यार है।' इस पोस्ट के सामने आने के बाद सामंथा के फैंस उनके में सामने आ गए। उन्होंने इंस्टाग्राम पेज को सामंथा के बारे में ऐसा लिखने पर अपनी

10 साल फिल्मों से दूर रहने पर जेनेलिया ने तोड़ी चुप्पी

बोलीं- 'रितेश नहीं होते तो और भी टाइम लग जाता'

अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख का कहना है कि फिल्मी जगत से उनके एक दशक लंबे विराम ने उनकी हाल में रिलीज हुई फिल्म 'वेड' में श्रवणी का किरदार निभाने में मदद की. 'वेड' उनके पति-अभिनेता रितेश देशमुख के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है. जेनेलिया 'जय हो' और 'फोर्स 2' जैसी हिंदी फिल्मों में अतिथि भूमिका में दिखाई दीं थी. जेनेलिया की 2012 के तेलुगु शीर्षक 'ना इष्टम' के बाद से मराठी फिल्म 'वेड' में पूर्ण भूमिका है. जेनेलिया देशमुख ने बड़े पर्दे पर जबरदस्त वापसी की, बॉक्स ऑफिस पर उनकी फिल्म कमाल कर रही है. फिल्म 'वेड' ने 10 साल के अंतराल के बाद अभिनेत्री की फिल्मों में वापसी की है।

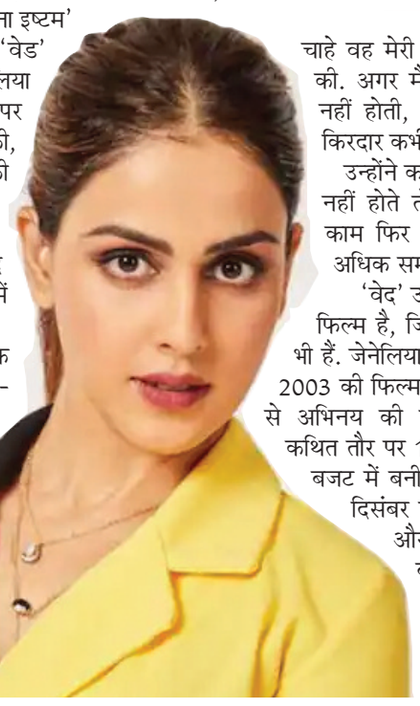

जेनेलिया ने यहां एक साक्षात्कार में पीटीआई-भाषा से कहा, "10 साल के विराम ने मुझे जीवन में अन्य काम करने का मौका दिया, एक गृहिणी बनने का, अपने पति और बच्चों के साथ समय बिताने का. आज, मुझे लगता है कि कुछ भी नियोजित नहीं था. लेकिन जब मैं इसे देखती हूं, तो यह एक गृहिणी का चरित्र भी है और मुझे इससे मदद मिली." उन्होंने कहा, "एक अभिनेत्री के रूप में, मैं जीवन से चीजें लेती हूं, चाहे वह मेरी हो या किसी और की. अगर मैं गृहिणी या पत्नी नहीं होती, तो मैं श्रवणी का किरदार कभी नहीं निभा पाती."

उन्होंने कहा कि अगर रितेश नहीं होते तो मुझे फिल्मों में काम फिर से शुरू करने में अधिक समय लगता.

'वेद' उनकी पहली मराठी फिल्म है, जिसकी वह निर्माता भी हैं. जेनेलिया ने रितेश के साथ 2003 की फिल्म 'तुझे मेरी कसम' से अभिनय की शुरुआत की थी. कथित तौर पर 15 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म 'वेद' 30 दिसंबर को रिलीज हुई थी और रिलीज होने के बाद से 30 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है।

'मस्तराम' की एक्ट्रेस बिकिनी में दिखाया कर्वी फिगर, अंदाज देख लोग बोले- टेंपरेचर बढ़ा दिया...

'मस्तराम' और 'गंदी बात' वेब सीरीज फेम आभा पॉल सोशल मीडिया पर अपने सेंसुअल अंदाज को लेकर खूब पॉपुलैरिटी बटोरती हैं. आभा पॉल के फैंस हर दिन एक्ट्रेस की बोल्ड और सेक्सी तस्वीरें और वीडियो देखने के लिए बेताब रहते हैं. आभा पॉल भी कभी बिकिनी तो कभी टाइट आउटफिट्स में अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं. एक बार फिर से आभा पॉल अपनी हॉटनेस के कारण इंटरनेट पर छा गई हैं. एक्ट्रेस की बोल्ड बिकिनी तस्वीरों के देख नेटीजन्स पसीने-पसीने हुए जा रहे हैं. 'गंदी बात' फेम आभा पॉल का नाम उन बोल्ड एक्ट्रेसेस में शुमार हैं जो बिना झिझके कमाल के सिजलिंग सीन्स कैमरे के सामने देती हैं. आभा पॉल सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं और अपनी बोल्डनेस से तहलका मचाती रहती हैं. आभा पॉल की यह बिकिनी फोटोज एक बार फिर से सोशल मीडिया पर खूब वायरल होने लगी हैं. आभा पॉल की व्हाइट पर बटरफ्लाई प्रिंट बिकिनी ने नेटीजन्स के पसीने छुड़ा दिए हैं. आभा इन फोटोज में बेझिझक अपने ब्रेस्ट पर बने टैटू को फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं. 'गंदी बात' वेब सीरीज में आभा पॉल ने लोलिता भाभी का किरदरा निभाया था. एक्ट्रेस का यह किरदार बहुत फेमस हुआ था. आभा पॉल को उनके फैंस आज भी लोलिता भाभी के नाम से पुकारना पसंद करते हैं. आभा पॉल अपनी बोल्डनेस के कारण इंटरनेट सेंसेशन बन गई हैं. आभा पॉल की सोशल मीडिया पर लाखों की फैन-फॉलोइंग है. आभा पॉल ने 'मस्तराम', 'ट्रिपल एक्स' और 'गंदी बात' जैसी कई बोल्ड वेब सीरीज में काम किया है।

'भगवा बिकिनी' विवाद में कूदे खेसारी लाल

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान और अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की एक्शन फिल्म 'पठान' का दमदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर आने के बाद से ही एक बार फिर 'पठान' ट्विटर पर ट्रेंड कर रहा है। 'पठान' फिल्म के रिलीज होने का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं, कुछ लोग इस फिल्म पर आपत्ति भी जता रहे हैं, जिसकी वजह है इस फिल्म का गाना 'बेशरम रंग।' जब से यह गाना रिलीज हुआ है, तब से ही इसपर विवाद गहराता जा रहा है। लोग दीपिका की भगवा बिकिनी को लेकर अपना विरोध जता रहे हैं। वहीं, कई सेलेब्स इसके समर्थन में भी आए हैं। अब इस लिस्ट में भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव का भी नाम शामिल हो गया है। खेसारी लाल ने भी 'बेशरम रंग' गाने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

दरअसल, खेसारी लाल यादव ने हाल ही में एक इवेंट में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान खेसारी से 'बेशरम रंग' गाने के बारे में सवाल पूछा गया। इस पर खेसारी लाल ने जवाब देते हुए कहा कि संगीत का कोई रंग नहीं होता है। संगीत की कोई जाति नहीं होती है। कला का कोई मजहब नहीं होता है। हम लोग ऐसे कलाकार हैं। हमारा कोई आकार नहीं है। हम, सभी के दिल में रहते हैं। हम, सभी जाति के हैं। हम, सब धर्म के हैं। हम सब देश के हैं। हां कुछ चीजें हैं, गलत हमने भी किया है। शुरुआती समय में जब हमें समझ नहीं थी तो हमने भी गलत किया है।

'पठान' के 'भगवा बिकिनी' विवाद पर खेसारी लाल यादव से पहले भोजपुरी के कई सितारों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं, जिनमें अभिनेत्री यामिनी सिंह, विक्रांत सिंह राजपूत और रानी चटर्जी जैसे कई भोजपुरी स्टार्स शामिल हैं। इन सभी सितारों ने भी 'पठान' का समर्थन किया था और इस विवाद को बेवजह का विवाद भी बताया था। इसके साथ ही भोजपुरी की कई अभिनेत्रियां इस फिल्म के गाने 'बेशरम रंग' पर रील भी बना चुकी हैं। इनमें भोजपुरी अभिनेत्री पूनम दुबे, रक्षा गुप्ता शामिल हैं।

कार्तिक आर्यन को शहजादा के सेट पर लगी चोट, फैंस बोले- लोग घुंघरू तोड़ते हैं, आपने घुटने ही तोड़ लिए

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन अपनी अपकमिंग फिल्म शहजादा की शूटिंग के दौरान एक छोटे से हादसे का शिकार हो गए हैं, जिसकी वजह से 'भूल भुलैया 2' स्टार कार्तिक आर्यन के घुटने में चोट आई है। इस मामले की जानकारी खुद कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर कर दी है।

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपने न्यू ईयर वेकेशन से लौटने के बाद अपकमिंग फिल्म शहजादा के एक गाने की शूटिंग में बिजी हैं। इसी बीच कुछ घंटों पहले एक्टर ने अपनी एक फोटो इंस्टाग्राम में शेयर की, जिसमें उन्होंने बर्फ से भरे एक टब में अपना पैर डाला हुआ है और हाथ में भी बर्फ पकड़ी हुई है। इस फोटो में कार्तिक अपने घुटने की सिकाई करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके पैरों पर ब्लू पैचेस साफ तौर पर देखे जा सकते हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए कार्तिक आर्यन ने कैप्शन में लिखा, 'घुटने टूट गए। आइस बकेट चैलेंज अब 2023 में फिर से स्टार्ट होगा।

कार्तिक आर्यन की इन तस्वीरों को देखने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'अरे कार्तिक आर्यन आप क्या करते रहते हो, आप अपना ध्यान रखिये'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'लोग घुंघरू तोड़ते हैं, शहजादा ने घुटने ही तोड़ लिए हैं'। और इसी के साथ कार्तिक के फैंस उनके जल्द ठीक की होने की कामना कर रहे हैं।

कार्तिक आर्यन की फिल्मों की बात करें तो वह लुका-छुपी के बाद दूसरी बार फिल्म 'शहजादा' में कृति सेनन के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कार्तिक आर्यन इस फिल्म के साथ ही बॉलीवुड में बतौर प्रोड्यूसर भी अपना एक नया सफर शुरू करने जा रहे हैं। कार्तिक की इस एक्शन पैकेज थ्रिलर फिल्म का फैंस बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कृति सेनन और कार्तिक स्टारर ये फिल्म 10 फरवरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शहनाज़ गिल और गुरु रंधावा के बीच बढ़ रही हैं नजदीकियां! इश्क की खुशबू महकने लगी?

शहनाज गिल और गुरु रंधावा के प्यार के चर्चे इन दिनों हर जुबान पर हैं. इन दिनों दोनों के कई वीडियो सामने आ रहे हैं जिसके बाद से लोगों ने इनके बीच बढ़ती हुईं नजदीकियों को लेकर बात होने लगी हैं. शहनाज के पास अभी कई सारे प्रोजेक्ट्स हैं. वे कई वीडियो सॉन्ग शूट कर ही हैं. उसके बाद उनका एक टीवी शो देसी वाइब्स भी आया है. वे सलमान खान की फिल्म में भी नज़र आने वाली हैं. कुल मिलाकर कहें तो शहनाज़ के पास अभी सांस लेने की भी फुरसत नहीं है. फिलहाल वे पंजाब के मशहूर सिंगर गुरु रंधावा के साथ म्यूजिक वीडियो 'मून राइज' की शूटिंग में बिजी हैं.

इस वीडियो में दिखाया है कि जैसे ही डायरेक्टर एक्शन बोलते हैं शहनाज समंदर किनारे भागने लगती हैं उनके पीछे उन्हें पकड़ने के लिए गुरु भागते हैं. लेकिन इसी बीच शहनाज गिर जाती हैं और गुरु उन्हें उठाने के लिए हाथ आगे बढ़ाते हैं. हालांकि शहनाज़ के गिर जाने के बाद उन्हें ये सीन री-शूट करना पड़ता है. दरअसल आजकल गुरु रंधावा और शहनाज गिल को अक्सर साथ देखा जाता है. यूजर्स ने गुरु रंधावा और शहनाज की केमेस्ट्री की तारीफ भी की है. वहीं कुछ लोग दोनों के बीच बढ़ती नजदीकियों को रिलेशनशिप का नाम भी दे रहे हैं, लेकिन एक्ट्रेस इस तरह की अफवाहों को पूरी तरह से नकार दिया है।

इन भारतीय फिल्मों ने ऑस्कर नॉमिनेशन लिस्ट में बनाई जगह, बॉलीवुड ने मारी बाजी

ऑस्कर 2023 ने अपनी नॉमिनेशन लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें भारत की कुछ बेहतरीन फिल्मों को नॉमिनेट किया गया है। इस लिस्ट में ऐसी फिल्में हैं, जो आधिकारिक तौर पर अलग-अलग जॉनर में एक दूसरे को टक्कर दे सकती हैं, लेकिन केवल इस लिस्ट में शामिल होने से यह गारंटी नहीं मिलती है कि फिल्म अकादमी पुरस्कारों के आखिरी लिस्ट का भी हिस्सा बनेगी। बता दें कि अंतिम लिस्ट की घोषणा 24 जनवरी को की जाएगी। हाल ही में, एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने ऑस्कर के लिए योग्य 301 फीचर फिल्मों की सूची जारी की है और इस लिस्ट में भारतीय फिल्मों ने भी अपनी जगह बनाई है। लिस्ट में एसएस राजामौली की 'आरआरआर', संजय लीला भंसाली की 'गंगूबाई काठियावाड़ी', विवेक अग्निहोत्री की 'द कश्मीर फाइल्स' और ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा' शामिल हैं। यही नहीं, इस लिस्ट में गुजराती फिल्म 'छेल्लो शो' ने भी अपनी जगह बनाई है।

पिछले कुछ वर्षों से ऑस्कर नॉमिनेशन के साथ भारत का लंबा इतिहास रहा है। कुछ भारतीय फिल्में जैसे कूझंगल, जल्लीकट्टू, गली बॉय, विलेज रॉकस्टार्स, न्यूटन, विसरनानी ये सभी ऑस्कर शॉर्टलिस्ट में असफल रही हैं। भारत की तरफ से भेजी जाने वाली फिल्मों में से अब तक सिर्फ तीन फिल्में 'मदर इंडिया', 'सलाम बॉम्बे' और 'लगान' ही ऑस्कर की सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म की कैटेगरी में नामित होने में यानी अंतिम पांच फिल्मों में जगह बना पाने में कामयाब हो सकी हैं।

आपको बता दें कि अकादमी अवार्ड, जो ऑस्कर अवार्ड के नाम से लोकप्रिय, एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है, जिसे फिल्म इंटस्ट्री में कलात्मक व्यक्तित्वों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है। यह एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा हर साल आयोजित किया जाता है। इस बार 95वां एकेडमी अवॉर्ड्स का आयोजन 12 मार्च, 2023 को लॉस एंजेलिस के डॉली थिएटर में होगा। टीवी स्टार जिमी किमेल इस साल ऑस्कर को होस्ट करेंगे।

अभिनेता अनुपम खेर ने भी इसपर रिएक्शन देते हुए कहा, 'फिल्म की शॉर्टलिस्टिंग से मैं बेहद खुश हूं। कश्मीरी फाइल्स एक विशेष फिल्म है क्योंकि यह उस नरसंहार के बारे में बात करती है जो 32 साल पहले हुआ था और आज तक किसी ने भी इस घटना के बारे में बात नहीं की।' वहीं विवेक अग्निहोत्री ने ट्विट कर कहा, 'द कश्मीर फाइल्स को ऑस्कर 2023 की पहली लिस्ट में शॉर्टलिस्ट किया गया है। यह भारत की पांच फिल्मों में से एक है। मैं उन सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। भारतीय सिनेमा के लिए एक महान वर्ष है।'

नए साल से बदल जाएगी जिंदगी, इस बार जरूर लें ये पांच महत्वपूर्ण संकल्प

साल 2023 आ गया है। साल की शुरुआत उत्साह और उमंग के साथ होती है। लोग उम्मीद करते हैं कि आने वाला साल गुड लक लेकर आएगा। साल 2023 से भी यही उम्मीद है कि नया साल जीवन में कई अच्छे बदलाव करेगा। खुशियां और उन्नति मिलेगी। हालांकि कैलेंडर और तारीख बदलने से जीवन में बदलाव नहीं होता। खुशियों और कामयाबी के लिए आपको मेहनत करना पड़ती है। साथ ही कुछ अच्छे बदलाव लाने होते हैं। जीवन में बदलाव के लिए दृढ़ संकल्प कर सकते हैं। नए साल का कुछ संकल्प करें। यह संकल्प हर कदम पर आपको अपने लक्ष्य

को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। बड़ों से लेकर बच्चों तक को नए साल के रेज्युलेशन लेने चाहिए। ये संकल्प बुरी बातों को दूर करने और नए लक्ष्यों को पाने के लिए प्रोत्साहित करने का काम करते हैं। ये रहे नए साल के संकल्प, जो बदल सकते हैं आपकी जिंदगी।

लक्ष्य पूरा करने का संकल्प

नए साल पर अपने लिए लक्ष्य निर्धारित कर लें। छात्र हों या नौकरीपेशा सभी के लिए कोई न कोई लक्ष्य होना जरूरी होता है। भविष्य को बेहतर बनाने के लिए क्या कर सकते हैं और किस दिशा में प्रयास करना है, इन सब का निर्धारण करने के बाद उसे पूरा करने का संकल्प ले लें। आपका संकल्प हमेशा लक्ष्य को पूरा करने की याद दिलाता रहेगा।

सेहत पर संकल्प

सुखी जीवन के लिए स्वस्थ शरीर का होना भी जरूरी है। अच्छी सेहत होने पर आप खुश भी रहेंगे और तनाव कम होगा। इससे जीवन में तरक्की भी हासिल करेंगे। नए साल के मौके पर खुद को स्वस्थ रखने का संकल्प करें। वजन बढ़ा हुआ है तो उसे कम करने का संकल्प करें। वहीं अगर डायबिटीज या अन्य किसी शारीरिक समस्या से परेशान हैं तो उसे भी दूर करने का प्रयास करने का संकल्प कर सकते हैं। फिट रहने का संकल्प नए साल में आपके जीवन में बदलाव ला सकता है।

बचत

नया साल 2023 सुरक्षित और आरामदायक बने, इसके लिए जरूरी है कि बचत करने का संकल्प करें। भविष्य को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है कि जरूरत पर आपके पास पैसा हो। इसलिए फिजूल खर्ची से बचें और पैसों को बचाने का प्रयास करें।

रिश्ते

नए साल में परिवार और रिश्तों को अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लें। सुखी जीवन के लिए स्वस्थ मन होना भी जरूरी है। इसके लिए रिश्ते में किसी तरह की परेशानियां न आएं, इस बात का ध्यान रखना चाहिए। ऐसा रिश्ते को मजबूत और तनावपूर्ण बनाने से ही संभव हो सकता है। रिश्ते में जिन गलतियों को करने के कारण विवाद होते हैं, उन्हें नए साल से छोड़ने का संकल्प करें।

रिटायरमेंट प्लान का संकल्प

लोगों को अपने भविष्य के लिए पहले से कुछ योजनाएं बना लेनी चाहिए। नौकरीपेशा लोगों को अपने रिटायरमेंट के लिए भी बचत के बारे में सोचना चाहिए। इसलिए वर्ष 2023 में रिटायरमेंट प्लान का संकल्प लें और इस संकल्प को पूरा करने के लिए हर महीने अपनी आय का कुछ हिस्सा बचत में डालें। ऐसा करने से वृद्ध होने पर परेशानी नहीं होगी।

मकर संक्रांति पर क्यों पहनते हैं काले कपड़े? रंग का त्योहार से नाता

इस वर्ष मकर संक्रांति 23 जनवरी 2023 को मनाई जा रही है। मकर संक्रांति के दिन लोग गंगा स्नान के बाद दान आदि करते हैं। फिर खिचड़ी व तिल और गुड़ के लड्डू का भोग लगाते हैं और कुछ जगहों पर पतंगबाजी भी होती है। इस मौके पर परिवार और रिश्तेदार मिलते हैं और पर्व को एक साथ मिलकर उत्साह से मनाते हैं। पर्व को खास बनाने के

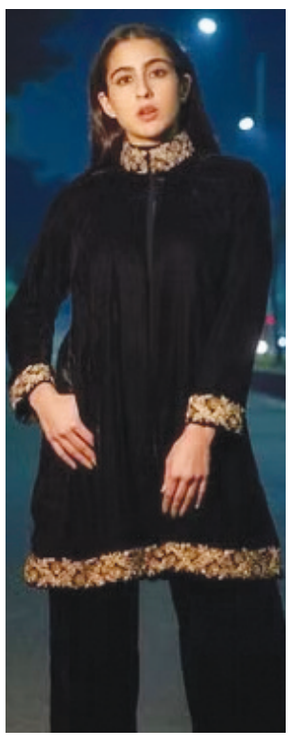

लिए महिलाएं साज श्रृंगार करती हैं। वैसे तो भारतीय रीति रिवाज के मुताबिक किसी भी हिंदू पर्व में काले रंग की चीजों का उपयोग अधिकतर वर्जित होता है लेकिन मकर संक्रांति के मौके पर कई लोग काल रंग के कपड़े पहनते हैं।

मकर संक्रांति पर काले रंग के परिधान पहनना शुभ माना जाता है। लेकिन जिस हिंदू धर्म में त्योहार पर काला रंग अशुभ माना जाता है, वहीं मकर संक्रांति पर काले रंग के कपड़े क्यों पहने जाते हैं।

मकर संक्रांति पर काले रंग के कपड़े पहनें

मकर संक्रांति पर काले रंग के कपड़े पहनने की परंपरा है। वैसे यह परंपरा पूरे भारत में नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र राज्य में मकर संक्रांति का पर्व मनाने वाले लोग काले कपड़े पहनते हैं। देश के बाकी शहरों में रंग बिरंगे कपड़े और अधिकतर पीले रंग के वस्त्र पहने जाते हैं।

संक्रांति पर काले कपड़े पहनने की वजह

मान्यताओं के मुताबिक मकर संक्रांति के दिन सूर्य उत्तर दिशा में प्रवेश करता है। इसलिए माना जाता है कि इस दिन से सर्दियों का मौसम खत्म होने लगता है और पतझड़ शुरू हो जाता है। इसके पहले तक मौसम के सबसे सर्द दिन होते हैं। ऐसे में विज्ञान के मुताबिक काले रंग के कपड़े सर्दी से बचाव करने में उपयोगी माने जाते हैं। इसलिए लोग मकर संक्रांति को काल रंग के परिधान पहनते हैं।

मकर संक्रांति के मौके पर आप पारंपरिक परिधानों से खुद को स्टाइल कर सकती हैं। सलवार कुर्ती, कुर्ता और स्कर्ट या साड़ी पहन सकती हैं। सर्दियों वाली कुर्ती के साथ पैंट या प्लाजो भी पेयर कर सकती हैं।

लड़की को पहली डेट पर ले जाते समय न करें ये गलतियां

नए दौर में लड़का और लड़की किसी रिश्ते में बंधने से पहले एक दूसरे को समझने के चरण में होते हैं। वह एक दूसरे के साथ वक्त बिताकर पहले ये जानने का प्रयास करते हैं कि क्या शख्स उनका पार्टनर बनने योग्य है। चाहें रिलेशनशिप में आना हो या शादी का फैसला करना हो, पहले लड़का और लड़की डेट पर जाते हैं और एक दूसरे को समझते हैं। अपनी पहली डेट को लेकर हर कपल उत्साहित

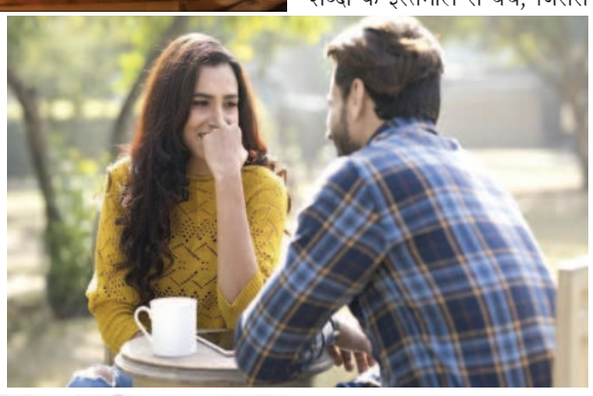

रहता है। वह चाहते हैं कि पहली डेट पर पार्टनर को इम्प्रेस कर सकें, ताकि रिश्ता दूसरे चरण पर जाए। हालांकि इस उत्साह के कारण कभी कभार हड़बड़ाहट या जल्दबाजी में उनसे कुछ गलतियां भी हो जाती हैं। जाने-अनजाने में की गई गलतियों के कारण पहली डेट के आखिरी डेट में तब्दील होने की संभावना भी बढ़ जाती है और पार्टनर आपसे दोबारा मिलना पसंद नहीं करता। डेट को लेकर लड़कों को अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है। अगर आप किसी लड़की के साथ पहली बार डेट पर जा रहे हैं तो कुछ सामान्य गलतियों से बचें, ताकि लड़की आपसे दोबारा मिलने की इच्छा रखे और दूसरी डेट के लिए झट से मान जाए।

गलत जगह का चयन

पहली बार किसी लड़की को डेट पर ले जा रहे हैं तो उन्हें सहज महसूस कराएं। इसके लिए जरूरी है कि डेट के लिए सही जगह का चयन करें। पहली डेट के लिए लड़की को किसी सुनसान या ऐसी जगह पर न ले जाएं, जहां वह असहज महसूस करें। बहुत अधिक भीड़ भाड़ या बिल्कुल खाली जगह से बेहतर है कि किसी कम भीड़ भाड़ वाले कैफे या रेस्तरां में जाएं, ताकि आराम से एक दूसरे से बात कर सकें।

गलत शब्दों में बातचीत करना

लड़के अक्सर अपशब्दों का उपयोग करते हैं। दोस्तों या करीबियों से जिस लहजे में बात करते हैं, उस लहजे में पहली ही डेट पर बात न करें। जैसे हैं, वैसे ही रहने की कोशिश करें लेकिन बातों में ऐसे शब्दों के इस्तेमाल से बचें, जिससे लड़की के सामने आप का इंप्रेशन खराब हो जाए। सम्मान पूर्वक बात करें। गलत बातें करने से बचें। पहली ही डेट पर लड़की से ऐसा कुछ न पूछें जो उन्हें असहज कर दे।

दिखावा करना

पहली डेट पर लड़की को इम्प्रेस करने के चक्कर में दिखावा न करें। शेखी बघारने या दिखावा करने से वह आपसे दूरी बना सकती हैं। उनके सामने सच्चे रहें। आपकी बातों से यह बिल्कुल भी महसूस न हो कि आप किसी तरह का दिखावा कर रहे हैं।

लड़की की पसंद को समझें

डेट पर लोग पार्टनर को इम्प्रेस करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं लेकिन इस चक्कर में वह पार्टनर की पसंद नापसंद के बारे में भूल जाते हैं। आपने पहली डेट पर लड़की के लिए बहुत कुछ प्लान किया होगा लेकिन इस योजना में उनकी राय को शामिल करें। जैसे आप अगर डेट पर फिल्म देखना चाहते हैं तो लड़की की पसंद पूछें। उनके लिए कुछ ऑर्डर कर रहे हैं तो पहले उन से राय लें।

वर्ष 2023 में जीवनसाथी से करें ये वादे, रिश्ते में बना रहेगा हमेशा प्यार

बीता साल आपके लिए अच्छा रहा या बुरा, इसका आकलन तो खुद ही करना होगा। लेकिन साल 2023 अच्छा रहे, इसके लिए कुछ प्रयास अभी से करने होंगे। नया साल आ गया है। साल 2023 अपने साथ नई उम्मीदें, आशाएं और सपने लेकर आएगा। साल अच्छा बनाने की शुरुआत आपको घर से ही करनी होगी। यानी अगर आप अपने परिवार के साथ खुश होंगे, तो जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी चिंता कम हो जाएगी। नए साल के लिए आप कुछ न कुछ करियर गोल्स सेट करते हैं। लेकिन महज करियर प्लानिंग से जीवन खुशहाल नहीं हो सकता है। साल के हर दिन आपके साथ रहने वाले पार्टनर का खुश होना भी जरूरी है। इसलिए अगर किसी रिलेशनशिप में हैं या शादीशुदा है तो प्रयास करें कि आपके रिश्ते में मनमुटाव व दिक्कते न आएं। नए साल की शुरुआत पिछले सालों की बुरी यादों को भुलाकर नए तरीके से करें।

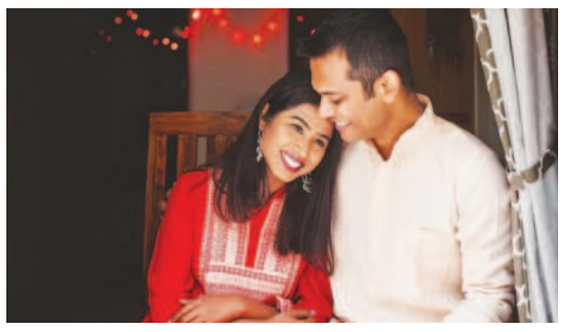

बातचीत नहीं करेंगे बंद

रिलेशनशिप में गुस्सा, नाराजगी या मनमुटाव होना लाजमी है। कहते हैं, 'जहां प्यार होता है, वहीं तकरार होती है।' लेकिन जब यह तकरार बहुत बढ़ जाती है तो रिश्ता खराब होने लगता है। इसकी वजह होती है, एक दूसरे से दूरी। जब किसी बात पर कपल एक दूसरे से गुस्सा हो जाते हैं और अपने मनमुटावों को दूर नहीं करते तो नाराजगी बढ़ती चली जाती है। इसलिए चाहें कितनी भी नाराजगी क्यों न हो, रिश्ते में ईगो को नहीं आने देंगे। अपने पार्टनर से वादा करें कि झगड़े के बाद भी बातचीत बंद नहीं करेंगे, बल्कि मिलकर समस्या का समाधान निकालेंगे।

हफ्ते में एक दिन होगा खास

कामकाज के बीच अक्सर लोग इतने व्यस्त हो जाते हैं कि पार्टनर के लिए वक्त नहीं निकाल पाते। सुबह हड़बड़ी में दफ्तर जाने की जल्दी और फिर शाम में थक कर घर आने पर आराम करने तक, कई बार लोग अपने पार्टनर को नजरअंदाज कर जाते हैं। जब कपल के पास एक दूसरे के लिए वक्त नहीं होता, तो वह रिश्ते में अकेलापन और बोरियत को महसूस करने लगते हैं। इसलिए नए साल पर वादा करें कि चाहे जितनी व्यस्तता हो लेकिन हफ्ते में एक दिन पार्टनर को वक्त देंगे। शाम को कहीं घूमने जा सकते हैं या घर पर ही एक दूसरे के साथ वक्त बिता सकते हैं लेकिन वह कुछ घंटे सिर्फ कपल के होंगे।

झूठ को नहीं आने देंगे पास

किसी भी रिश्ते की नींव विश्वास पर टिकी होती है। जब पार्टनर भरोसे को तोड़ता है तो रिश्ता भी टूटने की कगार पर आ सकता है। इसलिए एक दूसरे से वादा करें कि आप पूरा प्रयास करेंगे कि रिश्ते में झूठ न आए। आप अपने पार्टनर से कभी झूठ नहीं बोलेंगे और उम्मीद करेंगे कि वह भी आपसे झूठ न कहे। अगर कोई बात बताने लायक नहीं होगी तो एक दूसरे पर उसे जाहिर करने का दबाव भी नहीं डालेंगे ताकि झूठ बोलने की नौबत न आए। समय आने पर खुद ही आप पार्टनर से सच बात कह देंगे।

रिश्ते में होगा साथ और सम्मान

हर कपल को एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। कपल एकदूसरे से वादा कर सकते हैं कि पार्टनर के काम, लुक या अन्य किसी बात पर खुद से कमतर नहीं समझेंगे। वह हमेशा पार्टनर का साथ देंगे और सम्मान करेंगे। शादीशुदा लोग सम्मान के साथ ही एक दूसरे के परिवार को सम्मान देने का भी वादा कर सकते हैं। यह वादा करें कि आप उनके परिवार को अपने परिवार की तरह समझेंगे और यही आशा उनसे भी रखेंगे।

लंबे समय तक बैठे रहना आपको डेमेंशिया का बना सकता है शिकार

ज्यादा देर तक बैठे रहने की आदत को स्वास्थ्य विशेषज्ञ कई प्रकार से संपूर्ण सेहत के लिए नुकसानदायक मानते हैं। शारीरिक निष्क्रियता बढ़ाने वाली यह आदत न सिर्फ वजन बढ़ने का कारण बनती है साथ ही इसका रक्तचाप पर भी नकारात्मक असर देखा गया है। यही कारण कि विशेषज्ञ सभी लोगों, विशेषकर ऑफिस में काम करने वालों को थोड़ी-थोड़ी देर पर सीट से उठकर वॉक करने की सलाह देते हैं।

लॉग सिटिंग के कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं, हाल ही में किए गए एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इसके मानसिक स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों को लेकर लोगों को सावधान किया है।

वैज्ञानिकों ने पाया कि 7-8 घंटे तक लगातार बैठे रहने की आदत समय के साथ मस्तिष्क के नई चीजों को संग्रहित करने की क्षमता को कमजोर कर सकती है, इसका याददाश्त पर भी असर हो सकता है। लंबे समय तक बैठे रहने वाले लोग वीक मेमेरी के शिकार पाए गए हैं। शोधकर्ताओं का कहना है, ऑफिस में लंबे समय तक बैठकर काम करने की आदत काफी आम हो गई है, इसके दुष्प्रभावों को लेकर सभी लोगों को सावधान रहने की आवश्यकता है।

लॉन्ग सिटिंग का मस्तिष्क पर असर

लॉन्ग सिटिंग किस प्रकार से शरीर और मस्तिष्क को प्रभावित करती है, इस बारे में जानने के लिए सेमल इंस्टीट्यूट फॉर न्यूरोसाइंस एंड ह्यूमन बिहेवियर के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन किया। इसके लिए 45-75 की आयु वाले 35 प्रतिभागियों को शा मि ल किया गया। इन लोगों से उनकी शारीरिक गतिविधि और दिन में कितने घंटे बैठे रहते हैं, इस बारे में पूछा गया।

इस तरह की आदत का मस्तिष्क पर किस प्रकार का प्रभाव होता है, इसे जानने के लिए प्रतिभागियों का एमआरआई स्कैन किया गया। कई स्तर पर किए गए विश्लेषण में वैज्ञानिकों को कई चौंकाने वाली बातें पता चलीं।

अध्ययन में क्या पता चला?

प्लसवन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन की रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय तक बैठे रहने वाले लोगों के मस्तिष्क का हि स्सा (टेम्पोरल लोब) समय के साथ प्रभावित हो सकता है। यह स्थिति मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में म स्ति ष्क की कार्यक्षमता को प्रभावित करने के साथ डेमेंशिया के जोखिम को भी बढ़ा सकती है। डेमेंशिया दिमाग की बनावट में बदलावों के परिणामस्वरूप होने वाली समस्या है जिससे स्मृति, सोच तथा मनोभाव पर असर हो सकता है।

शोधकर्ताओं ने विश्लेषण में बताया, एक व्यक्ति जो दिन में 8 घंटे बैठा रहता है, उसके मस्तिष्क का हिस्सा (टेम्पोरल लोब) 4-5 घंटे तक बैठने वाले व्यक्ति की तुलना में 10 प्रतिशत पतला हो सकता है। टेम्पोरल लोब मस्तिष्क का वह हिस्सा है, जो यादों और ध्वनियों के लिए जिम्मेदार होता है।

शोध का निष्कर्ष

अध्ययन के प्रमुख लेखक प्रभा सिद्धार्थ बताते हैं, हमने पाया है कि अगर आप व्यायाम भी करते हैं और लंबे समय तक बैठने की आदत है तो भी इस तरह के दुष्प्रभावों के शिकार हो सकते हैं। अगर आपको दिन में 8 घंटे ऑफिस में काम करना होता है तो कोशिश करें कि बैठने की बजाय ज्यादा देर खड़े होकर काम करें। इससे रक्त संचार को बेहतर बनाए रखने में मदद मिलती है और मस्तिष्क के साथ अन्य शरीरिक दुष्प्रभावों को भी कम किया जा सकता है। थोड़ी-थोड़ी देर पर सीट से उठकर वॉक करने की आदत बनाएं। स्टैंडिंग वर्किंग स्टेशन एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

आईटी क्षेत्र के लिए सरकार लाएगी पीएलआई स्कीम

हैदराबाद में बोले आईटी राज्यमंत्री

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार सूचना प्रौद्योगिकी सर्वर व आईटी हार्डवेयर सेक्टर के लिए जल्द ही 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन'(प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव-पीएलआई) योजना लेकर आएगी। चंद्रशेखर ने हैदराबाद में आयोजित 'वीएलएसआई डिजाइन सम्मेलन 2023' को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि भारतीयों की विकसित बौद्धिक संपदा को अपने उत्पादों में आत्मसात करने वाले

विनिर्माताओं के लिए भी सरकार अलग से प्रोत्साहन देगी। उन्होंने कहा कि सरकार फ्यूचर डिजाइन कार्यक्रम की घोषणा पहले ही कर चुकी है जिसमें स्टार्टअप कंपनियों में 20 करोड़ डॉलर के निवेश का प्रावधान है। भारत में अगली पीढ़ी के एप्लिकेशन के लिए बौद्धिक संपदा (आईपी), टूल्स या उपकरणों के डिजाइन में लगी स्टार्टअप कंपनियां इससे लाभान्वित होंगी। चंद्रशेखर ने कहा, ''हमारा मत है कि वर्ष 2024 तक भारत सेमीकंडक्टर चिप के विनिर्माण में कदम रख चुका होगा जिससे अधिक नवाचारी पारिस्थितिकी व घरेलू डिजाइन को प्रोत्साहन मिलेगा। हम स्टार्टअप को वैश्विक दिग्गज कंपनियों के साथ मिलकर आईपी और उपकरणों के विकास के लिए बढ़ावा दे रहे हैं।''उन्होंने कहा कि इन उपकरणों और नवोन्मेषी पारिस्थितिकी को बाजार से पूरी मदद सुनिश्चित करने के लिए सरकार जल्द ही आईटी सर्वर और आईटी हार्डवेयर के लिए एक पीएलआई योजना लेकर आएगी। यह मोबाइल फोन क्षेत्र की पीएलआई योजना की ही तर्ज पर होगी। चंद्रशेखर ने कहा, ''आईटी क्षेत्र की पीएलआई योजना में हम उन विनिर्माताओं एवं मौलिक उपकरण विनिर्माताओं को अतिरिक्त प्रोत्साहन देंगे जो भारतीय के डिजाइन किए गए आईपी समाधानों को अपनी प्रणालियों और उपकरणों में लागू करेंगे।''

180 अरब डॉलर गंवाने वाले दुनिया के पहले शख्स बने एलन मस्क

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)। टेस्ला के शेयर में भारी गिरावट के बाद उसके प्रमुख एलन मस्क के संपत्ति में बड़ी सेंध लगी है।टेसला के शेयर में इस गिरावट के बाद निजी संपत्ति गंवाने के मामले में एलन मस्क ने विश्व रिकॉर्ड बना डाला है जिसके बाद उनका नाम गिनिज वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हो गया है।एलन मस्क ने बीते एक साल में 180 अरब डॉलर की संपत्ति गंवाई है।फोर्ब्स मैगजीन के मुताबिक 2021 में एलन मस्क की संपत्ति 320 अरब डॉलर की हुआ करती थी जो जनवरी 2023 में घटकर केवल 138 अरब डॉलर रह गई।इतने कम समय में संपत्ति गंवाने के मामले में एलन मस्क ने 22 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

अब तक ये रिकॉर्ड जापान के टेक निवेशक मासायोशी सॉन के नाम था जिन्होंने 58.6 अरब डॉलर की संपत्ति 2000 में गंवाई थी।लेकिन अब एलन मस्क ने ये रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। हाल ही में आए एक रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क ने 200 अरब डॉलर की संपत्ति गंवाया है और ये पहला मौका है जब किसी व्यक्ति ने 200 अरब डॉलर की संपत्ति गंवा दी।एलन मस्क की संपत्ति में ऐसी गिरावट आई कि उन्होंने दुनिया के सबसे अमीर शख्स होने का स्टेटस भी गंवा दिया।फ्रांस के लग्जरी ब्रांड लुई वुइटन के प्रमोटर बर्नाड अरनॉल्ट ने मस्क को पीछे छेड़ दिया।बर्नाड अरनॉल्ट की संपत्ति 190 अरब डॉलर है।एलन मस्क दुनिया के अमीरों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं।एलन मस्क ने दुनिया के दूसरे सबसे अमीर होने का तमगा भी छिनने के कगार पर है।

गुवाहाटी में जियो ट्रू 5जी लॉन्च, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने किया उद्घाटन

गुवाहाटी, 10 जनवरी (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी में आयोजित एक खास कार्यक्रम में जियो ट्रू 5जी सेवाओं का शुभारंभ किया। गुवाहाटी के साथ साथ रिलायंस जियो ने माँ कामाख्या मंदिर परिसर में अपनी ट्रू 5जी वाई-फाई सेवाओं को भी लॉन्च किया। इसके अलावा 4 राज्यों के 7 अन्य शहर भी जियो नेटवर्क से जुड़ गए। कर्नाटक के तीन शहर हुबली-धारवाड़, मैंगलोर और बेलगाम, केरल का चेरतला, तेलंगाना के वारंगल और करीमनगर के साथ महाराष्ट्र के सोलापुर में भी जियो ट्रू 5जी नेटवर्क लॉन्च कर दिया गया।

10 जनवरी से, गुवाहाटी समेत अन्य 4 राज्यों कर्नाटक (हुबली-धारवाड़, मैंगलोर, बेलगाम), केरल (चेरतला), तेलंगाना (वारंगल, करीमनगर) और महाराष्ट्र (सोलापुर) के 7 शहरों में जियो उपयोगकर्ताओं को जियो वेलकम ऑफर दिया जाएगा।

ब्रिटेन के उपग्रह लॉन्च करने के असफल प्रयास के बाद महिंद्रा ने की इसरो की सराहना

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)। महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने मंगलवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की सराहना की है। ब्रिटेन की ओर से अंतरिक्ष में उपग्रहों को लॉन्च करने के असफल प्रयासों के बाद महिंद्रा ग्रुप के मुखिया की ओर से यह प्रतिक्रिया आई है। महिंद्रा ने ट्वीट किया, मैं यह मानता हूं कि यह एक बहुत ही अलग प्रकार का कक्षीय प्रक्षेपण था। इस तरह के मामलों से हमें यह अहसास होता है कि हमें इसरो के लॉन्च रिकॉर्ड की कितनी सराहना करनी चाहिए। महिद्रा ने ये ट्विट ब्रिटेन के पहले सैटेलाइट लॉन्च की विफलता से जुड़ी खबरें सामने आने के बाद किया। बता दें कि सैटेलाइट लॉन्च करने वाला यूरोप का पहला देश बनने की ब्रिटेन की ख्वाहिशों को मंगलवार को झटका लगा जब वर्जिन ऑर्बिट ने जानकारी दी कि उसके रॉकेट में एक गड़बड़ी के कारण यह ऑर्बिट में नहीं पहुच पाया।

एमएसटीसी इस महीने 132 कोयला खदानों की नीलामी करेगा, जानें किन राज्यों में हैं ये कोल ब्लॉक्स?

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)। एमएसटीसी के सीएमडी सुरिंदर कुमार गुप्ता ने कहा है कि ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों में छठी किस्त के तहत इस महीने 132 कोयला खदानों की नीलामी की जाएगी। इस्पात मंत्रालय के तहत एमएसटीसी विभिन्न सामग्रियों और खनिजों तथा खानों की ई-नीलामी करता है। उन्होंने मीडिया को बताया कि यह नीलामी की छठी किस्त होगी जिसके तहत 132 कोयला और नौ लिग्नाइट खदानों सहित कुल 141 ब्लॉकों को बोली के लिए रखा जाएगा। सीएमडी ने स्पष्ट किया कि एमएसटीसी केवल कोयला खानों की सूची और कोयला मंत्रालय की ओर से प्रदान की गई प्रासंगिक अधिसूचनाओं के अनुसार नीलामी आयोजित करता है। इसके साथ ही उन्होंने बोलीदाताओं को बोली से संबंधित सभी अधिसूचनाओं को पढ़ने का सुझाव भी दिया है। उन्होंने कहा, एमएसटीसी किसी भी तरह से नीति निर्माण प्रक्रिया में शामिल नहीं है। कोयला मंत्रालय की ओर से प्रदान किए गए प्रावधान के अनुसार नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के 27.2.2020 के आदेश को नीलामी पोर्टल पर अपलोड किया गया है। सभी बोलीदाताओं को एनजीटी के आदेश सहित हमारे पोर्टल में अपलोड की गई सभी अधिसूचनाओं की जांच

करने का सुझाव दिया जाता है। गुप्ता ने कहा कि छठी किस्त में 133 खदानें हैं और पांचवीं किस्त की आठ बिना बिकी खदानों को भी इस दौर में जोड़ा गया है। एमएसटीसी की अधिसूचना के अनुसार छठी किस्त के तहत नीलाम की जाने वाली खदानें ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और महाराष्ट्र राज्यों में फैली हुई हैं। 141 ब्लॉकों में से 68 आंशिक रूप से खोजी गई खदानें हैं और शेष 73 खोजी गई खदानें हैं। पांचवें चरण में 109 खानों को नीलामी के लिए रखा गया था, जिनमें से केवल आठ की बिक्री हुई। पिछले महीने, केंद्रीय कोयला और खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा था कि नीलामी के चौथे दौर में ब्लॉक पर रखी गई 99 कोयला खानों में से केवल आठ ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है।

स्टॉक ऑप्शंस के हकदार नहीं पेटीएम सीईओ विजय शेखर, आईआईएएस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)। प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज के मुताबिक पेटीएम अपने संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय शेखर शर्मा को कर्मचारी स्टॉक विकल्प देने के लिए नियमों को दरकिनार कर सकती है। आईआईएएस ने शुक्रवार को एक नोट में कहा कि शर्मा को प्रमोटर के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है, लेकिन उनके पास बोर्ड में संभावित स्थायी सीट समेत कुछ वैसे ही अधिकार मिले हुए हैं। आईआईएएस ने कहा, 'इन प्रावधानों और ढांचों से विजय शेखर शर्मा को उसी तरह की छंटनी का मौका मिलता है, जैसा कि

प्रमोटर परिवारों को अधिक पारंपरिक कंपनियों में मिलता है। आईआईएएस ने कहा है कि नियामक को शर्मा के उस कदम की जांच करनी चाहिए, जिसमें उन्होंने इक्विटी को पारिवारिक ट्रस्ट में स्थानांतरित कर के अपनी प्रत्यक्ष हिस्सेदारी कम की है। ऐसा उन्होंने इसलिए किया ताकि वह ईएसओपी के लिए योग्य हो जाएं। फर्म का कहना है कि रेगुलेटर को इस कदम की जांच करनी चाहिए कि ऐसा किस नियम की वजह से किया गया? भारतीय कानून प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से फर्म के 10% से अधिक हिस्सेदारी रखने वाले प्रमोटरों और निदेशकों के लिए स्टॉक विकल्पों को प्रतिबंधित करता है। बता दें कि पेटीएम के आईपीओ की लिस्टिंग के बाद इसके शेयरों में भारती गिरावट दर्ज की गई है। एडवाइजरी फर्म ने पिछले साल विजय शेखर शर्मा को फिर 5 साल के लिए सीईओ बनाए जाने के प्रस्ताव पर पर भी सवाल खड़ा किया था। इस पद के लिए प्रस्तावित वेतन का भी विरोध किया गया था। आईआईएएस रिपोर्ट के जवाब में पेटीएम के प्रवक्ता ने मीडिया को बताया है कि कंपनी ने शर्मा को गैर-प्रमोटर के रूप में वर्गीकृत करने में लागू कानून के सभी प्रावधानों का पालन किया था। शेयरधारक अनुमोदन सहित ईएसओपी देने के लिए उचित प्रक्रिया का इस्तेमाल किया गया। प्रवक्ता ने कहा कि उनका पारिश्रमिक नवंबर 2020 और 2025 तक अपरिवर्तित रहा। शर्मा को मार्च 2022 को समाप्त वित्त वर्ष में 9 रुपये प्रति शेयर की दर से 2.1 करोड़ विकल्प दिए गए थे, जिसका मूल्य तब 50 करोड़ डॉलर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर अनुमान लगाया जाए तो इस हिसाब से 2023 में उन्हें करीब 796 करोड़ रुपये की सैलरी मिलेगी। आईआईएएस ने कहा कि पेटीएम का औपचारिक नाम वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड उन कई भारतीय स्टार्टअप में से एक है, जिसने अपने संस्थापकों को प्रमोटर के रूप में वर्गीकृत नहीं किया है।आईआईएएस ने कहा, 'ऐसा लगता है कि कई संस्थापक प्रवर्तक के समान अधिकारों और वित्तीय लाभों के बीच नियामकीय मध्यस्थता की भूमिका निभा रहे हैं। नियमों को इन संरचनाओं को पकड़ने की आवश्यकता है।

बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 700 अंक टूटा निवेशकों के तीन लाख करोड़ रुपये स्वाहा

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को फिर बड़ी गिरावट देखने को मिली। मंगलवार के कारोबारी सेशन में घरेलू सेंसेक्स में 700 से अधिक अंकों की गिरावट देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी ट्रेडिंग सेशन के दौरान 17900 के नीचे फिसलता दिखा।हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 631.83 अंकों की गिरावट के साथ 60,115.48 अंकों पर जबकि निफ्टी 187.05 अंक फिसलकर 17914.15 अंकों पर बंद हुआ। बाजार में आयशर मोटर्स और यस बैंक के शेयरों में तीन-तीन प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। मंगलवार के कारोबारी सेशन में भारतीय बाजार में महज ऑटो और फार्मा सेक्टर में ही हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। बाजार में वोलैटिलिटी इंडेक्स 8% तक चढ़ गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 22 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। भारती एयरटेल के शेयरों में जहां 2.92% की गिरावट दिखी वहीं एसबीआई के शेयर भी 2.03% तक टूटते नजर आए। दूसरी ओर

सेंसेक्स के महज आठ शेयर बाजार बंद होते समय हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। इनमें टाटा मोटर्स के शेयरों में 6.07% और पावर ग्रिड के शेयरों में 1.39% की मजबूती दिखी। इस दौरान टाटा स्टील के शेयर भी 1.15% तक मजबूत हुए।

फेड के रुख पर आशंका और एफआईआई की बिकवाली के कारण कमजोर हुआ बाजार

मंगलवार को भारतीय बाजार में बिकवाली का बड़ा कारण एफआईआई की ओर से की गई बिकवाली रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से की गई बिकवाली के कारण भारतीय बाजार ने सोमवार को हासिल बढ़त फिर से गंवा दी है। मंगलवार के कारोबारी सेशन के बाद दलाल स्ट्रील के निवेशकों की संपत्ति में करीब 3 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन इस दौरान घटकर 280 लाख करोड़ रह गया है।

बजट में इन वस्तुओं पर बढ़ सकता है सीमा शुल्क

एनबीएफसी सेक्टर को भी कर राहत की उम्मीद

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार वित्त वर्ष 2023-2024 के आगामी बजट में निस्संदेह देश की आर्थिक नीतियों में कई बदलाव लाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स में एक सरकारी अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि सरकार संभावित कस्टम ड्यूटी बढ़ोतरी के लिए 35 आइटम्स की लिस्ट पर मंथन कर रही है। इस लिस्ट में निजी जेट, हेलीकॉप्टर, उच्च अंत इलेक्ट्रॉनिक आइटम, प्लास्टिक के सामान, आभूषण, उच्च चमक वाले कागज और विटामिन जैसी चीजें है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस कदम का उद्देश्य आयात को कम करना और इनमें से कुछ उत्पादों के स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहित करना है। दिसंबर 2022 में, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने विभिन्न मंत्रालयों को टैरिफ वृद्धि के माध्यम से अपने आयात को नियंत्रित करने के लिए गैर-आवश्यक वस्तुओं की एक सूची बनाने के लिए कहा था। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, भारत के चालू खाते के बैलेंस ने 2022-23 की दूसरी तिमाही में 36.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 4.4 प्रतिशत) का घाटा दर्ज किया। 2022-23 की पहली तिमाही में 18.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 2.2 प्रतिशत) और एक साल पहले 9.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 1.3 प्रतिशत) का घाटा हुआ था। आरबीआई की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2022-23 की दूसरी तिमाही में बड़े पैमाने पर चालू खाता घाटे के पीछे अंतर्निहित कारक वस्तु व्यापार घाटे को 2022-23 की पहली तिमाही में 63.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 83.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई। करों में

वृद्धि और आयात को कम करने के लिए सरकार की ओर से उठाया गया यह कदम स्थानीय उत्पादन बढ़ाने के लिए दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा हो सकता है जो घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। पेमी के संस्थापक व सीईओ महेश शुक्ला के अनुसार वित्तीय प्रौद्योगिकी या फिन-टेक खिलाड़ियों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के साथ उधार या वित्तपोषण उद्योग ने हाल के वर्षों में एक महत्वपूर्ण सुधार देखा है। पारंपरिक बैंकों की तुलना में ऋण देने या वितरित करने में तेजी से वृद्धि हुई है। एनबीएफसी सेक्टर को केंद्रीय बजट 2023 के दौरान वित्त मंत्री से बहुत सारी उम्मीदें हैं। फिन-टेक खिलाड़ियों की सबसे बड़ी अपेक्षा कर व्यवस्था का उदारीकरण है। स्टार्टअप्स को करों में राहत की उम्मीद है। सालाना 10 करोड़ रुपये के टर्नओवर तक जीएसटी नहीं लगने से छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने और अधिक नौकरियों में सहायता करने में मदद मिलेगी। हम वित्तपोषण के मौजूदा मॉडल को मजबूत करने के लिए बैंकों के साथ बेहतर साझेदारी के लिए सरकार से समर्थन बढ़ाने की भी उम्मीद करते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक फिन-टेक क्षेत्र को नियंत्रित करने के लिए नियमों में और सुधार कर सकता है, जो अधिक पारदर्शिता ला सकता है और ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे देश में ऋण देने की प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देगा।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने धूत की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका पर सीबीआई से हलफनामा मांगा, 13 को सुनवाई

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने वेणुगोपाल धूत की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर सीबीआई से हलफनामा मांगा है। वीडियोकॉन समूह के संस्थापक वेणुगोपाल धूत की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने मंगलवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को निर्देश दिया कि वह शुक्रवार तक हलफनामा दायर करे। धूत की ओर से बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में दर्ज प्राथमिकी रद्द करने, उनकी गिरफ्तारी को ''मनमाना और अवैध'' घोषित करने और जमानत

पर रिहा करने की मांग की गई है। हाईकोर्ट में जब याचिका सुनवाई के लिए आई तो वकील कुलदीप पाटिल ने इस पर निर्देश प्राप्त करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पी के चव्हाण की खंडपीठ ने कहा कि एजेंसी शुक्रवार तक अपना हलफनामा दायर करे। याचिका पर सुनवाई के लिए उसी दिन यानी 13 जनवरी की तारीख तय की गई। धूत की ओर से पेश वकील संदीप लड्ढा ने तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया और कहा कि धूत 'दिल में 99 प्रतिशत ब्लॉकेज' से पीड़ित हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु---	05-01 बजे
चंद्र-	सिंह	में	मकर-	07-07 बजे
मंगल	वृष	में	कुंभ -	08-57 बजे
बुध-	धनु	में	मीन...	10-36 बजे
गुरु-	मीन	में	मेष--	12-11 बजे
शुक्र-	मकर	में	वृष--	13-56 बजे
शनि-	मकर	में	मिथुन.	15-58 बजे
राहु-	मेष	में	कर्क...	18-09 बजे
केतु-	तुला	में	सिंह...	20-21 बजे
			कन्या.	21-28 बजे
			तुला	00-33 बजे
			वृश्चिक	02-44 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- उत्तर -धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी- **14 -31** तक उपरान्त पंचमी
मास - माघ कृष्ण पक्ष , बुधवार **Jan 11**
नक्षत्र - मघा - **11 -49** तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - आयुष्मान **-12 - 01** - तक उप सौभाग्य
करण- बालव - **14 - 31** - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - उ.षाढा मे रवि

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:24 से 13:47 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ.	06:52 - 08:14 शुभ	उत्पात	17:55 - 19:34 अशुभ
अमृत.	08:14 - 09:37 शुभ	शुभ.	19:34 - 21:11 शुभ
काल.	09:37 - 11:01 अशुभ	अमृत	21:11 - 22:47 शुभ
शुभ.	11:01 - 12:24 शुभ	चंचल	22:47 - 00:24 शुभ
रोग	12:24 - 13:47 अशुभ	रोग	00:24 - 02:01 अशुभ
उत्पात	13:47 - 15:11 अशुभ	काल	02:01 - 03:37 अशुभ
चंचल	15:11 - 16:34 शुभ	लाभ	03:37 - 05:14 शुभ
लाभ	16:34 - 17:55 शुभ	उत्पात	05:14 - 06:52 अशुभ

आपका राशिफल

मेष धू धे धो ला ली लू ले लो आ

दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों । ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी । यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है ।

वृष ई उ ए जो वा वी वू वे वो

आप स्वभाव से गंभीर हैं और अपने कार्य करने के लिए प्रतिबद्धता का फल अब मिलने का समय है । दिन के अंत में प्रमुख वित्तीय लाभ की भी संभावना है जो आपने ईमानदारी और कड़ी मेहनत से अर्जित की है। लेकिन आपको केवल जिम्मेदारी और कर्तव्य की भावना से कार्य नहीं करना चाहिए बल्कि कार्यों को करने में हास्य की भावना विकसित करे

मिथुन का की कू घ ड झ के को हा

आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं । इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे । यह समय आपसी मतभेद भुलाकर आगे बढने का है

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं । आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा । कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है । आपकी खाना खाने सम्बन्धी आदतें कभी भी बहुत अच्छी नही थी ।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे । उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा । इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें । इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी । परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ट पे पो

आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं । आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं । इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा । आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे ।

तुला स री रु रे से ता तू ते

आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा ।आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया हैं । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

वृश्चिक तो मा मी मू मे मो य यी यू

आज के दिन उधार दिए हुए पैसे आपको वापस मिल सकते है । आज के दिन आप एक ऐसे व्यक्ति से भी मिल सकते है जिसे आप पहले से जानते हो और वो आपकी काफी हद तक आपकी भविष्य में आय को बढाने में मदद कर सकता है और यहाँ तक की ये व्यक्ति आपको अच्छी आय वाली नौकरी दिलाने में भी मदद कर सकता है

धनु ये यो भा भी मू धा फा ढा भे

आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी । आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे । आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं ,लेकिन आपको भविष्य की बेहतरी के लिए वर्तमान समय में कुछ आरामों को छोड़ना होगा ।

मकर भे जे जी खी खू खो मा मी

सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे। इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है। आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं । इसीलिए भविष्य के कार्यक्रमों की योजना आज बनाना सही नही है । आज आराम करें ।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा । आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है । आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा । हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे ,लेकिन आपको इसका अच्छा फल भी जल्दी मिलेगा और आपकी सफलता की इच्छा बढ़ेगी ।

मीन दी दू ध ज्ञ ञ दे दो च ची

आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है । ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी । आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे । आपके दुश्मन आज असहाय अनुभव करेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कराची फूड फेस्टिवल के आखिरी दिन भारी बवाल

मची भगदड़ और लड़कियों के साथ हुई छेड़खानी

इस्लामाबाद, 10 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान का एतिहासिक कराची फूड फेस्टिवल रविवार को कुप्रबंधन की भेंट चढ़ गया। तीन दिवसीय इस फेस्टिवल के आखिरी दिन लोगों को यहां अफरा-तफरी और भगदड़ का सामना करना पड़ा। इसके कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिसमें परिवारों ने कहा है कि उन्हें फेस्टिवल के दौरान भगदड़ और छेड़खानी जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ा।

लोगों ने दीवार फांदने, बैरिकेटिंग तोड़ने और कार्यक्रम स्थल में प्रवेश को लेकर धक्का-मुक्की के कई वीडियो भी साझा किए। उधर, फेस्टिवल में पहुंचे गायक कैफी खलील ने भी सुरक्षा में चूक के बीच अचानक अपना आयोजन रद्द कर दिया और घटना पर एक बयान भी जारी किया।

लड़कियों के साथ छेड़खानी, हुई हाथापाई

कराची फूड फेस्टिवल में लड़कियों के साथ छेड़खानी की भी कई घटनाएं हुईं। इसके कई वीडियो भी सामने आए हैं। कुछ वीडियो में लड़कियां ही आपस में झगड़ती और एक दूसरे के बाल नोचते दिख रही हैं।

कराची फूड फेस्टिवल में लड़कियों के साथ छेड़खानी की भी कई घटनाएं हुईं। इसके कई वीडियो भी सामने आए हैं। कुछ वीडियो में लड़कियां ही आपस में झगड़ती और एक दूसरे के बाल नोचते दिख रही हैं।

फूड फेस्टिवल पाकिस्तान के सीईओ ओमर ओमारी ने अपने बयान में कहा, यह महोत्सव 10 साल पहले अस्तित्व में आया था, जिसका उद्देश्य लोगों को विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट भोजन के साथ संगीत की एक छत के नीचे लाना था। उन्होंने कहा सड़ी सुरक्षा के बाद भी भीड़ का अनियंत्रित व्यवहार देखा गया और कुछ बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद घटनाएं हुईं।

पेरू में हिंसा के दौरान 17 की मौत

पूर्व राष्ट्रपति की रिहाई की मांग कर रहे समर्थक सेना से भिड़े, इमरजेंसी लगाए जाने के संकेत

लीमा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में पूर्व राष्ट्रपति पेड्रो कास्तिला के समर्थकों और सिक्योरिटी फोर्सेज के बीच मंगलवार को हिंसक झड़प हुई। अब तक 17 लोगों के मारे जाने की खबर है। 73 लोग घायल बताए गए हैं। इनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं।

3.37 करोड़ की आबादी वाले पेरू में सियासी टकराव का दौर नया नहीं है। करीब तीन साल से यहां संसद (कांग्रेस) और प्रेसिडेंट के बीच तनातनी चल रही है। इसकी वजह से कई बार हिंसा हो चुकी है। हालांकि, पहली बार इतने लोग मारे गए हैं। माना जा रहा है कि नई राष्ट्रपति डीना बोलुर्ते जल्द इमरजेंसी का ऐलान कर सकती हैं।

हिंसक झड़प की वजह क्या

पेरू में करीब तीन साल से सियासी तनातनी चल रही है। बहरहाल, ताजा मामला दिसंबर में शुरू हुआ। पूर्व राष्ट्रपति पेड्रो कास्तिला पर करप्शन और जबरदस्ती फैसले थोपने के आरोप लगे। कांग्रेस में उनका विरोध शुरू हुआ और इस्तीफे की मांग होने लगी।

पेड्रो किसी कीमत पर इस्तीफे के लिए तैयार नहीं थे। विपक्ष ने उन्हें पद से हटाने के लिए महाभियोग लाने की तैयारी शुरू की। पेड्रो पहले भी इस तरह की कोशिशों को नाकाम कर चुके थे और उन्हें यकीन था कि इस बार भी अपोजिशन उन्हें कुर्सी से नहीं हटा पाएगी।

संसद में 130 सदस्य थे और पेड्रो को कुर्सी बचाने के लिए आधे यानी 65 वोट्स की जरूरत थी। कांग्रेस में भले ही बड़े दल एकजुट थे, लेकिन कुछ छोटी पार्टियां पेड्रो के साथ थीं।

बहरहाल, इस बार पेड्रो की सियासी चाल कामयाब नहीं हुई और संसद में उनके खिलाफ 101 वोट पड़े। पेड्रो को कुर्सी छोड़नी पड़ी। इसके बाद से उनके समर्थक नाराज हैं।

अब क्या हुआ

कुर्सी छोड़ने के बाद डीना बुलेर्तो को नया राष्ट्रपति बनाया गया। हिंसा की धमकी देने वाले पेड्रो को गिरफ्तार कर लिया गया और यहीं से हिंसा शुरू हो गई। पेड्रो चाहते थे कि वो छोटे दलों के समर्थन से कांग्रेस यानी संसद को ही भंग कर दें, ताकि डीना राष्ट्रपति न बन सकें और देश में नए चुनाव हों। उनकी यह चाल भी नाकाम रही।

जब सरकार को लगा कि पेड्रो देश में डर का माहौल पैदा कर रहे हैं तो पिछले महीने उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अमेरिका समेत कई देशों ने पेरू सरकार से कहा कि वो पेड्रो से बातचीत करके कोई रास्ता निकाले और उन्हें फौरन रिहा करे। डीना सरकार और प्रधानमंत्री अल्बर्तो ओटरेला ने पेड्रो को रिहा करने से इनकार कर दिया। इससे उनके समर्थक नाराज हो गए और हिंसा पर उतर आए।

पेट्रोल बमों का इस्तेमाल

कुछ खबरों में कहा गया है कि दो दिन से जारी हिंसा में पुलिस और सिक्योरिटी फोर्सेज पर धारदार हथियारों और पेट्रोल बमों से हमला किया गया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने सख्त जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान फायरिंग भी हुई और इसमें ही 17 लोग मारे गए।

सरकार अब जल्द इमरजेंसी लगाने का फैसला ले सकती है। अगर ऐसा होता है तो सिक्योरिटी फोर्सेज के पास ज्यादातर ताकत आ जाएगी और वो विरोध प्रदर्शनों को दबा सकेंगे। पेरू के कई हिस्से ऐसे हैं जहां कई हफ्तों से पेड्रो समर्थकों ने ब्लॉकेड लगा रखे हैं। इससे कारोबार पर भी असर पड़ा है। पेड्रो के समर्थकों ने कहा है कि अगर इस हफ्ते सरकार ने नए इलेक्शन का ऐलान नहीं किया तो उनका प्रदर्शन और खतरनाक हो सकता है। इस बीच, सरकार ने एयरपोर्ट और दूसरी सरकारी इमारतों की सिक्योरिटी बहुत सख्त कर दी है। पुलिस से कहा गया है कि वो हिंसा करने वालों को देखते ही गोली मार दें। दूसरी तरफ, पेड्रो ने जेल से जारी बयान में कहा- मुझे साजिश के तहत पद से हटाया गया है।

नशे का कारोबार कर रहा युवक गिरफ्तार

145 प्रतिबंधित कफ सिरफ बरामद

बिलासपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। नशे का कारोबार कर रहे युवक को बिलासपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवक ग्राहक की तलाश कर रहा था। इसी बीच पुलिस ग्राहक बनकर पहुंची और नशीली दवा के साथ युवक को पकड़ लिया।

दरअसल पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि जरहाभाठा ओमनगर के रहने वाला युवक अमर रात्रे पुत्र सतीश रात्रे इलाके में बिक्री करने बाहर से प्रतिबंधित कफ सिरफ लाया है। उसे बेच भी रहा है। थाना प्रभारी के निर्देश पर आरक्षक ग्राहक बनकर युवक के पास पहुंचा और बड़ी संख्या में सिरफ का खेप खरीदने की बात कही।

इस पर युवक मोटी रकम मिलने की लालच में आ गया। वह कफ सिरफ लेने चला गया। इसी बीच पुलिस की टीम अलग-अलग जगह पर तैनात हो गई जैसे ही युवक कफ सिरफ लेकर आया तो पुलिस की टीम ने उसे दबोच लिया। उसके बाद से 145 नग प्रतिबंधित कफ सिरफ जब्त किए गए हैं।

कोरोना प्रतिबंधों से बौखलाया चीन

बदले में दक्षिण कोरिया के खिलाफ उठाया कड़ा कदम

बीजिंग, 10 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में कोरोना से हालात बेहद चिंताजनक हैं। जिसके चलते दुनिया के कई देशों ने चीन से आने वाले यात्रियों पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन प्रतिबंधों से चीन बुरी तरह बौखला गया है और अब बदले की कार्रवाई पर उतर आया है। बता दें कि चीन ने दक्षिण कोरियाई नागरिकों को मिलने वाले शॉर्ट टर्म वीजा पर रोक लगा दी है।

दक्षिण कोरिया में मौजूद चीन के दूतावास ने एक बयान जारी कर कहा है कि जब दक्षिण कोरिया, चीनी नागरिकों को खिलाफ भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों को हटा लेगा तो दूतावास उसके बाद अपनी पॉलिसी को एडजस्ट करेगा। चीन के विदेश मंत्री किन गेंग ने हाल ही में दक्षिण कोरिया के चीनी नागरिकों के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंधों पर चिंता जाहिर की थी और इस मुद्दे को लेकर दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री पार्क जिन से टेलीफोन पर बातचीत भी की थी। दोनों के बीच बातचीत के

एक दिन बाद ही चीन ने यह कदम उठाया है। चीन का यह कदम बदले की कार्रवाई माना जा रहा है क्योंकि दक्षिण कोरियाई सरकार ने भी 5 जनवरी से चीन से आने वाले यात्रियों का कोरोना टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। जिसके तहत चीन से दक्षिण कोरिया आने वाले लोगों को यात्रा से पहले और दक्षिण कोरिया पहुंचने के बाद कोरोना टेस्ट कराना अनिवार्य होगा। साथ ही जो यात्री कोरोना संक्रमित पाया जाता है, उसे एक निर्धारित समय तक क्वारंटाइन रहना होगा।

दक्षिण कोरिया ने भी चीन के नागरिकों को दिया जाने वाला शॉर्ट टर्म वीजा इस माह के अंत तक बंद कर दिया है। उल्लेखनीय है कि चीन में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं लेकिन इसके बावजूद चीन की सरकार ने अपने वहां कोरोना प्रतिबंधों में छूट दे दी है और पड़ोसी देशों के साथ अपनी सीमा भी खोल दी है।

इससे दुनियाभर के देश चिंतित हैं। यही वजह है कि विभिन्न देशों ने चीनी यात्रियों के खिलाफ प्रतिबंध कड़े कर दिए हैं।

डीसी आवास के सामने कार ने बाइक को मारी टक्कर

हिसार, 10 जनवरी (एजेंसियां)। हिसार में राजगढ़ मार्ग पर डीसी आवास के सामने सोमवार रात तेज रफ्तार कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। बाइक पर सवार एएसआई काशीराम गंभीर रूप से घायल हो गया। जख्मी हालत में उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां देर रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। आजाद नगर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। पुलिस ने मृतक के बेटे दीपक के बयान पर चालक के खिलाफ लापरवाही का केस दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मूलरूप से फतेहाबाद गांव के लहरिया निवासी काशीराम आजाद नगर थाना में एएसआई के पद पर कार्यरत थे। उनके बेटे दीपक ने बताया कि रात करीब साढ़े नौ बजे पिता बाइक पर सवार होकर आजाद नगर थाने से घर के लिए निकले थे।

सुखोई 57 जेट्सः रूस ने यूक्रेन युद्ध में उतार दिया अपना सबसे महाबली जेट?

दावा- तबाही मचा रहा है सुखोई-57, भारत से है नाता

कीव, 10 जनवरी (एजेंसियां)। रूस की सेना ने यूक्रेन की जंग में अपने सबसे खतरनाक हवाई योद्धा को जंग के मैदान में उतार दिया है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने खुफिया सूत्रों के हवाले से खुलासा किया है कि रूस अब सुखोई-57 फाइटर जेट के जरिए यूक्रेन में हमले कर रहा है। ऐसा पहली बार नहीं है जब यह दावा किया गया है कि रूस अब सुखोई-57 फाइटर जेट के जरिए हमला कर रहा है। सुखोई-57 रूस का सबसे खतरनाक फाइटर जेट है जो पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट माना जाता है।

ब्रिटेन ने बताया कि सुखोई-57 का इस्तेमाल कम से कम जून 2022 से किया जा रहा है और अब अनाम रक्षा सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। रक्षा मंत्रालय ने अपने आकलन में कहा कि रूस के ये सुखोई-57 फाइटर जेट अभी रूस के हवाई क्षेत्र में उड़ रहे हैं और वहीं रूस से यूक्रेन पर मिसाइलों की बारिश कर रहे हैं।' उसने कहा कि यही वजह है कि इन रूसी विमानों के उड़ान की पुष्टि अभी स्वतंत्र रूप से नहीं हो पाई है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने व्यवसायिक रूप से मौजूद सैटलाइट इमेज को भी जारी किया है जिसमें ये विमान रूस के अखतूबिंस्क एयरबेस पर तैनात दिखाई दे रहे हैं।

वॉर जोन की रिपोर्ट के मुताबिक रूस ने भले ही सुखोई-57 को अखतूबिंस्क एयरबेस पर तैनात किया हो लेकिन इससे यह साबित नहीं होता है कि यह रूसी विमान यूक्रेन की जंग में इस्तेमाल किया गया है। रूस का यह अखतूबिंस्क एयरबेस कई तरह के रूसी हथियारों का ठिकाना है लेकिन यह एकमात्र ऐसा एयरबेस नहीं है जहां सुखोई-57 विमानों को तैनात किया जा सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक रूस जानबूझकर यूक्रेन की सीमा के अंदर अपने इस सबसे घातक फाइटर जेट को नहीं उतार रहा है। रूस को यह डर सता रहा है कि पश्चिमी देश उसके इस पांचवीं पीढ़ी के पहले फाइटर जेट के सीक्रेट को जान जाएंगे। रूस ने अमेरिका के एफ-35 फाइटर जेट को मात देने के लिए इस सुखोई-57 का निर्माण किया है। यह फाइटर जेट रेडार की पकड़ में नहीं आता है और परमाणु बम भी गिराने की ताकत रखता है। यही नहीं इसे किसी मिसाइल हमले में मार गिराना आसान नहीं होता है।

रूस ने इस विमान के निर्माण के दौरान अपने दोस्त भारत को भी ऑफर दिया था लेकिन भारत ने इसकी तकनीक पर भरोसा नहीं जताया और पूरी डील से पीछे हट गया था। रूस अब इसे तुर्की समेत कई अन्य देशों को ऑफर देना चाहता है।

नासा ने भारतीय मूल के चारणिया को बनाया चीफ टेक्नोलॉजिस्ट

स्पेस सेक्टर के दिग्गजों में हैं शुमार

वाशिंगटन, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अमेरिकी एयरोस्पेस विशेषज्ञ एसी चारणिया को नासा ने अपना चीफ टेक्नोलॉजिस्ट नियुक्त किया है। वह प्रौद्योगिकी नीति और अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर नासा चीफ बिल नेल्सन के प्रमुख सलाहकार के रूप में काम करेंगे।

एसी चारणिया

नासा की ओर से सोमवार को जारी बयान में कहा गया कि एसी चारणिया नासा के छह मिशन की जरूरतों के साथ एजेंसी के प्रौद्योगिकी निवेश का काम देखेंगे। साथ ही संघीय एजेंसियों, निजी क्षेत्र और बाहरी शेयरहोल्डर्स के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग की देखरेख करेंगे। चारणिया ने अपने बयान में कहा, 21 वीं सदी में हम जिस तरह की प्रगति चाहते हैं, वह हमारे मिशनों को निष्पादित करने के लिए टेक्नोलॉजी एक पोर्टफोलियो को चुनने पर निर्भर है। नासा में शामिल होने से पहले, चारणिया ने रोबोटिक्स में प्रोडक्ट स्ट्रैटजी के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। इसके अलावा उन्होंने एयरोस्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन के ब्लू मून लूनर लैंडर कार्यक्रम और नासा के साथ कई टेक्नोलॉजी पहलों पर काम किया है। इसके अलावा चारणिया स्पेस टूरिज्म कंपनी वर्जिन गैलेक्टिक (अब वर्जिन ऑर्बिट) लॉन्चरवन स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल प्रोग्राम के लिए रणनीति और बिजनेस डेवलपमेंट में भी काम किया है।

चारणिया ने जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में स्नातक और मास्टर डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने एमोरी विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक की डिग्री भी ली है।

उड़ान के दौरान खुल गया विमान का दरवाजा

बाहर गिरने लगा यात्रियों का सामान, अटक गई पैसेंजर्स की जान

मॉस्को, 10 जनवरी (एजेंसियां)। रूस में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल यहां उड़ान के दौरान एक विमान पिछला दरवाजा खुल गया। बीच उड़ान में प्लेन का दरवाजा खुलने से अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों की सांसें अटक गईं। इसके बाद विमान को तुरंत वापस उतारा गया और विमान का दरवाजा सही कर उसे फिर से रवाना किया गया। घटना के वक्त विमान में छ क्रू मेंबर समेत कुल 25 यात्री सवार थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस की एयरलाइन आईआरएयरो का एक एन-26 ट्विन प्रोप विमान साइबेरिया के शहर मागन से रूस के मागादान शहर जा रहा था। उड़ान भरने के बाद जब विमान करीब 2800-2900 मीटर की ऊंचाई पर था तो उसी समय विमान का पिछला दरवाजा खुल गया। इससे विमान में रखा यात्रियों का सामान भी बिखर गया। दबाव की समस्या के चलते विमान का दरवाजा खुला। इसके बाद विमान को वापस साइबेरिया के मागन शहर में उतारा गया और तकनीकी समस्या को दूर करने के बाद विमान को फिर से रवाना किया गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई चोटिल नहीं हुआ। विमान में यात्रा कर रहे एक यात्री ने घटना का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। वीडियो में दिख रहा है कि उड़ान के दौरान विमान का पिछला दरवाजा खुला हुआ है और इससे विमान के अंदर उथल-पुथल की स्थिति है। वहीं इस घटना पर यूक्रेन के आंतरिक मामलों के मंत्री के सलाहकार एंटोन ग्रेसचेनको ने भी चुटकी ली है और सोशल मीडिया पर ट्वीट कर रूस पर निशाना साधा। ऐसा ही एक मामला बीते साल ब्राजील में सामने आया था। जहां रियो ब्रेंको एयरोटैक्सी एयरलाइन का एक विमान रियो ब्रेंको से जोरडाओ शहर के लिए उड़ान भर रहा था। इसी दौरान जब विमान हवा में था, तभी विमान का दरवाजा अचानक से खुल गया। जिससे विमान में मौजूद एक रेलिंग दरवाजे से निकलकर विमान के बाएं इंजन से जा टकराई। गनीमत रही कि विमान को इससे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। इसके बाद विमान में मौजूद यात्रियों ने प्लेन के दरवाजे को किसी तरह बंद किया और पूरे रास्ते उसे हाथ से पकड़कर बंद रखा।

केक लेने के बहाने क्लीनिक में घुसे नकाबपोश बदमाश

महिला डॉक्टर की हाथापाई के बाद मौत

कुरुक्षेत्र, 10 जनवरी (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र में सोमवार दोपहर को नेशनल हाईवे पर स्थित एक होटल में चाय पी रहे युवक के दोनों हाथ काट ले जाने के आरोपी बदमाशों का भी पुलिस सुराग भी नहीं लगा पाई थी कि देर रात सेक्टर 13 में एक और सनसनीखेज वारदात हो गई।

सेक्टर 13 स्थित डॉक्टर अतुल अरोरा क्लिनिक में नकाबपोश चार बदमाश घुस गए और उन्होंने लूटपाट के इरादे से करीब 59 वर्षीय महिला डॉक्टर विनीता अरोड़ा पर हमला कर दिया। डॉक्टर विनीता अरोड़ा एगलेस केक बनाती थी, इसी बहाने लुटेरे क्लीनिक में घुसे थे। इस वारदात में डॉ. विनीता अरोड़ा की मौत हो गई तो बदमाश मौके से फरार हो गए। वारदात का पता चलते ही दो अन्य चिकित्सक व पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधीक्षक एसएस भूरिया पहुंचे और वारदात स्थल का जायजा लिया। बदमाशों की धरपकड़ के लिए 4 टीमें लगाई गई लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है।

वहीं यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि डॉ. विनीता अरोड़ा की मौत कैसे हुई। पुलिस का कहना है कि उनके शरीर पर गंभीर चोट आई है लेकिन गोली के निशान नहीं मिले हैं। हालांकि पूरी स्थिति पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही स्पष्ट होगी। चिकित्सकों के पैनल के जरिए पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भूरिया का कहना है कि बदमाशों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा जिसके लिए कई टीमें लगा दी गई है।

वहीं आईएमए के बैनर तले चिकित्सक भी लामबंद हो गए हैं और उन्होंने इस वारदात को लेकर कड़ा रोष जताया है। चिकित्सकों का कहना है कि इस तरह सरेआम वारदात को अंजाम देना स्पष्ट करता है कि यहां कानून व्यवस्था पूरी तरह से शून्य हो चुकी है और चिकित्सक किसी भी स्तर पर सुरक्षित नहीं हैं। ऐसे में वे 24 घंटे सेवाएं देने में सक्षम नहीं है और रात के समय आपात सेवाएं बंद करने को मजबूर होंगे। बदमाश अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुए हैं लेकिन फिलहाल उनकी स्पष्ट पहचान नहीं हो पा रही है।

अस्पताल में खाना बनाने वाली एक महिला ने बताया कि वह अस्पताल की ऊपरी मंजिल पर काम कर रही थी। उसने आवाज सुनी तो भागकर नीचे आई, उस समय डॉक्टर अतुल अरोड़ा राउंड पर थे। जैसे ही वह नीचे आई तो एक मुंह लपेटे हुए बदमाश ने उसे धमकी देते हुए अपने पास बैठा लिया। उसके पास रिवाल्वर जैसा कोई हथियार था। अन्य तीन बदमाश डॉ. विनीता अरोड़ा के साथ हाथापाई कर रहे थे। वह इस वारदात से बुरी तरह से डर गई थी।

बांग्लादेश की फ्लाइट में यात्रियों में चले घूंसे

बिना शर्ट पहने यात्री ने मारपीट की रोने भी लगा, क्रू ने मुश्किल से हटाया

ढाका, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के एक प्लेन में यात्रियों के बीच जमकर घूंसे चले। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें बिना शर्ट पहने एक यात्री दूसरे पैसेंजर्स से लड़ाई कर रहा है। हाल के दिनों में भारत समेत दुनिया के कई देशों में फ्लाइट में यात्रियों का गलत व्यवहार देखने को मिल रहा है। 27 सेकंड के इस वीडियो को ट्विटर यूजर बितांकों बिस्वास ने शेयर किया है। उनके मुताबिक हाथापाई बांग्लादेश की नेशनल एयरलाइन 'बिमान' की फ्लाइट बोइंग 777 में हुई। दोनों यात्रियों के बीच पहले किसी बात पर बहस हुई, जो झड़प में तब्दील हो गई। इस घटना की तारीख और फ्लाइट कहां से कहां जा रही थी, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

वायरल वीडियो में एक शर्ट लेस पैसेंजर फ्रंट रो में बैठे शख्स को कॉलर पकड़कर मुक्के मारता है। मारने वाला खुद भी रोता हुआ नजर आ रहा है। जवाब में दूसरा शख्स भी उसे मारता है। वीडियो में उसका चेहरा साफतौर पर नहीं देखा जा सकता। दोनों के बीच हाथापाई बढ़ते ही क्रू झगड़ा रोकने की कोशिश करते हैं।

वीडियो को अब तक एक लाख 17 हजार से ज्यादा बार देखा जा चुका है। यूजर्स इस घटना को गंभीर समस्या भी बता रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- ये दक्षिण एशिया के लोगों की प्रॉब्लम है। लोगों को विदेश में नौकरियां दे दी जाती हैं, लेकिन उन्हें सभ्यता का कोई पाठ नहीं पढ़ाया जाता। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त सजा की जरूरत है।

कुछ यूजर्स वीडियो में नजर आ रहे शर्टलेस व्यक्ति को ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- उस लड़के को बस अपनी शर्ट वापस चाहिए। अन्य यूजर ने कहा- ऐसे लोगों को तुरंत फ्लाइट से उतार देना चाहिए।

जोशीमठ में घरों से आ रही डरावनी आवाजें

रोते हुए लोग बोले- घर अचानक हिलने लगता था, आंखों के सामने सब तबाह

जोशीमठ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। 'रात को अचानक लगा कि घर हिल रहा है, पूरा घर टेढ़ा हो गया। दीवारों पर मोटी-मोटी दरारें आ गईं। अपने ही घर में खड़े होने में डर लग रहा है। घर के नीचे से पानी बहने की आवाज आ रही है। ये आवाज कहां से और कैसे आ रही है हमें नहीं पता। अब मेरा 9 कमरे का घर रहने लायक नहीं बचा। कब गिर जाए, कोई भरोसा नहीं है।' जोशीमठ शहर में रहने वालीं कल्पेशवरी पांडे ये बताते हुए रोने लगती हैं।

पड़ोस में रहने वाली सरिता उन्हें चुप कराती हैं और फिर उनकी आंखों में भी आंसू आ जाते हैं। कहती हैं, 'मेरा घर भी बर्बाद हो गया। फर्श के सारे टाइल्स टूट गए। ऐसा लग रहा है कि किसी मशीन से पूरे घर को जोर का धक्का मार दिया। 2 जनवरी को रात में लगा था कि हल्का सा भूकंप आया है, क्या हुआ ये नहीं पता, लेकिन उसी के बाद से दरारें बढ़ने लगीं।'

2 जनवरी 2022 की रात उत्तराखंड के जोशीमठ शहर और उसके आस-पास बसे गांवों में जो हुआ, वो अचानक हुआ, ये कहना थोड़ा गलत होगा। आज जो हो रहा है, इसकी चेतावनी तो 46 साल पहले 1976 में ही 18 सदस्यों वाली एमसी मिश्रा समिति ने अपनी रिपोर्ट में दे दी थी।

इसके बाद वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी समेत कई अन्य बड़े संस्थानों ने लगातार चेतावनियां दीं। हालांकि, सरकार या प्रशासन ने इन्हें कितना सुना या माना ये आज सबके सामने है।

ऋषिकेश-बद्रीनाथ हाइवे (एनएच-7) पर बसे चमोली जिले के जोशीमठ में एंट्री करते ही मुझे फटी, दरकी और टूटी हुई सड़कें नजर आती हैं। 7वीं शताब्दी में उत्तराखंड के कत्यूरी राजवंश ने यहां राजधानी बनाई थी। आज यहां की सड़कों की हालत ये है कि अब इन पर गाड़ियां चलाना मुमकिन नहीं। खड़े भी होते हैं, तो धरती कांपती सी लगती है। ऐसा महसूस होता है कि ऐसे पत्थर पर खड़े हैं, जो कभी भी लुढ़क सकता है।

इन इलाकों में हर तरफ जोर-जोर से रोती-बिलखती महिलाएं दिखती हैं, जो सिर पकड़े अपने घरों को टूटते देखने को मजबूर हैं। मैं थोड़ा आगे बढ़कर ऐसे ही गुस्से और आक्रोश के साथ बिलख रही महिला से बात करता हूं। उनका नाम अंजना देवी हैं। मैं कुछ पूछता, उससे पहले ही वो बोलने लगती हैं, 'ये हमारा घर है, आप ही देखिए, सब जगह मोटी-मोटी दरारें आ गई हैं। सरकार के लोग हमसे बिना पूछे इसे सील कर रहे हैं, पटवारी-तहसीलदार कहां हैं, मेरे घर के अंदर पूरा सामान पड़ा है, लेकिन हमें कोई बताने वाला नहीं है कि कहां जाना है। सरकार के लोग आते हैं, नाम लिखकर ले जाते हैं, लेकिन कोई कुछ नहीं कर रहा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आए और दरारों के साथ फोटो खिंचाकर चले गए। पूरी जिंदगी की कमाई लगाकर बनाया था घर, अब ये रहने लायक नहीं। कौन देगा हमारा पैसा?'

चेतावनियां जो अनसुनी कर दी गईं, विनाश जिससे मुंह फेर लिया गया

जोशीमठ वाला इलाका हाई रिस्क जोन-5 में आता है। यानी छोटा सा भूकंप भी यहां भारी तबाही ला सकता है। 1976 में ही मिश्रा समिति ने जोशीमठ और आस-पास के इलाके को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की थी। इस रिपोर्ट में इलाके में विकास के काम, सड़क निर्माण और आबादी को लेकर कई जरूरी बातें थीं-

सिर्फ मिश्रा समिति ही नहीं, साल 2006 में वैज्ञानिकों की एक टीम ने 'जोशीमठ लोकलाइज्ड सब्सिडेंस एंड एक्टिव इरोजन ऑफ द एटी वाला' नाम से रिपोर्ट तैयार की थी। इसमें साफ बताया गया था कि जोशीमठ शहर और आस-पास के इलाके जैसे रविग्राम वार्ड, कामेट और सेमा हर साल एक सेंटीमीटर खिसक रहे हैं।

इसके बाद साल 2020 में जियोलॉजिस्ट और उत्तराखंड स्पेस एप्लिकेशन सेंटर के निदेशक प्रोफेसर एमपीएस बिष्ट और पीयूष रौतेला ने भी जोशीमठ इलाके पर एक स्टडी की थी, जो 'करेंट साइंस' में छपी थी। इसमें कहा गया था कि जोशीमठ और तपोवन इलाके भूगोल, पर्यावरण

के हिसाब से संवेदनशील है। इसके बावजूद इस पूरे इलाके के आसपास हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। विष्णुगढ़ भी ऐसी ही एक परियोजना है। सितंबर 2022 में ही एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रबंधन) की टीम ने इस इलाके का सर्वे कर 11 बड़े नालों के आस-पास जमीन धंसने की चेतावनी दी थी। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि जोशीमठ लैंडस्लाइड के मलबे पर बसा है और जिस तरह से यहां कंस्ट्रक्शन हुआ और सड़कें बन रही हैं, ये वजन जमीन नहीं सह पाएगी।

वाडिया इंस्टीट्यूट की भूगर्भ वैज्ञानिक स्वप्नमिता चौधरी ने भी एक साल तक इलाके के घरों में आ रही दीवारों और जमीन खिसकने के मामलों की स्टडी की और चेतावनी दी थी। उनका मानना है कि अभी जो नजर आ रहा है, उसकी कई वजहें हो सकती हैं, लेकिन 2 जनवरी को एनटीपीसी के प्रोजेक्ट के लिए ड्रिलिंग के दौरान जमीन के नीचे जल स्त्रोत को नुकसान पहुंचना, इसमें आई तेजी का कारण हो सकता है।

जोशीमठ शहर में रहने वाले 35 साल के दिगंबर भी यही मानते हैं। दिगंबर ने अपने पिता और खुद की पूरी कमाई लगाकर घर बनवाया और अब वो घर रहने लायक नहीं बचा।

सरकार मुआवजा दे और विस्थापन का इंतजाम भी करे

जोशीमठ में आपदा के साथ दूसरा नजारा पलायन का है। कहीं लोग अपने घरों का सामान ले जाते हुए दिख रहे हैं तो कहीं, मरम्मत कराने की नाकाम कोशिशें कर रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जोशीमठ के 678 घरों में दरारें आई हैं, लेकिन असल में तादाद और ज्यादा है। सरकार ने अब तक सिर्फ 81 परिवारों के ही रहने का इंतजाम किया है।

कुछ लोगों को प्रशासन ने जोशीमठ शहर के नगरपालिका दफ्तर के पास मौजूद कॉम्प्लेक्स और पार्क में बसाया है। मैं वहां लोगों से मिलने पहुंचा, कमरे में दाखिल हुआ तो चारों तरफ लोग कम और सामान ज्यादा दिखा।

यहां मेरी मुलाकात दीपक रावत से हुई, वे बताते हैं- 'सिंगारवार्ड माउंड व्यू होटल के पास मेरा घर था, पूरी तरह टूट गया है। 10-12 कमरों के मेरे मकान के बदले मुझे 1 कमरा दिया है, जिसमें मेरे परिवार के 6 लोग रह रहे हैं। मेरे मकान की लागत 1 करोड़ रुपए थी।'

दीपक जोशीमठ में आए पर्यटकों के लिए टैक्सी चलाते हैं। 2 जनवरी की रात को याद करते हुए दीपक बताते हैं, 'रात को धड़धड़ाने की जोर से आवाज आई। मेरे घर के पास वाले होटल के शीशे चटकने लगे। बाहर निकलकर देखा तो दो होटलों की बिल्डिंग टूटकर एक-दूसरे पर टिक गई थीं। मेरा घर भी दरक गया, बड़ी-बड़ी दरारें आ गईं। हम रात को ही जरूरत का सामान लेकर भागे।

एनटीपीसी प्रोजेक्ट ने पूरे जोशीमठ को तहस-नहस कर दिया है। हम जो भुगत रहे हैं वो एनटीपीसी जैसी कंपनियों का किया धरा है।'

दीपक की पत्नी भी रोने लगती हैं, फिर कहती हैं- जबसे घर छोड़ा फिर लौटकर नहीं देखा, अब इसी एक कमरे में पूरा परिवार रह रहा है। जब-जब ये सोचती हूं, खुद को रोने से रोक नहीं पाती।' लोगों के मुताबिक, जोशीमठ से करीब 8 किमी नीचे एक जगह से गंदे पानी का एक पॉइंट खुल गया है। पानी का ये रिसाव पहले नहीं होता था, लेकिन 2 जनवरी की रात को जब से लोगों के घर दरके हैं, यहां से पानी बहने लगा है।

जोशीमठ के रहने वाले 50 साल के बलबीर सिंह राणा पानी के स्त्रोत को देख चुके हैं। वो बताते हैं- 'ये पानी पहले नहीं बहता था, लेकिन अब यहां से मटमैला पानी आ रहा है और इस पानी को अगर करीब से देखें तो इसमें तेल जैसा कुछ नजर आ रहा है। पानी में अगर मिट्टी का तेल डाल दो तो वो ऐसे ही रंगीन सा दिखता है। इस पानी में रंगीन हल्की धाराएं दिख रही हैं। ये साफ इशारा कर रही हैं कि ये पानी प्राकृतिक स्त्रोत से तो नहीं आ रहा है।' जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक अतुल सती भी इस पानी पर शक जाहिर करते हैं। सती कहते हैं- 'ये पानी का बहाव ही बता रहा है कि जोशीमठ के नीचे बहुत कुछ अजीब हो रहा है।'

एक और शक जाहिर कर रहे वैज्ञानिक

7 फरवरी 2021 को ऋषिगंगा नदी उफान पर आई तो उसका पानी तपोवन प्रोजेक्ट में घुस गया था। ऋषिगंगा इस दौरान जाकर धौली गंगा में मिल गई। तपोवन प्रोजेक्ट तहस-नहस हो गया। प्रोजेक्ट की सुरंग में पानी घुस गया और वहां काम कर रहे कई लोगों का अब तक पता नहीं चल पाया है।

वैज्ञानिक सवाल उठा रहे हैं कि सुरंग में जो पानी घुसा था, क्या वो अब रिस कर जोशीमठ में निकल रहा है। जोशीमठ में निकल रहे पानी में मिट्टी का रंग ऐसा है, जैसे बांध निर्माण के वक्त होता है। हालांकि इसकी जांच के बिना कुछ भी कहना मुश्किल है, लेकिन पानी का रंग भूगर्भ जल जैसा नहीं हैं। इसके अलावा साल 2009 में हेलंग से करीब तीन किलोमीटर की दूरी पर एनटीपीसी की सुरंग में एक टनल बोरिंग मशीन फंस गई थी। इस मशीन से जमीन के नीचे पानी का एक स्रोत पंचर हो गया और करीब एक महीने तक पानी रिसता रहा। जोशीमठ के नीचे जो पानी है, वो ये भी हो सकता है, इसका शक भी जाहिर किया जा रहा है।

12 किलोमीटर लंबी ये निर्माणाधीन सुरंग सेलग नाम की जगह से शुरू होती है, जो तपोवन तक जाएगी। अब तक सिर्फ 8 किलोमीटर तक काम हो पाया है। एनटीपीसी का कहना है कि ये सुरंग मशीन के जरिए बनाई गई है। यहां कोई भी ब्लास्ट नहीं किया गया। फिलहाल इस टनल का काम रोक दिया गया है।

विधायक-मंत्री का मुखौटा पहन खेली ताश, खरीदा चखना

निगम की दुकानों में अपराध-सट्टा सेंटर का नाम किया चस्पा, भाजपा का अनोखा प्रदर्शन

रायपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में भाजपा नेताओं ने मुखौटे लगाकर कांग्रेस के खिलाफ अनोखा विरोध जताया। विकास ताश की गड्डियां के साथ दिखे, लखमा खरीद रहे थे चखना, जुनेजा स्कूटर पर ढेबर को बिठाए घूमते नजर आए। कांग्रेस के मंत्री, विधायक और नेताओं का ये रूप भाजपा के कार्यकर्ताओं ने धरा। भाजपा नेताओं ने मुखौटे लगाकर कांग्रेस के खिलाफ विरोध जताया।

दरअसल रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड के पास भाजपा नेता अवैध चौपाटी का विरोध कर रहे हैं। राजेश मूणत की अगुवाई में जारी इस आंदोलन में कुछ अलग तरह का विरोध प्रदर्शन भी दिखा। भाजपा के लोगों ने कांग्रेस नेताओं का मुखौटा लगाया, सिगरेट सेंटर, अपराध सेंटर, सट्टा सेंटर का बोर्ड उन दुकानों पर लगा दिया जिसे नगर निगम बना रहा है।

भाजपा के प्रदर्शनकारी हर दुकान के बाहर विभागीय मंत्री का मुखौटा पहन कर युवा खड़े हो गए और दुकानों के माध्यम से उन विभागों की विफलताएं नाकामियां और भ्रष्टाचार को दिखाया । युवाओं ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, कानून व्यवस्था, माफियाराज, भ्रष्टाचार, अपराध, सड़क, परिवहन, सामाजिक

समरसता और नशे का कारोबार, अवैध शराब विक्रय जैसे विभिन्न मुद्दों पर कांग्रेस पूर्णतः विफल है।

कोर्ट पहुंचा मामला

साइंस कॉलेज ग्राउंड के पास बन रही चौपाटी का मामला कोर्ट जा पहुंचा है। खुद पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने इसके लिए याचिका लगाई है। राजेश मूणत ने बताया कि भाजपा के विधिक सलाहकारों ने न्यायालय के समक्ष चौपाटी निर्माण की रोक के लिए दस्तावेजों सहित आवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें विचार करते हुए न्यायालय ने 1 सप्ताह के भीतर जवाब तलब के आदेश दिये हैं। स्मार्ट सिटी लिमिटेड को दस्तवेज और साक्ष्य के आधार पर एक हफ्ते में अपना पक्ष रखना होगा ।

पूर्व मंत्री राजेश मूणत का दावा है कि साइंस कॉलेज ग्राउंड पर सड़क किनारे चौपाटी बनाना अवैध है। छोटे ,गरीब ठेले, खोमचे वालों की रोजी रोटी छीनने की साजिश है। कांग्रेस ने तेलीबांधा तालाब में चौपाटी खोलकर उस स्थान का व्यवसायीकरण कर दिया, वही खेल रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय समेत सम्पूर्ण एजुकेशन हब में करने जा रही है।

भाजपा सरकार के शासनकाल में छात्र- छात्राओं के अनुकूल ,सेंट्रल लाइब्रेरी और नालंदा परिसर बनवाया,लेकिन एजुकेशन हब में बीते 4 साल से केवल ठेले और गुमटियां लग रही हैं,उसे हटाने के स्थान पर चौपाटी बनाने जा रहे हैं। हम उच्च न्यायालय भी जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट भी जाएंगे। यूथ हब की आड़ में यहां चौपाटी विकसित कर कांग्रेस अपने लोगों को जगह दे देंगे। यहां हॉस्टल में स्टूडेंट रहते हैं उनकी सुरक्षा का भी मसला है।

कांग्रेस का दावा प्रस्ताव तो भाजपा के समय से

इस मसले पर कांग्रेस के नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। दावा किया गया कि साइंस कॉलेज मैदान के पास जिस यूथ हब के विरोध में पूर्व लोक निर्माण मंत्री और भाजपा नेता राजेश मूणत धरना देकर बैठे हैं, उसका प्रस्ताव खुद उनकी सरकार में तैयार हुआ था। कांग्रेस ने शनिवार को दस्तावेजों के सहारे भाजपा के स्टैंड पर पलटवार किया है। रायपुर नगर निगम के महापौर एजाज ढेबर और सभापति प्रमोद दुबे ने दस्तावेज जारी कर कहा, पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से अपना टिकट बचाने के लिए राजेश मूणत इसके जरिए राजनीतिक स्टंट कर रहे हैं। राजेश मूणत ने कहा कि, महापौर इस मामले में झूठ बोल रहे है। मेरे द्वारा इस स्थल का निरीक्षण की बात गलत है। 2018 में स्मार्ट सिटी ने इसकी योजना बनाई। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इस प्रस्ताव को पारित कराने कोई कमेटी बनाई गई? राजेश मूणत ने कहा कि, ग्रीन कारीडोर पहले से ही यहां था, तो ग्रीन कारीडोर का प्रस्ताव का क्या मतलब? यह पूरा क्षेत्र एजुकेशन के लिए आरक्षित है।

सम्मेद शिखर को लेकर संतालों का प्रदर्शन

तीर-धनुष लेकर सड़कों पर उतरे, बोले- पूरा पारसनाथ पहाड़ हमारा है

गिरिडीह, 10 जनवरी (एजेंसियां)। सम्मेद शिखर पर दावे को लेकर आदिवासी समाज मंगलवार को प्रदर्शन कर रहा है। पारसनाथ पहाड़ के आसपास की दुकानों को बंद कराया गया है। सभा स्थल पर नारेबाजी करते हुए लोग पहुंच रहे हैं। पूरे इलाके में पुलिस फोर्स तैनात की गई है। संताल हाथों में तीर-धनुष लेकर सड़कों पर उतर चुके हैं।

हाथों में तीर धनुष भाला और डुगडुगी लिए हजारों संताली समुदाय के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्थानीय विधायक सुदीप्त सोनू के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। मरंगबुरू पूजा स्थल में वे जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस पूजा स्थल से संताली समुदाय के लोग पूजा कर वापस मधुबन थाना स्थित फुटबॉल ग्राउंड में जमा होंगे और वहां सभा करेंगे। झारखंड के आदिवासी संताल समुदाय ने दावा किया है कि पूरा पहाड़ उनका है। यह उनका मरांग बुरु यानी बूढ़ा पहाड़ है। ये उनकी आस्था का केंद्र है। यहां वे हर साल आषाढ़ी पूजा में सफेद मुर्गे की बलि देते हैं। इसके साथ छेड़छाड़ उन्हें मंजूर नहीं होगी।

इस दावे को लेकर मंगलवार

को जनसभा का आयोजन किया गया है। पारसनाथ पहाड़ से 2 किलोमीटर दूर मधुबन थाना ग्राउंड में संताल समाज के लोगों जुट रहे हैं। इसमें पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों से संताल समाज के लोग शामिल हैं। इस विरोध-प्रदर्शन से पहले गिरिडीह जिला प्रशासन ने पहल की थी कि दोनों समुदाय के बीच कोई रास्ता निकले।

अंतरराष्ट्रीय संताल परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष नरेश कुमार मुर्मू ने फोन पर हुई बातचीत में कहा, हम आश्वासन नहीं चाहते हम इस पर ठोस कागजी कार्रवाई चाहते हैं। हमारे विरोध प्रदर्शन की तैयारी लंबे समय से चल रही है। आज कई राज्यों से लोग यहां पहुंचे हैं। हम अपने अधिकार के लिए लड़ना जानते हैं। संताल समाज के कई संगठन इस आंदोलन का हिस्सा हैं। विरोध और आंदोलन में सत्ताधारी दल के झामुमो विधायक लोबिन हेम्ब्रम भी शामिल हैं।

हेम्ब्रम ने कहा है कि लड़ाई आर-पार की होगी। आदिवासी समाज के लोग वर्षों से इस इलाके में रह रहे हैं, अब उन्हें ही बलि देने से रोका जा रहा है। जमीन हमारी, पहाड़ हमारे और कब्जा किसी और का, हम कब्जा नहीं करने देंगे।

इस पूरे विवाद पर हमने सरकार का पक्ष भी जानना चाहा। झामुमो पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य से बात करने की कोशिश की। उन्होंने फोन पर किसी भी तरह की आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

उन्होंने कहा, हम इस मामले को समझ रहे हैं। अभी इस मामले पर पार्टी की टिप्पणी जल्दबाजी होगी। हम पूरे मामले को समझेंगे जो उचित होगा वही फैसला लिया जाएगा। विधायक लोबिन हेम्ब्रम के बयान को उन्होंने उनकी निजी राय बताया।

हमारा देश तो वैसे भी सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाता है। पारसनाथ पर्वत मरांग बुरू था, है और रहेगा। सैकड़ों वर्ष से चली आ रही परंपरा आगे भी बरकरार रहेगी।

पार्श्व नाथ मंदिर के पुजारी अशोक कुमार जैन ने इस मसले पर कहा कि सम्मेद शिखर हमारा तीर्थ राज है। यह तीर्थ स्थल था, है, और तीर्थ स्थल ही रहेगा। संपन्नता के कारण ये तीर्थ स्थल नहीं है।

हमारे भगवान ने यहां तपस्या की है। मुनिवर ने तपस्या की है। इस भूमि को पावन किया है।

धनबाद ब्लास्ट में बड़ा खुलासा

पुलिस ने पिंटू बरनवाल के घर से 264 विस्फोटक जिलेटिन बरामद किया, नक्सलियों से संबंध की पड़ताल कर रही है पुलिस

धनबाद, 10 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद के तोपचांची गोमो रोड सब्जी बाजार विस्फोट के मामले में पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। घायल पिंटू बरनवाल के आवास गोमो शिव मंदिर के पास पुलिस से पुलिस ने 264 विस्फोटक जिलेटिन बरामद की है। इस धमाके में चार लोग घायल हैं। घायलों को रांची रिम्स रेफर किया गया जबकि एक धनबाद के एसएनएम एमसीएच में इलाजरत है। घर की तलाशी में जैसे ही पुलिस को विस्फोटक मिला पुलिस ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस बम निरोधक दस्ता और एसटीएफ रांची को दी। रांची से बम निरोधक दस्ता और एसटीएफ रांची 4 घंटे के अंतराल पर लगभग 3 बजे दिन में गोमो शिव मंदिर गली पहुंची। घर से जिलेटिन बरामद किया गया उसकी जांच की गयी।

मदरसा-संस्कृत स्कूलों को मिलेगा बढ़ा हुआ अनुदान

राज्य के 33 संस्कृत विद्यालय और 46 मदरसा को दोगुना अनुदान का लाभ

रांची, 10 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के वैसे मदरसा और संस्कृत स्कूल जो वित्तरहित श्रेणी में आते हैं, उन्हें इसी वित्तीय वर्ष से दोगुना अनुदान मिल सकता है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इससे संबंधित अपने प्रस्ताव कैबिनेट को भेज दिया है। आज होने जा रहे कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को पारित किया जा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो राज्य के 33 संस्कृत विद्यालय और 46 मदरसा को दोगुना अनुदान का लाभ मिलेगा। अनुदान मिलने से इन संस्थानों के तकरीबन दो हजार शिक्षकों-कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। बताते चलें कि वित्त रहित संस्कृत स्कूलों और मदरसा को अब तक 1.80 लाख रुपए हर वर्ष मिलते थे। आज कैबिनेट की स्वीकृति इस प्रस्ताव को मिल जाती है तो उन्हें 3.60 लाख रुपए अनुदान मिलने लगेंगे। यह राशि प्राइमरी व मिडिल स्तर के संस्थानों के लिए निर्धारित की गई है। वहीं प्राइमरी सह हाई स्कूल स्तर के जो संस्कृत विद्यालय और मदरसा हैं, उन्हें अब तक 3.62 लाख रुपए मिलते थे, लेकिन अब 7.20 लाख रुपए मिलने लगेंगे। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इन मदरसा और संस्कृत स्कूलों को 2015 से ही कम अनुदान मिल रहा है। ऐसा नियमावली में स्केल तय नहीं होने की वजह से हुआ था। जिसके बाद संघ ने आंदोलन किया और आवाज उठाई।

शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार ऐसा नहीं है कि बढ़े हुए अनुदान का लाभ केवल संस्कृत स्कूलों और मदरसा को ही मिलेगा वित्त रहित स्कूल कॉलेजों को भी दोगुना अनुदान देने पर बात हो रही है। हालांकि अभी इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। ऐसे वित्त रहित स्कूल कॉलेजों के लिए नियमावली बनाई जा रही है। वितरित शिक्षण संस्थानों को छात्र-छात्राओं के नामांकन के आधार पर दोगुना अनुदान मिलेगा। अभी तक इसके लिए भी स्लैब तैयार नहीं किया गया था।

अभी इस पर भी काम हो रहा है। ऐसे वितरहित स्कूल-कॉलेजों को वित्तीय वर्ष 2023-24 में बात बन सकेगी। शिक्षकों को दोगुना अनुदान मिल सके इसके लिए सरकार कोशिश कर रही है।

ठंड से फिर एक व्यक्ति की मौत

अंबिकापुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में ठंड से फिर एक व्यक्ति की मौत होने का मामला सामने आया है। प्रदेश के रामानुनज-बलरामपुर जिला अंतर्गत राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डिंगों में ठंड लगने से एक पहाड़ी कोरवा युवक की मौत हो गई है। युवक मेहमानी करने के लिए राजपुर क्षेत्र के ग्राम कोटागहना आया था। मंगलवार सुबह उसका शव झिंगो में अंबिकापुर-गढ़वा नेशनल हाइवे 343 के किनारे एक दुकान के पास पड़ा मिला। युवक के शरीर पर नाममात्र के कपड़े थे। युवक सोमवार की रात शराब पीकर सड़क किनारे सो गया था। जानकारी के अनुसार, अंबिकापुर-गढ़वा एनएच 343 के किनारे झिंगो में गोलू होटल के पास सुबह एक युवक का शव पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना पर राजपुर से एसआई अश्विनी पांडेय का दल मौके पर पहुंचा। आस-पास के लोगों से पूछताछ की गई। गोलू होटल के पास दुकान चलाने वाले व्यक्ति ने सूचना दी कि बीती रात दुकान बंद करने के दौरान उसने मृतक को शराब के नशे में बैठा हुआ देखा था।

उपचुनाव में 72-73% मतदान

जिला-जनपद पंचायत, पंच-सरपंच और नगरीय निकायों में वार्ड पार्षदों का चुनाव, 12 जनवरी को परिणाम आएंगे

रायपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायतीराज संस्थाओं और नगरीय निकायों में उपचुनाव का मतदान सोमवार को पूरा हो गया। राज्य निर्वाचन आयोग का कहना है कि कहीं से भी किसी विवाद की सूचना नहीं है। पंचायत उप निर्वाचन में 72.96% और नगरीय निकाय उप निर्वाचन में 73.66% मतदान हुआ है।

प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायतीराज संस्थाओं में जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच और पंच पदों के लिए सुबह सात बजे से दोपहर तीन बजे तक वोट डाले गए। मतदान के लिए कुल 402 मतदान केन्द्र बनाए गए थे। पंचायत उप निर्वाचन में 72.96% मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग गया। अपना प्रतिनिधि चुनने के लिए 74.01% पुरुष मतदाताओं और 71.93% महिला मतदाताओं ने वोट डाले। मतदान की समाप्ति

के बाद सभी मतदान केन्द्रों पर ही मतगणना का काम भी पूरा करा लिया गया। हालांकि परिणाम घोषित नहीं किया गया। निर्वाचन आयोग का कहना है, इनका सारणीकरण और परिणाम की घोषणा 12 जनवरी को की जाएगी।

सोमवार को ही राज्य के 12 जिलों के कुल 14 नगरीय निकायों में भी वार्ड पार्षदों के खाली पदों पर मतदान हुआ। प्रदेश के तीन नगर निगमों, चार नगर पालिकाओं और सात नगर पंचायतों के 15 वार्डों में पार्षद के निर्वाचन के लिए सवेरे आठ बजे से शाम पांच बजे तक मतदान हुआ। इसके लिए कुल 27 मतदान केन्द्र बनाए गए थे। नगरीय निकायों में मतदान का औसत प्रतिशत 73.66 रहा। वार्ड पार्षद चुनने के लिए 75.32% पुरूष मतदाताओं और 72.07% महिला मतदाताओं ने वोट डाले। मतदान वाले सभी नगरीय निकायों में मतगणना और निर्वाचन के परिणामों की घोषणा 12 जनवरी को संबंधित नगरीय निकाय के मुख्यालय में की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के त्रिस्तरीय पंचायतों और नगरीय निकायों में विभिन्न वजहों से 750 से अधिक पद रिक्त थे। दिसम्बर के दूसरे सप्ताह में छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग ने कुल 750 पदों पर उप निर्वाचन की अधिसूचना जारी की। उसमें से जिला-जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच और पंच के 735 पद शामिल थे। वहीं 12 जिलों के 14 शहरों में 15वार्डों के लिए नया पार्षद चुना जाना था। 27 दिसम्बर को नाम वापसी के अंतिम दिन कई जगहों पर निर्विरोध निर्वाचन की स्थिति बन गई। वहीं कई पंचायती पदों पर कोई प्रत्याशी ही नहीं आया।

कन्हैयालाल के हत्यारों को पकड़वाने वाले बोले

जान का खतरा : कहा-हमारी हालत देखकर गांव वाले हंसते हैं, नौकरी से भी निकाल दिया

उदयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। उदयपुर के तालीबानी हत्याकांड में कन्हैयालाल के हत्या के आरोपियों रियाज और गौस मोहम्मद को राजसमंद के भीम कस्बे से पकड़ा गया था। दोनों आरोपियों को पकड़वाने वाले शक्ति सिंह और प्रहलाद अब सरकारी मदद के लिए घूम रहे है। उन्हें आज तक न लाइसेंसी बंदूक मिली। न कोई सुरक्षा। दरअसल, 28 जून को हुए हत्याकांड में आरोपियों को पकड़वाने के बाद शक्ति सिंह और प्रहलाद का चेहरा सबके सामने आ गया था। दोनों का कहना है कि जान का खतरा मंडरा रहा है। कहीं नौकरी भी नहीं कर पा रहे हैं। सोमवार को दोनों उदयपुर पहुंचे। इस दौरान कन्हैयालाल के परिवार से भी मिले।

दरअसल, शक्ति सिंह और प्रहलाद को अपनी बहादुरी के लिए खूब वाहवाही मिली थी। हर कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया गया। वहीं, सरकार ने भी दोनों को सुरक्षा के लिए गार्ड और लाइसेंसी बंदूक देने की बात कही थी। कन्हैया

लाल हत्याकांड को 6 महीने से अधिक का समय गुजर गया है, लेकिन अब तक सरकार ने प्रह्लाद और शक्ति सिंह की तरफ मुड़ कर भी नहीं देखा।

प्रहलाद और शक्ति सिंह ने बताया- जिस चौराहे पर दोनों बैठे थे। वहां और भी कई लोग थे, लेकिन कन्हैया के हत्यारों को पकड़ने के लिए हमने ही 25 किलोमीटर तक पीछा किया। आगे पुलिस ने घेरा डालकर उन्हें पकड़ा। आरोपियों को पकड़ने में मदद के बाद आज जो उनकी स्थिति है। उसे देखकर गांव वाले भी हंसते हैं। आने वाले समय में कोई भी किसी की मदद के लिए आगे नहीं आएगा। शक्ति सिंह ने बताया- इससे पहले सूरत में एक किराना की शॉप पर काम करते थे। घटना के 5-7 दिन पहले ही अपने पैतृक गांव भीम माता-पिता से मिलने आए थे। घटना के बाद दुकान मालिक ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया। अब कहीं नौकरी भी नहीं मिल रही।

एक होटल में काम करने वाले प्रह्लाद ने बताया- घटना के बाद जब से उनके चेहरे सार्वजनिक हुए हैं। तब से उनकी जान पर भी खतरा मंडरा रहा है। उन्हें डर है कि जिन आरोपियों को उन्होंने पकड़वाया। उनके कोई लोग दोनों की रैकी न कर रहे हों। कहीं उन्हें मौत के घाट ना उतार दें।

कन्हैया के हत्यारों को ऐसे पकड़वाया

शक्ति सिंह और प्रह्लाद ने बताया कि रियाज और गौस मोहम्मद राजसमंद के रास्ते होकर अजमेर भाग रहे थे। इस दौरान उदयपुर पुलिस ने वायरलेस से सूचना देते हुए सभी तरफ नाकाबन्दी करा दी थी। भीम चौराहे पर भी नाकाबन्दी थी। तभी भीम थाने के एक परिचित पुलिसकर्मी ने उन्हें ध्यान रखने को कहा। प्रह्लाद और शक्ति सिंह चौराहे पर ही चाय पी रहे थे कि अचानक उनकी नजर रियाज और गौस पर पड़ी। दोनों ने इसकी सूचना फिर से पुलिस को दी। पुलिस के कहे अनुसार ही आरोपियों का पीछा किया।

उन्होंने कहा कि दोनों आरोपी नाकाबंदी से होकर ही गुजरे थे, लेकिन वहां खड़े पुलिस वालों का ध्यान उन पर नहीं गया। बाद में वे भीम के बाजार में चले गए। प्रह्लाद और शक्ति सिंह ने उनका पीछा करना नहीं छोड़ा।

जयपुर के बिजनेसमैन को धमकी, एक करोड़ रुपए मांगे

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में एक बार फिर बिजनेसमैन को फोन कर एक करोड़ रुपए की डिमांड की गई है। बिजनेसमैन ने कहा- रुपए नहीं दिए तो उठा लिए जाओगे। फोन करने वाले ने खुद को बीकानेर का गैंगस्टर रोहित गोदारा बताया। पीड़ित बिजनेसमैन ने अशोक नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया- सी-स्कीम अशोक नगर निवासी जितेंद्र पंवार (34) ने एफआईआर दर्ज करवाई है। जितेंद्र का कंस्ट्रक्शन और क्लब का बिजनेस है। रविवार शाम 6:19 बजे जितेंद्र के मोबाइल पर वॉट्सऐप कॉल आया। कॉल करने वाले ने कहा- जितेंद्र भाई आप कैसे हो। कंस्ट्रक्शन और क्लब का काम कैसा चल रहा है। बिजनेसमैन जितेंद्र बोले- काम अच्छा चल रहा है। बदमाश बोला- ये फोन फिरौती का है। मैं बीकानेर से गोदारा बोल रहा हूं। कल शाम तक एक करोड़ चाहिए। नहीं तो आप जहां होंगे वहां से उठा लिए जाओगे। बिजनेसमैन को धमकी देकर बदमाश ने कॉल काट दिया।

पेपर लीक मास्टरमाइंड के घर पर भी चलेगा बुलडोजर!

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। सीनियर टीचर भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने के मास्टरमाइंड भूपेंद्र सारण के जयपुर में अजमेर रोड स्थित आलीशान मकान पर अब जयपुर विकास प्राधिकरण(जेडीए) का बुलडोजर चल सकता है। मकान में किए गए अवैध निर्माण को लेकर आज जेडीए एनफोर्समेंट टीम के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने टेक्निकल टीम से मकान की जांच करवाई, जिसके बाद टीम ने धारा 32 के तहत अवैध निर्माण करने और उसे हटाने के लिए नोटिस जारी किया। जेडीए ने मकान मालिक भूपेन्द्र सारण और गोपाल सारण के नाम नोटिस जारी करते हुए उन्हें 12 जनवरी तक जवाब पेश करने के लिए कहा है। जवाब पेश नहीं करने या संतोषजनक जवाब पेश नहीं करने पर जेडीए 13 जनवरी को यहां तोड़फोड़ की कार्रवाई कर सकता है।

पीआरएन नॉर्थ में आती है कॉलोनी, 15 फीट का सेटबैक नहीं छोड़ा

सारण का मकान अजमेर रोड पर पृथ्वीराज नगर (नॉर्थ) एरिया में बसी रजनी विहार कॉलोनी में प्लॉट नंबर 67C पर है। करीब 28 बाई 46 फीट प्लॉट पर ये घर जीरो सेटबैक पर बना है। हालांकि जेडीए इस कॉलोनी का रेगुलाइजेशन कर चुका है, लेकिन मकान का निर्माण जेडीए की ओर से जारी साइट प्लान के मुताबिक नहीं है। साइट प्लान में कम से कम 15 फीट में फ्रंट और 8.3 फीट में बैक सेटबैक छोड़ना जरूरी है, जो नहीं छोड़ा गया है। मकान के आगे 4 फीट का रैंप और अन्य निर्माण करके सरकारी जमीन पर भी कब्जा कर रखा है। इसके अलावा भवन मालिक को साइट प्लान के मुताबिक 8 मीटर हाइट तक निर्माण करना था, लेकिन मकान मालिक ने 8 मीटर से ज्यादा निर्माण करते हुए बिना अनुमति 2 मंजिल एक्सट्रा बना ली, जिसे

तोड़ने के लिए कहा है।

दूसरी टीम सुरेश ढाका के घर पहुंची

इधर, जेडीए की एक दूसरी टीम पेपर लीक मामले के दूसरे मास्टरमाइंड सुरेश ढाका के यहां पहुंची। ढाका ने चित्रकूट वैशाली नगर स्थित नेमीसागर कॉलोनी में एक लग्जरी फ्लैट ले रखा है। आशापूर्ण एम्पायर में लिया गया ये फ्लैट ढाका ने अपने पिता मांगीलाल के नाम से खरीद रखा है। जेडीए की टीम अब इस फ्लैट के निर्माण और उसकी जांच-पड़ताल के लिए भी मौके पर पहुंची है। इससे पहले जेडीए ने सोमवार को इसी मास्टरमाइंड के कोचिंग सेंटर पर बड़ा एक्शन लिया था। जयपुर में गुर्जर की थड़ी स्थित अधिगम कोचिंग सेंटर की 5 मंजिला बिल्डिंग को जेडीए ने जमींदोज कर दिया था। हालांकि ये कोचिंग सेंटर की बिल्डिंग का मालिक दूसरा था, जबकि भूपेन्द्र सारण, सुरेश ढाका, धर्मेन्द्र चौधरी और एक अन्य व्यक्ति मिलकर इस कोचिंग सेंटर को संचालित कर रहे थे। भूपेन्द्र और सुरेश को पुलिस ने सीनियर भर्ती परीक्षा पेपर लीक का मास्टरमाइंड मानते हुए उनके खिलाफ एक्शन लिया है।

कांग्रेस के फॉर्मूले में दो मंत्री अनफिट

जिलाध्यक्ष पद छोड़ना पड़ेगा; इसी महीने हो सकती हैं नई नियुक्तियां

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस ने राजस्थान में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति का फॉर्मूला तय कर लिया है। कांग्रेस उदयपुर के चिंतन शिविर संकल्प के तहत अध्यक्षों की नियुक्ति जल्द करने जा रही है। इसमें 8 जिलों को छोड़कर सभी जिलाध्यक्ष बदले जाएंगे।

ऐसा इसलिए क्योंकि कांग्रेस नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति पर उदयपुर फॉर्मूला लागू करने जा रही है। ऐसे किसी भी नेता को रिपीट नहीं किया जाएगा, जिसे 5 साल या उससे ज्यादा इस पद पर हो चुके हैं। यहां तक कि जिन नेताओं को 4 साल या उससे ज्यादा भी हो गए हैं। उन्हें भी कांग्रेस रिपीट नहीं करेगी। कांग्रेस का मानना है कि ऐसे नेताओं को भी सालभर बाद पांच साल हो जाएंगे। ऐसे में सालभर बाद फिर बदलना पड़ेगा। इसी को देखते हुए कांग्रेस नए फॉर्मूले के तहत कांग्रेस में जिलाध्यक्ष नियुक्त करेगी।

खाचरियावास, राजेंद्र यादव सहित सभी हटेंगे

कांग्रेस की नियुक्ति में पुराने सभी चेहरे बदले जाएंगे। दिसम्बर 2021 में जिन 13 जिलाध्यक्षों को नियुक्त किया था। उनमें से 8 को छोड़कर सभी बदले जाएंगे। लगभग 28 जिलाध्यक्ष निवर्तमान ही वर्किंग कर रहे हैं। इन सभी को भी बदला जाएगा। इनमें जयपुर शहर से मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, ग्रामीण से राजेंद्र यादव सहित कई विधायक और बोर्ड चेयरमैन भी शामिल हैं।

इसी महीने कांग्रेस करेगी जिलाध्यक्षों की नियुक्ति

कांग्रेस राजस्थान में अब जल्द से जल्द संगठनात्मक नियुक्तियां करने की तैयारी में है। लगातार खींचतान और विवाद के बाद अब कांग्रेस जल्द से जल्द संगठनात्मक नियुक्तियां कर माहौल बेहतर करने की तैयारी में है। अबतक ब्लॉक अध्यक्षों की दो सूची कांग्रेस निकाल चुकी है। इनमें 188 ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किए जा चुके हैं। जल्द ही कांग्रेस बाकी ब्लॉक अध्यक्षों की सूची निकालने के बाद जिलाध्यक्षों की सूची निकालेगी।

बहू ने जहर मिलाकर भिंडी की सब्जी सास को खिलाई

पति बोला-खाने के बाद तबीयत बिगड़ने से मौत, मायके वालों के साथ रची साजिश

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में जहर देकर सास की हत्या करने का मामला सामने आया है। बहू पर आरोप है कि उसने भिंडी की सब्जी में जहर मिलाकर सास को दी थी, जिससे मौत हो गई। मालवीय नगर थाने में मृतका के पति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। ससुर ने बहू सहित चार लोगों पर हत्या का मामला दर्ज कराया है। मृतका के पति का आरोप है कि गेहूं में रखने वाली दवाई (जहर) निकालकर बहू ने सब्जी में मिलाकर सास को दिया था। बहू ने अपने परिवार के साथ इसकी प्लानिंग की।

राजस्थान में राष्ट्रपति की सुरक्षा में चूक

> सुरक्षा तोड़कर जेईएन ने द्रौपदी मुर्मू के पैर छुए

> आईजी बोले-मामला पुराना, अब क्यों उठा रहे?

पाली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के राजस्थान दौरे के वक्त सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। हेलीपैड पर श्री लेयर सुरक्षा तोड़कर एक महिला जेईएन ने राष्ट्रपति के पैर छू लिए थे। हालांकि एसपी के निर्देश पर उस जेईएन को पकड़कर थाने भी ले गए, लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया गया था। इस पूरे मामले को पुलिस ने रिकॉर्ड में नहीं लिया और दबा दिया गया। अब गृह मंत्रालय ने इसको लेकर रिपोर्ट मांगी है।

दरअसल, महामहिम 4 जनवरी को पाली के निम्बली ब्राह्मण गांव में हो रही जंबूरी का उद्घाटन करने आई थीं। हेलीपैड पर उनकी सुरक्षा श्री लेयर में सुरक्षाकर्मी तैनात थे। इसी बीच अचानक एक महिला जेईएन प्रोटोकॉल तोड़कर राष्ट्रपति के पैर छूने आ गई। महिला जेईएन को राष्ट्रपति के सुरक्षाकर्मी ने हटाया, लेकि तब तक उसने मुर्मू के पैर छू लिए थे। इसके बाद एसपी गगनदीप सिंगला के निर्देश पर जेईएन को रोहट पुलिस थाने ले जाया गया था, लेकिन कुछ घंटे बाद हिदायत देकर छोड़ दिया गया। मामले को रिकॉर्ड में नहीं लिया गया। अब गृह मंत्रालय ने रिपोर्ट मांगी तो मामला सामने आया।

त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा तोड़ा

राष्ट्रपति के पैर छूने वाली जेईएन अंबा सियोल रोहट में जलदाय विभाग में 6 महीने से कार्यरत हैं। वह छह साल पहले सरकारी सेवा में आई हैं। उनकी ड्यूटी जंबूरी स्थल पर पानी व्यवस्था के लिए लगी थी। 4 जनवरी को राष्ट्रपति से पहले राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी उसी हेलीपैड पहुंचे। इसके बाद राष्ट्रपति का हेलिकॉप्टर आने से पहले त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया गया। प्रोटोकॉल के मुताबिक वहां सीएम, गवर्नर सहित 8 लोग ही जा सकते थे।

आईजी बोले, मामला पुराना,अब क्यों उठा रहे हो ?

इस घटनाक्रम को लेकर सवाल पूछने पर आईजी पी.रामजी ने कहा कि यह मामला पुराना हो गया। अब क्यों उठा रहे हो? फिर कहा-हेलीपैड पर क्या हुआ। इसके बारे में मुझे कुछ भी पता नहीं, क्योंकि उस वक्त हमारा ध्यान ही अलग होता है। आपको एसपी ही पूरी जानकारी दे सकते हैं। उनसे बात कर लो। डीजीपी राष्ट्रपति की अगवानी की कतार में खड़े एडिशनल डीजीपी संजय अग्रवाल ने कहा- मुझे जानकारी नहीं, फिर कहा- आईजी-एसपी से बात कर लो।

गुर्जर बोले-नियम ताक पर रखकर बन रहा रिंग रोड

विधायक मलिंगा ने कहा- भ्रष्टाचार साबित नहीं कर सकते

धौलपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। धौलपुर के बाड़ी में निर्माणाधीन रिंग रोड पर कांग्रेस विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा और बीजेपी के पूर्व विधायक जसवंत सिंह गुर्जर में जुबानी जंग तेज हो गई है। बीजेपी के पूर्व विधायक जसवंत सिंह गुर्जर ने निजी निवास पर प्रेस वार्ता कर कांग्रेसी विधायक को जमकर घेरा। जसवंत सिंह गुर्जर ने कहा कि रिंग रोड का निर्माण सर्कुलर के मुताबिक नहीं हो रहा है। रिंग रोड के लिए तय शर्त और टेंडर प्रक्रिया का उल्लंघन कर सत्ताधारी पार्टी के विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा प्रशासन से सांठ-गांठ कर निर्माण करवा रहे हैं। पूर्व विधायक ने मलिंगा पर स्थानीय वोटर्स को पांच साल के लिए पांच-पांच हज़ार रुपये में खरीदने के भी आरोप लगाए। वहीं मलिंगा ने आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि जसवंत सिंह भ्रष्टाचार का साबित नहीं कर सकते।

समय का ध्यान नहीं दिया तो पतंगबाजी पड़ेगी भारी

गृह विभाग ने पतंग उड़ाने का समय किया निर्धारित

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। मकर संक्रांति के पर्व से पहले जयपुर शहर समेत प्रदेश भर में पतंगबाजी की धूम शुरू हो गई है। बच्चे, युवा, बुजुर्ग सभी छतों पर चढ़कर पतंगों के पेंच लड़ा रहे हैं। जयपुर की पतंगबाजी दुनिया भर में मशहूर है, लेकिन पतंगबाजी की तेज़ धार वाली डोर किसी पक्षी या वाहन चालक की जान के लिए खतरा न बने इसके लिए प्रदेश के गृह विभाग, रेलवे और जयपुर मेट्रो प्रशासन ने अपील जारी की है। साथ ही आदेश देते हुए सुबह-शाम दो-दो घंटे पतंगबाजी पर रोक लगा दी है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं।

सुबह छह से आठ, शाम पांच से सात बजे पतंगबाजी पर रोक

गृह विभाग ने हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए पतंगबाजी पर यह रोक लगाई है। सुबह छह से आठ तक और शाम पांच से सात

बजे तक पतंगबाजी पर रोक रहेगी। गृह विभाग के शासन उप सचिव मुकेश पारीक ने आदेश जारी किया है, जिसमें प्लास्टिक और सेंटेंस सिंथेटिक मांझे पर भी रोक लगाई गई है। सिंथेटिक मांझे के निर्माण, मार्केटिंग और इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक रहेगी। पतंगबाजी में चाइनीज़ मांझा, प्लास्टिक और सिंथेटिक पदार्थ से बने हुए मांझा, जहरीले पदार्थ और लोहा, ग्लास के धागों का इस्तेमाल पक्षी और मानव जीवन के लिए संकट पैदा करता है। ऐसे में राज्य के सभी जिला मजिस्ट्रेट को ऐसे मांझे के उपयोग पर रोक लगाने को कहा गया है।

प्रतिबंधित समय में पतंग उड़ाने पर होगी गिरफ्तारी

जानकारी के मुताबिक प्रतिबंधित समय में पतंग उड़ाते मिलने पर गिरफ्तारी हो सकती है। कलेक्टर और डीएम को शांति भंग की धारा-144 के तहत कार्रवाई को कहा गया है। ऐसी पतंगबाजी के दौरान कोई हादसा होता है या किसी व्यक्ति को चोट पहुंचती है, तो संबंधित धाराएं भी कार्रवाई के तहत लगाई जा सकती हैं।

रेलवे और मेट्रो प्रशासन ने भी की अपील

दूसरी और रेलवे प्रशासन ने भी मकर संक्रांति पर रेलवे ट्रैक के आसपास पतंगबाजी नहीं करने की अपील जारी की है। नॉर्थ- वेस्टर्न रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के मुताबिक हर साल रेलवे ट्रैक के पास बच्चे और लोग दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं। मौजूदा समय में लगभग सभी ट्रैक इलेक्ट्रीफाइड हैं। बिजली के तार से मांझा और डोर छूने पर करंट लग सकता है। रेलवे विभाग की ओर से विशेष अभियान चलाकर लोगों से समझाइश भी की जा रही है।

पुरानी पेंशन योजना बहाली को लेकर कर्मचारियों में रोष

18 को प्रदेशव्यापी आंदोलन का एलान

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। ओपीएस (ओल्ड पेंशन स्कीम) को अपने 2022 के बजट भाषण में समाहित कर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कर्मचारियों को एक उम्मीद दी थी। राज्य सरकार ने ओल्ड पेंशन स्कीम को राजस्थान में लागू कर दिया गया है, इसका दावा भी किया था। कई जगह मुख्यमंत्री गहलोत ने इस योजना के विषय में बात करते हुए यह भी कहा कि यह सामाजिक सुरक्षा का विषय है, यह एक वृद्ध कर्मचारी का हक है जो बुढ़ापे में उसको सम्मान के साथ जीवन बिताने में मददगार सिद्ध होगा।

सनसनीखेज ब्लाइंड मर्डर का खुलासा

घर से भागी युवती को देह व्यापार में धकेलने की थी कोशिश

दौसा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जिले की मेहंदीपुर बालाजी पुलिस ने डीएसटी के सहयोग से 5 दिन पहले मुख्य बाजार स्थित मुलकराज धर्मशाला में हुए युवती के सनसनीखेज ब्लाइंड मर्डर का खुलासा कर लड़कियों एवं महिलाओं की तस्करी करने वाली अंतर राज्य गैंग से जुड़े आरोपी पवन कुमार उर्फ अजय शर्मा पुत्र सतवीर (42) निवासी खैर सब्जी मंडी के पीछे अलीगढ़ उत्तर प्रदेश और उसकी महिला मित्र किरण उर्फ फूलमती यादव पत्नी कृपाशंकर (42) निवासी थाना जलालपुर जिला आजमगढ़ उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। एसपी संजीव नैन ने बताया कि 4 जनवरी को मेहंदीपुर बालाजी स्थित मुल्क राज धर्मशाला के एक कमरे में एक युवती का शव रजाई से ढका हुआ अर्धनग्न हालत में मिला।

धर्मशाला के मैनेजर की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर ब्लाइंड मर्डर के घटना के खुलासे के लिए आईजी उमेश चंद्र दत्ता के निर्देश पर सीओ दीपक मीणा के सुपरविजन एवं एसएचओ अजीत सिंह बडसरा के नेतृत्व में थाना स्तर एवं डीएसटी से 18 सदस्यों की टीम गठित की गई।

चैलेंज के रूप में लिया

2 दिन पुराने शव के फुलने एवं चोट के कारण चेहरे का अंदाजा लगाना मुश्किल था। कमरे में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला, जिससे मृतक व आरोपियों का सुराग लग सके। धर्मशाला के रजिस्टर में गलत नाम, मोबाइल नंबर ओर फर्जी आधार कार्ड दिया गया था। सीसीटीवी भी नहीं लगे थे। ऐसे में पुलिस ने घटना को चैलेंज के रूप में लिया और घटना के खुलासे के लिए 4 अलग अलग टीम गठित की गई।

बजट सत्र से पहले फील्ड में उतरेंगे पायलट

समर्थक नेताओं के क्षेत्रों में करेंगे सभाएं; गर्मा सकता है सियासी माहौल

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र से पहले राजस्थान कांग्रेस की सियासत फिर गरमाने के आसार बन रहे हैं। सचिन पायलट बजट सत्र से पहले मारवाड़ और शेखावाटी में किसान सम्मेलन करने जा रहे हैं। पायलट समर्थक मंत्री और विधायक किसान सम्मेलनों की तैयारियों में जुट गए हैं।

पायलट अब फील्ड में उतरने की तैयारी में हैं। 16 जनवरी को नागौर जिले के परतबसर में किसान सम्मेलन से पायलट शक्ति प्रदर्शन की शुरुआत कर रहे है। इसके बाद 18 जनवरी को झुंझुनूं जिले के गुढ़ा क्षेत्र में पायलट की सभा रखी गई है। इसके बाद मारवाड़ और नहरी क्षेत्र में भी पायलट की सभाओं और किसान सभाओं के कार्यक्रम बन रहे हैं। पायलट समर्थक नेताओं ने प्रदेश भर में तैयारियां शुरू कर दी हैं। पश्चिमी जिलों में भी पायलट के प्रोग्राम बनाए जा रहे हैं। विधानसभा के बजट सत्र के बीच पड़ने वाली छुट्टियों में भी पायलट की सभाएं तय की जा रही हैं। जल्द पायलट की प्रदेश भर की सभाओं और दौरों के कार्यक्रम फाइनल होने वाले हैं।

ताकत दिखाने की तैयारी

सचिन पायलट खेमे की मांगें अब तक पूरी नहीं हो पाई हैं। ऐसे में फील्ड में इसे पायलट का शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। पायलट समर्थक नेता चुनाव से पहले फील्ड में

सक्रियता और जनाधार दिखाना चाहते हैं। इसी रणनीति के तहत उनकी सभाएं और बड़ी गेदरिंग वाले प्रोग्राम बनाए जा रहे हैं। इन सभाओं के सीधे तौर पर सियासी मायने हैं। इसे विरोधी खेमे को ताकत दिखाने और उसका अहसास करवाने से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

गहलोत खेमे से दूरियां बरकरार, टूट सकता है सियासी सीजफायर

सीएम अशोक गहलोत ने राहुल गांधी की यात्रा के राजस्थान आने से पहले नवंबर अंत में सचिन पायलट को गद्दार कहते हुए उनके पास विधायक नहीं होने का हवाला दिया था। उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनने देने के संकेत दिए थे। उस बयान पर कांग्रेस हाईकमान के नेताओं ने डैमेज कंट्रोल करते हुए दोनों नेताओं के बीच सियासी सीजफायर करवाया। क्योंकि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से पहले विवाद निपटाना जरूरी था। संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भारत जोड़ो यात्रा से सप्ताह भर पहले ही जयपुर आकर सुलह करवाई। दोनों नेताओं को एसेट बताकर मामला शांत करवाया। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा तक विवाद शांत रहा। अब यात्रा गुजरने के बाद गहलोत-पायलट खेमों के बीच मतभेद फिर गहराने के आसार बनते दिख रहे हैं। क्योंकि दोनों खेमें अड़े हुए हैं। रविवार को प्रदेश प्रभारी की बैठक में पायलट और उनके समर्थक बड़े नेताओं के नहीं पहुंचने को मतभेद गहराने से जोड़कर देखा जा रहा है।

श्री जैन सेवा संघ द्वारा प्रस्तावित महारैली पर निर्णय 17 के बाद

एक विशेष बैठक में संघ के प्रतिनिधियों ने लिया निर्णय

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन सेवा संघ, हैदराबाद, त्रयनगर के सभी संप्रदायो के जैन संघों, संस्थाओं व मंडलों को साथ लेकर हमेशा ही कार्य करता रहा है। संघ के उपाध्यक्ष ललित सुराणा एवं महामंत्री प्रशांत कोचेटा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति अनुसार पावन तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी एवं श्री शत्रुंजय महातीर्थ (पालीताणा) के रक्षार्थ 5 जनवरी को श्री जैन सेवा संघ प्रांगण में एक सभा रखी गई। इस सभा में भारत सरकार द्वारा जारी झारखंड सरकार को दिये गये निर्देशों पर सभा मे विचार विमर्श किया गया एवं केन्द्रीय मंत्री के सुझाव अनुसार प्रस्तावित 10 जनवरी की महा रैली को आगामी कुछ समय के लिए स्थगित किया गया। श्री जैन सेवा संघ की ओर से भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रीगण, झारखंड के मुख्यमंत्री, तेलंगाना के मुख्यमंत्री व मंत्री एवं संबंधित सभी सरकारी संस्थाओं को ज्ञापन दिया गया। श्री जैन सेवा संघ के प्रतिनिधि मंडल ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी एवं तेलंगाना सरकार के मंत्री केटी रामा राव से मुलाकात कर सभी तथ्यों को उनके सम्मुख रखकर ज्ञापन सौंपा गया। मंत्रीगण ने इस विषय पर संज्ञान लेते हुए जैन समाज को पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। उधर, नई दिल्ली में पर्यावरण पर्यटन की अधिसूचना को रद्द करने एवं जैन पवित्र तीर्थ स्थल की घोषणा करने के लिए 17 जनवरी को दिल्ली में एक बैठक झारखंड सरकार के प्रतिनिधि एवं जैन समाज के प्रतिनिधि के साथ विचार विमर्श कर इस विषय पर निर्णय लिया जायेगा। इन सभी विषयों पर संज्ञान लेते हुए एवं उपरोक्त माइनॉरिटी कमीशन की बैठक में लिए जाने वाले निर्णय के पश्चात आगामी रणनीति के तहत त्रय नगर के सकल जैन समाज से विचार विमर्श कर महा रैली पर निर्णय लिया जाएगा। अध्यक्ष गौतमचंद गुगलिया की अध्यक्षता में इस विशेष बैठक का आयोजन किया गया। सभा में श्री जैन सेवा संघ के अध्यक्ष के साथ-साथ चेयरमैन विनोद कीमती, उपाध्यक्ष किशोर संचेती, ललित सुराणा, महामंत्री प्रशांत कोचेटा, सहमंत्री नवीन कावड़िया, सुशील बोहरा, कोषाध्यक्ष मनोज तातेड़, कार्यकारिणी सदस्य पवन पांडिया, प्रवीण पांडिया एव पूर्व महामंत्री किशोर मुथा आदि उपस्थित थे तथा उपरोक्त निर्णय पर कई संघो के अध्यक्षों/मंत्रियों से भी विचार विमर्श कर निर्णय लिया गया।

वरंगल : एकेयूटी ने केयू कुलपति के खिलाफ शिकायत की

वारंगल, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। काकतीय विश्वविद्यालय (केयू) के कुलपति प्रोफेसर थाटिकोंडा रमेश पर संकाय सदस्यों को पदोन्नति देने में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए, एसोसिएशन ऑफ काकतीय यूनिवर्सिटी टीचर्स (एकेयूटी) के अध्यक्ष प्रोफेसर थौटम श्रीनिवास ने आयुक्त (कॉलेजिएट शिक्षा और तकनीकी) से मुलाकात की शिक्षा) नवीन मित्तल ने सोमवार को हैदराबाद में उन्हें ज्ञापन सौंपा। मंगलवार को एकेयूटी द्वारा एक प्रेस नोट में कहा गया कि काकतीय विवि में 28 दिसंबर 2022 को 11 प्राध्यापकों व चार वरिष्ठ प्राध्यापकों को प्रोन्नति दी गई, लेकिन एकेयूटी अध्यक्ष टी. श्रीनिवास और सचिव डॉ ममिडाला एतारी सहित तीन प्रोफेसरों को पदोन्नत नहीं किया गया है। इसकी याचिका आयुक्त नवीन मित्तल के साथ प्रस्तुत की गई। कुलसचिव की स्वीकृति के साथ कुलसचिव ने पिछले साल 20 जुलाई को विश्वविद्यालय के शिक्षकों की पदोन्नति के लिए करियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) परिपत्र जारी किया, जबकि कुलपति प्रो. तातीकोंडा रमेश, कुलसचिव प्रोफेसर श्रीनिवास राव ने भी वरिष्ठ प्राध्यापकों के लिए आवेदन किया था। यदि वीसी और रजिस्ट्रार आवेदक हैं तो नियमानुसार सरकार को सर्कुलर जारी होने से लेकर पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी होने तक एक अन्य प्रभारी वीसी नियुक्त करना होता है, लेकिन नियमों के विपरीत वे कार्यालय में बने रहे और उसका निष्पादन किया। उनकी इच्छा के अनुसार पदोन्नति की पूरी प्रक्रिया। प्रो श्रीनिवास ने कहा कि तीन शिक्षकों को पदोन्नति नहीं देना अनुचित है। यह यूजीसी के मानदंडों के खिलाफ है कि आवेदक स्वयं अपने पदोन्नति के नामों को मंजूरी देने की चयन समिति की प्रक्रिया में भाग लें। शासनादेश संख्या 15 एवं यूजीसी के नियमों के अनुसार प्राध्यापक से वरिष्ठ प्राध्यापक पद पर पदोन्नति के लिए गठित चयन समिति के पास प्राध्यापक या वरिष्ठ प्राध्यापक के रूप में 10 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। सरकार को किसी को प्रभारी कुलपति नियुक्त करना चाहिए।

'हिंदी केवल भारत की भाषा नहीं, पहचान भी'

एनएमडीसी में मना विश्वहिन्दी दिवस व मासिक हिंदी प्रतियोगिता

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर एनएमडीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक सुमित देब ने अपने संदेश में कहा कि हिंदी केवल हमारी भाषा ही नहीं, हमारी पहचान भी है। आज हिंदी वैश्विक फलक पर अपना परचम शान से फहरा रही है। इस उपलक्ष्य में एनएमडीसी लिमिटेड, हैदराबाद में हिंदी पहेली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों के समक्ष लिखित रूप में हिंदी की पहेलियां हल करने हेतु दी गई। प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन एवं सरलता हेतु प्रत्येक पहेली के सामने उसके उत्तरस्वरूप विकल्प भी दिए गए। प्रतिभागियों को सही विकल्प का चयन करना था। प्रतियोगिता हिंदीभाषी तथा हिंदीतर भाषी कार्मिकों के लिए पृथक रूप से आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्मिकों ने रूचि के प्रतिभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसके जैन, मुख्य महाप्रबंधक (खनन) ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तथा निर्णायक के रूप में डॉ. शशिकांत मिश्र, विभागाध्यक्ष (हिंदी), एवी कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एवं कामर्स, हैदराबाद तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में महेश एस. नायर, महाप्रबंधक (कार्मिक) ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की तथा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के प्रारंभ में रुद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उन्हें प्रतियोगिता से संबंधित जानकारी दी। एस.के. जैन ने प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए कहा कि एनएमडीसी में राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन निरंतर प्रगति पर है तथा इसके फलस्वरूप एनएमडीसी को स्थानीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर अनेकानेक पुरस्कार भी प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने विश्व भाषा के रूप में हिंदी के महत्व पर भी प्रकाश डाला। महेश नायर ने विश्व हिंदी दिवस एवं इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर गत माह सम्पन्न हुई चित्र अभिव्यक्ति प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को मंचासीन महानुभावों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता का संचालन डॉ. रजिन्दर कौर, प्रबंधक (राजभाषा) ने किया तथा आयोजन में राजेश कुमार गोंड, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), एस.के. सनोडिया, सहायक प्रबंधक (सचिवालयीन) एवं सुश्री बी. गौतमी, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने सहयोग प्रदान किया।

हिंदी प्रचार सभा में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद में विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रधान मंत्री जे. प्रेमकुमार, तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के मंत्री डॉ. सादिक पाशा ने सभा के समस्त कार्यकर्ताओं को बधाई दी। हर वर्ष 10 जनवरी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। इसे मानने का उद्देश्य दुनिया भर में फैले हिंदी जानकारों को एकजुट करना और हिंदी की आवश्यकता से अवगत कराना है। इस अवसर पर सभा के प्रधानमंत्री जे. प्रेम कुमार ने कहा कि अंग्रेजी भाषा भले ही दुनिया भर के कई देशों में बोली और लिखी जाती है, लेकिन हिंदी हृदय की भाषा है। तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के मंत्री डॉ. सादिक पाशा ने कहा कि विश्व में हिंदी अब तीसरे स्थान से दूसरे स्थान पर आने के लिए समसिद्ध हो चुकी है। विश्व में 80 करोड से भी ज्यादा लोग हिंदी बोलने, लिखने और समझने लगे हैं। सभा के रजिस्ट्रार नामदेव वाघमोडे ने कहा कि हिंदी विश्व में बोली जाती है पर अपने ही देश में उसे कमतर समझा जाता है। इस अवसर पर तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के कोषाध्यक्ष राममोहन चारी, सभा के कार्यालय मंत्री के. वेंकटेश तथा सभा के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज गच्ची बावली शाखा ने मनाया समारोह

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज गच्ची बावली शाखा एवं महिला शाखा का मकर संक्रांति एवं नव वर्ष उत्सव बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ।

सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन जी की पूजा अर्चना की गई, महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया गया। सर्वप्रथम उपाध्यक्ष गौरव गुप्ता ने शाखा अध्यक्ष केपी अग्रवाल को मंच पर बुलाया और नए सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया और परिचय कराया। गच्चीबोली महिला शाखा की उपाध्यक्ष कमलेश अग्रवाल एवं मानद मंत्री शालू गुप्ता ने दिया। जिसके लिए उन्हें महिला शाखा की अध्यक्ष गीता अग्रवाल ने पुरस्कृत भी किया। इसी के साथ गीता अग्रवाल ने महिलाओं एवं बच्चों को संबोधित करते हुए उनका स्वागत किया। उपाध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, भारती गर्ग ने गीत सुनाए। नेहा अग्रवाल ने महाराजा अग्रसेन पर बहुत ही सुंदर भजन सुनाया। आनंदी अग्रवाल ने सभी को एक शपथ दिलाई।

रेजरी खेजरी शीतला माता की बैठक की गई

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रेजरी खेजरी शीतला माता की बैठक हैदरगुड़ा स्थित होटल स्वाति में संपन्न हुई। पंकज कुमार संघी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आगामी 3 और 4 अप्रैल 2023 को रेजरी खेजरी माता के द्वार पर जाने का निर्णय लिया गया। सभी बंसल बंधुओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में रेजरी खेजरी मंदिर में पधार कर कार्यक्रम को सफल बनाएं और माता के सभी कार्यक्रम का लाभ उठाएं.इस समय माता के दरबार में सुमधुर भजनों का आयोजन किया जाएगा और दूसरे दिन चुनरी का जुलूस निकाला जाएगा। अवसर पर सुबोध संघी, अशोक बंसल, डॉ प्रताप नारायण संघी, पंकज कुमार संघी, प्रभात संघी, राजेंद्र संघी,अनिल संघी, महेश संघी, राजन संघी, दुर्गा प्रसाद बंसल, विवेक संघी, संजय संघी, श्रीमती निर्मला संघी, रुचिता संघी, रजनी बंसल आदि उपस्थित थे।

प्रत्येक छात्र को भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों को जानना चाहिए : जस्टिस वेणुगोपाल

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति ई.वी. वेणुगोपाल ने कहा कि प्रत्येक छात्र को भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों को जानना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि भारत का संविधान हर भारतीय नागरिक के अधिकारों जैसे कि समानता, स्वतंत्रता, धर्म की स्वतंत्रता, सांस्कृतिक और शैक्षिक और भेदभाव और शोषण के खिलाफ संवैधानिक उपायों को स्थापित करता है। हैदराबाद शहर के बाहरी इलाके में गुंडला पोचमपल्ली में डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल की 20वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस वर्षगांठ समारोह में छात्रों द्वारा भाषण, गीत, संगीत कार्यक्रम, नाटक और नृत्य प्रदर्शन ने सभी को प्रभावित किया। इसमें शिशिर अग्रवाल, मुख्य आयकर आयुक्त, अभिषेक अग्रवाल, कश्मीर फाइल्स के फिल्म निर्माता सम्मानित अतिथि के रूप में और डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल के अध्यक्ष दयानंद अग्रवाल, निदेशक अंजनी कुमार अग्रवाल, संजय कुमार अग्रवाल, गर्व अग्रवाल, स्कूल के प्रधानाचार्य शनमुगम परमशिवन मंच पर उपस्थित थे।

जियागुड़ा संजयनगर में संकष्टी चतुर्थी के अवसर पर अपनी संतान की मंगल कामना के लिए गौरी-गणेश पूजा की गई। इसमें भाग लेती हुईं श्रीमती संगीता, श्रीमती सुनिताबाई, श्रीमती संध्या सिंह व अन्य।

जिंदगी जीने की कला सिखाते हैं वेद व उपनिषद : स्वामी विवेकानंद परिव्राजक

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आर्य समाज, हैदराबाद के तत्वावधान में अध्यात्मिक प्रवचन श्रृंखला का कार्यक्रम जारी है, जो 12 जनवरी तक जारी रहेगा। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. धर्म तेजा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इसमें गुजरात के रोजड़ आर्य गुरुकुल से पधारे स्वामी विवेकानन्दजी परिव्राजक विभिन्न स्थानों पर अपने प्रवचनों से लोगों को लाभान्वित करा रहे हैं। संबंधित प्रवचन में स्वामी विवेकानंदजी परिव्राजक द्वारा मानव जीवन के महत्वपूर्ण अंशों तथा सत्संग संशयों पर प्रकाश डाला जा रहा है। जिनमें जन्म व मृत्यु के संशय से जुडे शरीर एक वाहन है, मोक्ष हमारा अपना घर है, जैसे हम यात्रा के दौरान अलग अलग होटल में निवास करते हैं, लेकिन उन उन स्थानों से मोह नहीं रखते अथवा अधिकार नहीं जमाते। ठीक इसी प्रकार हम एक आत्मा है यह शरीर नहीं है तथा साथ ही जैसे हम विदेश जाने के लिए अलग अलग वाहन बदलते हैं उसी प्रकार हम या हमारी आत्मा भी निज स्थान से मोक्ष के लिए विविध शरीर धारण करता है। भारतीय शिक्षा वेदों व उपनिषदों पर आधारित हैं, जो जिंदगी को जीने कला सिखाने में सक्षम है। बालकों के उज्ज्वल भविष्य हेतु कठोर अनुशासन की आवश्यकता आदि शामिल हैं।

अग्रणी महिला मंच का चतुर्थ वार्षिक उत्सव संपन्न

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच द्वारा चौथा वार्षिकी उत्सव आयोजित किया गया। मंच की अध्यक्षा श्रीमती सुमन भुवानिया ने कहा कि महिलाओं ने क्षेत्रीय वेशभूषा धारण कर कार्यक्रम में खूब मस्ती की। अर्ली बर्ड गेम में शीतल रुंगटा एवं मयूरी विजेता रही। ग्रुप गेम में मस्तनी टीम जिसमें रानी मित्तल, शीतल रुंगटा, राखी सुरेखा, माया मित्तल अन्य विजेता रहे। कार्यक्रम में 200 से ऊपर महिलाओ ने भाग लिया। प्रांतीय वेशभूषा रैम्पवॉक में अर्चना शास्त्री एवेम अनिता मंडोतिया विजेता रही। महिलाओ को सरप्राइज गिफ्ट दिए गए। महिलाओं ने क्षेत्रीय गानों पर डांस किया।

सुमन भुवानिया द्वारा अग्रणी महिला मंच की सभी कार्यकारिणी पुष्प एवम बैग देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कार्यकारिणी द्वारा रजिस्टरेशन पर सुनयना नारसरिया, रूपा गुप्ता एवं पवन भुवानिया ने संभाला। गेम्स का कार्यभार रितु गर्ग ,बबिता गर्ग, रूपा गुप्ता, चचल अग्रवाल , रितु गोयल ने संभाला।तम्बोला का कार्यभार प्रीति गोयल, सोनिया गोयल ने संभाला ।अंत मे रीता अग्रवाल, कोमल अग्रवाल, पायल अग्रवाल के धन्यवाद से कार्यक्रम का समपं हुआ। कार्यक्रम में पवन भुवानिया, मुकेश गुप्ता का सहयोग रहा।

कंटी वेलुगु के संदर्भ में विधायक व पार्षद ने की बैठक

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह और जांबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल ने कंटी वेलुगु कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए जीएचएमसी अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान कांति वेलुगु की सफलता के लिए अधिकारियों को मानवीय दृष्टिकोण से काम करने को कहा गया। कंटी वेलुगु ऐप वाले मोबाइल टैब मेडिकल स्टाफ को बांटे गए हैं। अधिकारियों को सभी मंडलों के गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र में कांटी वेलुगु शिविरों के बारे में अग्रिम जानकारी देने का निर्देश दिया गया है। इस अवसर पर मंगलहाट की पार्षद श्रीमती शशिकला कृष्णा भी उपस्थित रहीं।

मलकपेट गवर्नमेंट हाईस्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में, अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के भाग के रूप में, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद द्वारा गवर्नमेंट हाईस्कूल, मलकपेट में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. वी. श्रीदेवी प्रभारी अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद की एक टीम के सदस्यों के. श्रीनिवास राव, पुस्तकालयध्यक्ष, डॉ. एम. शिव कृष्ण, डॉ. एल.वी. श्रीवाणी, रवि बाबू, छायाचित्रकार के साथ प्रभारी प्राचार्य राजू ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, रागुलु (फिंगर मिलेट), अरेकालू (कोदो मिलेट), कोरालू (फॉक्सटेल मिलेट), समालू (लिटिल मिलेट), ओडालू (बार्नयार्ड मिलेट),सज्जलू (मोती बाजरा), ज्वार (सोरघम), वरिगालु (प्रोसो बाजरा) जैसे पोषक अनाज प्रदर्शित किए गए हैं और छात्रों को दैनिक आहार में उनके महत्व को समझाया गया है।

अभा संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक व तकनीकी संगोष्ठी आज से

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय, रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) की हैदराबाद क्लस्टर-2 की प्रयोगशालाएँ- डीआरडीएल, डीएमआरएल, चेस, कैस तथा डीवाईएलएल (स्मार्ट सामग्री) के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार एवं गुरुवार 11 व 12 जनवरी 2023 को प्रातः 09.30 बजे से दो दिवसीय अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठी प्रभव-1 का आयोजन रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) के सेमिनार कक्ष/मिसाइल रिव्यू कक्ष, कंचनबाग, हैदराबाद (तेलंगाना) में संपन्न होगा। संगोष्ठी के विषय हैं 'वैश्विक सामरिक चुनौतियाँ और डीआरडीओ', 'स्वतंत्रता पूर्वकाल में भारतीय वैज्ञानिकों का योगदान', 'अमृतकाल और राजभाषा के बढ़ते कदम', 'भारत के स्वतंत्रता सेनानी एवं हिंदी के प्रति उनकी जागरूकता' आदि। आज यहाँ जारी एवं संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए संगोष्ठी अध्यक्ष श्रनरेंद्र काले, वैज्ञानिक-जी और संगोष्ठी संयोजक डॉ अर्चना पाण्डेय, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने बताया कि इस दो दिवसीय अखिल भारतीय संगोष्ठी में देशभर के 70 शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

जियागुड़ा स्थित समर्थ कामधेनु गौशाला में गोसेवा गौ आरती कार्यक्रम में भाग लेती हुईं साध्वी कपिला गोपाल सरस्वती आस्था दीदी। साथ में हैं प्रभुदत्त महाराज, जसमत पटेल, परमेश्वरी शर्मा, तरुण मेहता, वेंकट व अन्य।

टीम इंडिया ने जीता साल का पहला वनडे

श्रीलंका को 67 रन से हराया, 4 साल बाद कोहली का घर में शतक

गुवाहाटी, 10 जनवरी (एजेंसियां)। विराट कोहली (87 गेंदों पर 113 रन) के शतक के दम पर टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप के साल का पहला वनडे जीत लिया है। टीम ने श्रीलंका को 3 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में 67 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दूसरा मुकाबला 12 जनवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा।

गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 373 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में श्रीलंका आठ विकेट पर 306 रन ही बना सकी। उसके कप्तान दसुन शनाका (108) ने दूसरा वनडे शतक जमाया। उन्होंने 9वें विकेट के लिए कसुन रजिथा के साथ 73 गेंदों पर 100 रन की

साझेदारी कर मेजबान टीम के जीत के इंतजार को बढ़ा दिया।

जीत के हीरो

1. विराट कोहली

विराट कोहली ने 87 गेंदों पर 113 रन की पारी खेली। उन्होंने 45वां वनडे शतक बनाया। घर में चार साल बाद कोहली के बल्ले से शतक आया है। कोहली के अलावा कप्तान रोहित शर्मा (83 रन) ने 47वां वनडे अर्धशतक बनाया। जबकि शुभमन गिल (70 रन) ने 5वीं फिफ्टी जमाई। केएल राहुल ने 39 और श्रेयस अय्यर ने 28 रन का योगदान दिया।

2. उमरान की गेंदबाजी

तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने सटीक गेंदबाजी की। उन्होंने 8 ओवर में 57 रन खर्च कर 3 विकेट लिए। उमरान के अलावा मोहम्मद सिराज को 2 विकेट मिले। मोहम्मद शमी, हार्दिक पंड्या और युजवेंद्र चहल के हिस्से एक-एक विकेट आए।

ऐसे गिरे श्रीलंका के विकेट

पहला: मोहम्मद सिराज ने चौथे ओवर की 5वीं बॉल पर अविष्का फर्नांडो को हार्दिक पंड्या के हाथों कैच कराया।

दूसरा : छठे ओवर की तीसरी बॉल पर सिराज ने कुसल मेंडिस को बोल्ड कर दिया।

तीसरा : 14वें ओवर की आखिरी बॉल पर उमरान मलिक ने चरिथ असलंका को विकेट के पीछे राहुल के हाथों कैच कराया।

चौथा : 25वें ओवर की 5वीं बॉल पर धनंजय डी सिल्वा को मोहम्मद शमी ने केएल राहुल के हाथों कैच कराया।

पांचवां : उमरान मलिक ने 31वें ओवर में पथुम निसंका को अक्षर पटेल के हाथों मिडविकेट की दिशा में कैच कराया।

छठा : वनिंदु हसरंगा को चहल ने श्रेयस अय्यर के हाथों कैच कराया।

सातवां : दुनिथ वेलालगे (शून्य) को उमरान मलिक ने शुभमन गिल के हाथों कैच कराया।

आठवां : पंड्या ने 38वें ओवर में करुणारत्ने को रोहित शर्मा के हाथों कैच कराया।

यहां से भारतीय पारी...

रोहित-गिल के बीच शतकीय साझेदारी

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी रही। ओपनर रोहित शर्मा ने 47वीं फिफ्टी जड़ी। शुभमन गिल ने भी अर्धशतक जमाया। दोनों ने 118 गेंद में 143 रन जोड़े। रोहित ने 27वीं बार ओपनिंग करते हुए 100+ की पार्टनरशिप की है। वे 18 बार शिखर धवन, 5 बार केएल राहुल और 3 बार अजिंक्य रहाणे के साथ भी 100 रन की साझेदारी कर चुके हैं।

पांच महीने बाद वापसी कर रहीं पीवी सिंधू

मलयेशिया ओपन में खिताब पर होगी निगाह

खेल डेस्क, 10 जनवरी (एजेंसियां)। सिंधू ने पिछला मुकाबला अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में खेला था। मारिन के साथ उनकी अच्छी टक्कर होने की संभावना है। मारिन ने पिछली तीन भिड़ंत में सिंधू को हराया है।

चोट ठीक होने के बाद स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू पांच महीने बाद फिर से मैदान पर उतर रहीं हैं। उनके लिए मंगलवार से शुरू हो रही मलयेशिया ओपन चैंपियनशिप में चुनौती आसान नहीं होगी। इसके अलावा अन्य भारतीय खिलाड़ियों लक्ष्य सेन और एच एस प्रणय की निगाह नए साल में जीत से शुरुआत करने पर होगी। पिछला वर्ष भारतीय बैडमिंटन के लिए अच्छा रहा था।

इस वर्ष भी भारतीय खिलाड़ी उसी सिलसिले को जारी रखना चाहेंगे। मई से पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन अवधि शुरू हो जाएगी। रैंकिंग अंक दांव पर होंगे। मलयेशिया ओपन में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन, मलयेशिया के ली जि जिया के अलावा अकाने

यामागुची, तेई जू यिंग भी इस सुपर 1,000 टूर्नामेंट में भाग लेंगे। दो बार ओलंपिक पदक जीत चुकीं सिंधू टखने की चोट से फिट होने के बाद लौट रही हैं। उनका पहला मैच पूर्व विश्व चैंपियन स्पेन की कैरोलिना मारिन के साथ होगा।

सिंधू ने पिछला मुकाबला अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में खेला था। मारिन के साथ उनकी अच्छी टक्कर होने की संभावना है। मारिन ने पिछली तीन भिड़ंत में सिंधू को हराया है। उनका भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ 9-5 का जीत-हार का रिकॉर्ड है। महिला एकल में साइना नेहवाल, आकर्षी कश्यप और मालविका बनसोड भी रेस में शामिल हैं। साइना की पहली टक्कर चीन की हेन युई, आकर्षी की चीन ताइपे की सू वेन चेई और मालविका की कोरियाई एन से यंग से होगी।

लक्ष्य की पहली टक्कर प्रणय से

पुरुष एकल में दुनिया के दसवें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य का सामना पहले दौर में दुनिया के 8वें नंबर के खिलाड़ी हमवतन प्रणय से होगा। इस बीच दुनिया के पूर्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत पहले दौर में जापान के गैर वरीय केंता निशिमोतो से मुकाबला करेंगे। यदि श्रीकांत ये मैच जीतते हैं तो दूसरे दौर में उनके सामने पांचवीं वरीता के जोनाथन क्रिस्टी होंगे। गत चैंपियन एक्सेलसन भी इसी क्वार्टर में हैं।

युगल में सात्विक-चिराग से हैं उम्मीदें

युगल में राष्ट्रमंडल चैंपियन दुनिया के पांचवें नंबर के सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी के सामने पहले मैच में दक्षिण कोरिया की चोई सोल ग्यू और किम वेन हो की जोड़ी होगी। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता सात्विक-चिराग यदि शुरुआती दौर की बाधा पार करते हैं तो क्वार्टर फाइनल में उनके सामने स्थानीय दावेदार आरोन चिया और सोह वूई यिक होंगे। सात्विक-चिराग ने पिछले साल इंडिया ओपन और फ्रेंच ओपन के खिताब भी जीते थे। महिला युगल में त्रिशा जौली और गायत्री गोपीचंद हांगकांग की युइंग नगा टिंग और युइंग पुई लैम के साथ पहले दौर में खेलेंगी। मिश्रित युगल में इशान भटनागर और तनीषा क्रेस्टो नीदरलैंड की रोबिन टेबलिंग और सेलेना के सामने होंगी।

पाकिस्तान ने जीता कराची वनडे: न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया

नसीम को 5 विकेट; रिजवान, बाबर, फखर के अर्धशतक

कराची, 10 जनवरी (एजेंसियां)। टेस्ट सीरीज 0-0 से ड्रॉ कराने के बाद पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को पहला वनडे 6 विकेट से हरा दिया। न्यूजीलैंड से मिले 256 रन के टारगेट को पाकिस्तान ने 48.1 ओवर में हासिल कर लिया। उनके लिए विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान, कप्तान बाबर आजम और ओपनर फखर जमान ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। पहली पारी में 5 विकेट लेने वाले नसीम शाह प्लेयर ऑफ द मैच रहे। 3 वनडे की सीरीज का दूसरा मैच 11 जनवरी को कराची के नेशनल स्टेडियम में ही खेला जाएगा।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले ही ओवर में ओपनर डेवोन कॉन्वे को नसीम ने गोल्डन डक पर बोल्ड कर दिया। कप्तान केन विलियमसन (26) ने फिन एलन के साथ 37 रन जोड़े। लेकिन, एलन भी 29 रन बनाकर पावरप्ले में ही चलते बने। मिडिल ऑर्डर में डेरिल मिचेल ने 36, विकेटकीपर टॉम लैथम ने 42, ग्लेन फिलिप्स ने 37, मिचेल सेंटनर ने 21 और टिम साउदी ने 15 रन बनाए। माइकल ब्रेसवेल ने सबसे ज्यादा रन 43 बनाए। वहीं, लॉकी फर्ग्यूसन एक रन बनाकर नॉटआउट रहे और हेनरी शिप्ले शून्य के स्कोर पर आउट हो गए। पाकिस्तान के लिए नसीम शाह ने 5 विकेट लिए। डेब्यू कर रहे लेग स्पिनर उसामा मिर ने कप्तान विलियमसन और लैथम के विकेट लिए। मोहम्मद नवाज और मोहम्मद वसीम को एक-एक सफलता मिली। पाकिस्तान की दमदार गेंदबाजी के आगे न्यूजीलैंड 50 ओवर में 9 विकेट पर 255 रन ही बना सका।

256 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ने पावरप्ले में इमाम-उल-हक (11) का विकेट गंवा दिया। फिर फखर जमान (56) ने बाबर आजम (66) के साथ 78 रन की पार्टनरशिप की। फखर के आउट होने के बाद बाबर ने मोहम्मद रिजवान (77) के साथ 60 रन जोड़े। रिजवान ने हारिस सोहेल (32) के साथ 64 रन की पार्टनरशिप की और टीम को जीत की ओर ले गए। आखिर में रिजवान ने आगा सलमान (13) के साथ टीम को जीत दिला दी। पाकिस्तान ने 48.1 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 258 रन बनाए।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला मैच मिस कर सकते हैं स्टार्क

तेज गेंदबाज ने कहा- 'शायद, मैं खेल नहीं पाऊंगा'

मेलबर्न, 10 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले महीने 9 फरवरी से शुरू होने जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला मुकाबला मिस कर सकते हैं। कारण, उनकी अंगुली की चोट है। जो उन्हें साउथ अफ्रीका-ऑस्ट्रेलिया बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन लगी थी।

ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस को दिए इंटरव्यू में स्टार्क ने कहा- 'आशंका है (मैं पहले टेस्ट में नहीं खेल पाऊंगा)। देखते हैं महीने के अंत में स्थिति कैसी रहती है। मेरे

दूसरे टेस्ट से उपलब्ध रहने की संभावना है।'

स्टार्क ने कहा, 'उम्मीद करता हूं कि अगर वे चाहते हैं कि मैं खेलूं तो मैं दूसरे टेस्ट के लिए वहां रहूंगा। हम देखेंगे कि अंगुली की स्थिति कैसी रहती है।'

ग्रीन का भी खेलना तय नहीं

स्टार्क के अलावा कैमरन ग्रीन के खेलने पर भी संशय है। ग्रीन भी मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में अंगुली फ्रैक्चर करा बैठे थे। उनकी अंगुली में एनरिक नॉर्किया की बाउंसर लगी थी। इन दोनों के अलावा भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खेलने पर भी संशय है।

हॉकी- ओलिंपिक जैसी कामयाबी वर्ल्ड कप में नहीं

भारत अब तक सिर्फ एक बार चैंपियन बना, 48 साल से कोई मेडल नहीं

खेल डेस्क, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भुवनेश्वर और राउरकेला में 13 जनवरी से 15वें हॉकी वर्ल्ड कप की शुरुआत होगी। 29 जनवरी तक खेले जाने वाले वर्ल्ड कप की मेजबानी भारत को चौथी बार मिली है। हॉकी में स्वर्णिम इतिहास के बावजूद भारत इस टूर्नामेंट में अब तक विशेष कामयाबी हासिल नहीं कर सका है। ओलिंपिक में 8 बार गोल्ड मेडल जीतने वाला भारत सिर्फ 1975 में हॉकी का वर्ल्ड चैंपियन बन पाया। तब से 48 साल बीत चुके हैं और भारत को हॉकी वर्ल्ड कप में तीसरा स्थान तक नसीब नहीं हुआ है। इस स्टोरी में हम जानेंगे कि वर्ल्ड कप में हमारा प्रदर्शन कमजोर क्यों रहा है। साथ ही यह भी देखेंगे कि इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा चार बार खिताब जीतने वाला पाकिस्तान इस बार हिस्सा क्यों नहीं ले रहा है?

जब हम खेल में कमजोर हो रहे थे तब यह टूर्नामेंट शुरू ही हुआ

वर्ल्ड कप में भारत के कमजोर प्रदर्शन के पीछे सबसे बड़ी वजह यह है कि जब इस टूर्नामेंट की शुरुआत हुई लगभग उसी समय हमारा खेल ढलान पर आने लगा था। भारत 1920 से लेकर 1960 के दशक तक हॉकी प्लेइंग कंट्रीज में सबसे मजबूत रहा था। लेकिन, 1970 के दशक से धीरे-धीरे भारतीय खेल के स्तर में गिरावट आने लगी थी। पहला हॉकी वर्ल्ड कप ही 1971 में आयोजित हुआ।

पहले एडिशन में भारत ने ब्रॉन्ज जीता था। दूसरे वर्ल्ड कप में हमें

सिल्वर मिला और तीसरे एडिशन में हम चैंपियन बने। इसके बाद भारत के हाथ कुछ नहीं लगा।

एस्ट्रोटर्फ ने स्थिति और भी खराब कर दी

70 के दशक में हॉकी का खेल घास के मैदान से शिफ्ट होकर एस्ट्रो टर्फ की ओर शिफ्ट होने लगा था। 80 का दशक आते-आते घास पर हॉकी का आयोजन बंद होने लगा। भारत को इसका सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। घास पर खेल धीमा होता था और ड्रिबलिंग स्किल और पासिंग का बेहतर होना ज्यादा जरूरी थी। एशियाई खिलाड़ी ड्रिबलिंग और पासिंग में माहिर थे। इसलिए जब तक खेल घास पर हुआ भारत और पाकिस्तान हॉकी में सुपर पावर बने रहे। पहले पांच वर्ल्ड कप घास के मैदान पर हुए। इनमें चार खिताब एशियाई देशों ने जीते। तीन बार पाकिस्तान चैंपियन रहा था और एक बार भारत। लेकिन, एस्ट्रो टर्फ पर हॉकी तेज होती थी। इसमें स्किल से ज्यादा पावर और स्टैमिना अहम हो गया। एस्ट्रो टर्फ आने के बाद पाकिस्तान सिर्फ एक बार टूर्नामेंट जीत पाया और भारत पूरी तरह से खाली हाथ रहा।

कॉमनवेल्थ गेम्स में एक भी गोल्ड नहीं

1998 में पहली बार पुरुष हॉकी को कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल किया गया। तब से सातों गोल्ड मेडल ऑस्ट्रेलिया ने ही जीते। भारत ने 3 बार सिल्वर मेडल जीते और 2 बार चौथे स्थान पर रहा। इंग्लैंड ने सबसे ज्यादा 4 बार ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। हम इस बार के बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स का फाइनल मुकाबला भी हार गए थे।

टोक्यो ओलिंपिक से बदली है स्थिति

लंबे समय तक संघर्ष करने के बाद अब भारतीय टीम अब एस्ट्रो टर्फ की रफ्तार का मुकाबला करने में सक्षम होने लगी है। टोक्यो ओलिंपिक (2021) में भारत ने ब्रॉन्ज जीता। 31 साल बाद भारत ने ओलिंपिक में कोई मेडल जीता। अब उम्मीद की जा रही है कि वर्ल्ड कप में भी टीम बेहतर खेल दिखलाएगी।

इस बार पाकिस्तान नहीं कर सका क्वालिफाई

एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट होता है। इसमें टॉप-4 में रहने वाली टीमें वर्ल्ड कप का टिकट हासिल करती है। पाकिस्तान की टीम पिछले एशिया कप में टॉप-4 में नहीं पहुंच पाई, लिहाजा वह वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी।

इस बार टीम इंडिया इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के ग्रुप में

13 जनवरी से शुरू होने वाले इस बार के वर्ल्ड कप में भारत, इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स ग्रुप-4 में है। 16 टीमों को 4 अलग-अलग ग्रुपों में बांटा गया है। 22 जनवरी से नॉकआउट स्टेज शुरू होगा। 24 और 25 जनवरी को क्वार्टर फाइनल मुकाबले होंगे। 27 जनवरी को दोनों सेमीफाइनल मुकाबले होंगे।29 जनवरी को शाम 7 बजे भुवनेश्वर में फाइनल मैच खेला जाएगा। टूर्नामेंट के मैच दोपहर 1, 3, 5 और शाम 7 बजे से होंगे। मैच में 15-15 मिनट के 4 क्वार्टर खेले जाएंगे। थर्ड प्लेस का मैच भी 29 जनवरी को ही फाइनल से पहले होगा।

फ्रांसिसी कप्तान ह्यूगो लोरिस ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लिया

कतर फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में अर्जेंटीना से मिली थी हार

पेरिस, 10 जनवरी (एजेंसियां)। फ्रांस फुटबॉल टीम के कप्तान ह्यूगो लोरिस ने सोमवार को इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। 36 साल के लोरिस 16 साल तक फ्रेंच टीम के साथ जुड़े रहे। उन्होंने 2018 में विश्व कप और 2020-21 में नेशंस लीग जीता। लोरिस ने नवंबर 2008 में 21 साल की उम्र में उरुग्वे के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच से अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। वह वर्ल्ड कप में फ्रांस के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने लिलियन थुरम के 142 मैचों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा था। पिछले फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में उतरने के साथ ही लोरिस ने फ्रांस के लिए 145वां मैच खेला। लोरिस की कप्तानी में पिछले साल

कतर में हुए फीफा वर्ल्ड कप में फ्रांस की टीम फाइनल में पहुंची। हालांकि, फाइनल में उसे पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में एक्स्ट्रा टाइम तक दोनों टीमों ने 3-3 गोल करके बराबरी हासिल की थी। पेनल्टी शूट आउट में अर्जेंटीना 4 गोल करने में सफल हुई, जबकि फ्रांस की टीम 2 ही गोल कर पाई। इस तरह फ्रांस को 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। लोरिस ने अपनी कप्तानी में फ्रांस को लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचाया। वह दुनिया के चौथे कप्तान रहे जिसने यह कारनामा किया। लोरिस की कप्तानी में 2018 वर्ल्ड कप में फ्रांस विजेता रही, जबकि 2022 वर्ल्ड कप में रनरअप रही।

मलयेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की खराब शुरुआत

साइना-श्रीकांत पहले राउंड से ही बाहर

खेल डेस्क, 10 जनवरी (एजेंसियां)। पहला गेम गंवाने के बाद दुनिया की 30वें नंबर की खिलाड़ी साइना ने वापसी करते हुए महिला एकल के पहले दौर के मैच में निर्णायक मुकाबले में वापसी की। हालांकि, 2012 की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता आगे की राउंड में पिछड़ गईं। शीर्ष भारतीय शटलर साइना नेहवाल और किदांबी श्रीकांत का खराब प्रदर्शन जारी है। ये दोनों मंगलवार को 1,250,000 डॉलर इनाम वाले मलयेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के पहले दौर में हारकर बाहर हो गये। दो बार की राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन साइना चीन की हान यू से 12-21 21-17 12-21 से हार गईं। साइना पिछले कुछ वर्षों में कई बार चोट से जूझ चुकी हैं। साथ ही वह खराब फॉर्म से भी गुजर रही हैं। 2022 में भी साइना का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था।

पहला गेम गंवाने के बाद दुनिया की 30वें नंबर की खिलाड़ी साइना ने वापसी करते हुए महिला एकल के पहले दौर के मैच में निर्णायक मुकाबले में वापसी की। हालांकि, 2012 की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता आगे की राउंड में पिछड़ गईं। दुनिया के पूर्व नंबर एक श्रीकांत का प्रदर्शन और खराब रहा। विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीत चुके श्रीकांत को जापान के केंता निशिमोटो ने लगातार दो गेमों में 21-19, 21-14 से हराया। वर्ल्ड रैंकिंग में 13वें नंबर के श्रीकांत ने शुरुआती गेम में कड़ी टक्कर दी, लेकिन निशिमोटो बढ़त लेने में सफल रहे। दूसरे गेम में दोनों शटलर 12-12 से बराबरी पर थे, लेकिन जापानी खिलाड़ी वहां से मुकाबला जीतकर ले गए।

हाईकोर्ट का सीएस को तत्काल में आंप्र भेजने का आदेश राज्य सरकार के लिए अपमान : गुडूर

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के राज्य के वरिष्ठ नेता गुडूर नारायण रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि मुख्य सचिव सोमेश कुमार के कैडर के मुद्दे पर उच्च न्यायालय का फैसला मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और राज्य सरकार के लिए अपमानजनक है। एक मीडिया बयान में उन्होंने कहा कि कम से कम अब तो मुख्यमंत्री को संविधान और कानूनों का मखौल उड़ाने से बाज आना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकार की गरिमा को बनाए रखने के लिए सीएम को रूल बुक का सख्ती से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आशीर्वाद से तेलंगाना कैडर पर लटके मुख्य सचिव सोमेश कुमार के लिए हाईकोर्ट का फैसला मुंह पर तमाचा है। नारायण रेड्डी ने कहा कि मैं सोमेश कुमार को सलाह देता हूं कि अदालत में अपील के लिए गए बिना अपने

मूल आवंटित कैडर, आंध्र प्रदेश में वापस चले जाएं। उन्होंने कहा कि सोमेश कुमार तेलंगाना कैडर में बने हुए हैं, हालांकि उन्हें तत्कालीन संयुक्त आंध्र प्रदेश के विभाजन के दौरान आंध्र प्रदेश को आवंटित किया गया था। हालांकि, वह एपी नहीं गए और तेलंगाना की सेवाओं में बने रहे। भले ही केंद्र जोर दे रहा है कि उन्हें आंध्र प्रदेश जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने इसकी परवाह नहीं की। भाजपा नेता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राज्य सेवा में सोमेश कुमार के बने रहने का रोना रो रही है क्योंकि इससे तेलंगाना कैडर के अधिकारियों का मनोबल गिरेगा। उन्होंने कहा कि सीएम को खुश कर सीएस राज्य में बने रहे। तीखी टिप्पणी में नारायण रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने लाभ के लिए सोमेश कुमार जैसे अधिकारियों को लाड़-प्यार कर रहे हैं और भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त हैं।

इसी तरह मुख्यमंत्री सेवानिवृत्त आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को अपने स्वयं के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त कर रहे हैं। सलाहकारों को राज्य में कानून के शासन का सम्मान करने के लिए अपने कार्यालयों को अपने दम पर त्याग देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त एआईएस अधिकारी सलाहकार पदों को स्वीकार करने के बजाय बड़े वित्तीय पैकेज की पेशकश करने वाली कॉर्पोरेट कंपनियों में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के अड़ियल तरीकों से प्रदेश भ्रष्ट अधिकारियों की शरणस्थली बन गया है। कुछ अधिकारियों ने अकूत संपत्ति अर्जित की है और अपने उत्तरदायित्वों के साथ अन्याय कर रहे हैं।

नारायण रेड्डी ने कहा कि राज्य के अधिकांश एआईएस अधिकारी अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को भूल गए हैं और केवल सत्ताधारी भारत राष्ट्र समिति की भलाई के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के कई वरिष्ठ एआईएस अधिकारियों को केंद्रीय पदों पर नियुक्त नहीं किया गया है और वे अपना गुस्सा खुलकर निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएस के करीबी अधिकारियों को अहम विभाग दिए गए।

रेवंत ने सीएस सोमेश कुमार के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग की

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने आज मांग की कि केंद्र सरकार मुख्य सचिव सोमेश कुमार के खिलाफ सीबीआई जांच का आदेश दे। उन्होंने यह मांग उच्च न्यायालय के राज्य में उनके बने रहने को रद्द करने और केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के एपी कैडर में वापस भेजने के आदेशों को बरकरार रखने के आदेशों के मद्देनजर की।

उन्होंने यह भी कहा कि धरणी पोर्टल शुरू करने जैसे सोमेश कुमार के विवादास्पद फैसलों की भी जांच होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि सीएस ने सीसीएलए और रेरा के प्रमुख के रूप में भी काम किया है। यह मांग उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से की है। रेड्डी ने कहा कि वह सीएस के खिलाफ हाईकोर्ट के आदेश का स्वागत करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सोमेश बिहार राज्य के अधिकारियों के गिरोह का नेता था। उन्होंने यह भी मांग की कि सीएस द्वारा शुरू किए गए धरनी पोर्टल को तत्काल समाप्त किया जाए।

सीएस के मामले में एनवीएसएस ने सीएम केसीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेता और पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने आज आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना में मुख्य सचिव सोमेश कुमार को बनाए रखा क्योंकि वह उन्हें पसंद करते हैं। प्रभाकर ने ये टिप्पणी सोमेश कुमार को उनके मूल एपी कैडर में वापस जाने के लिए उच्च न्यायालय के फैसले का जवाब देते हुए की। उन्होंने कहा कि एचसी ने सोमेश कुमार द्वारा दायर याचिका को भी खारिज कर दिया, जिसमें केंद्रीय प्रशासन न्यायाधिकरण (सीएटी) के आदेशों को रद्द करने का आग्रह किया गया था, जिसमें उन्हें अपने मूल कैडर में वापस जाने के लिए कहा गया था। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया और कहा कि केंद्र सरकार ने भारतीय संविधान के जनादेश के अनुसार सोमेश कुमार को एपी कैडर आवंटित किया था। खम्मम जिले में बीआरएस पार्टी की आगामी जनसभा पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने राज्य के वाम दल के नेताओं के अनुरोध के अनुसार बैठक रखी है। मुख्यमंत्री के खम्मम जनसभा के मंच से किसानों को रास्ता दिखाने के बयान का जिक्र करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा कि क्या वह राज्य के किसानों को हथकड़ी लगाने का अपना कृत्य भूल गए हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित बैंकों द्वारा उनकी पासबुक जब्त किए जाने से किसान हताश हैं। कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि पुरानी पार्टी के नेता केसीआर का समर्थन कर रहे थे और कहा कि जब बीआरएस पार्टी ने राज्य के अपने 12 विधायकों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया तो कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी विधायकों को सदन से अयोग्य ठहराए जाने पर उनमें विश्वास पैदा करने में विफल रही है।

बंडी ने सीएस से पद छोड़ने की मांग की

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज मांग की कि राज्य के मुख्य सचिव तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे दें, क्योंकि उच्च न्यायालय ने तेलंगाना में उनके पद पर बने रहने को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है । आज यहां एक बयान में संजय ने यह भी मांग की कि राज्य सरकार उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार सोमेश कुमार को पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित करे। उन्होंने कहा कि 2014 में राज्य के विभाजन के बाद डीओपीटी द्वारा उनके आवंटन के बाद भी तेलंगाना में एपी कैडर के आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को जारी रखना राज्य सरकार की ओर से अनैतिक और अलोकतांत्रिक था।

राजधानी में इस साल सुरक्षा और पुख्ता करने की तैयारी

सीपी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इस वर्ष के लिए एक व्यापक कार्य योजना के माध्यम से, हैदराबाद सिटी पुलिस राज्य की राजधानी में सुरक्षा को और बढ़ाने के लिए साहसिक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है। इसी क्रम में नगर पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद की अध्यक्षता में यहां सीसीएस बिल्डिंग, बशीरबाग में हुई बैठक में सभी एलएंडओ, ट्रैफिक, टास्कफोर्स, एच-न्यू डीसीपी और अन्य विंगों ने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूर्व-निर्धारित समयसीमा के साथ-साथ अपनी-अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत की। जबकि बैठक के प्रारंभिक दायरे में अपराध की रोकथाम और पता लगाने, लंबित मंजूरी, दृश्य पुलिसिंग को बढ़ाने जैसे सामान्य मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग से लेकर साइबर अपराध और महिलाओं तक सभी नागरिकों को प्रभावित करने वाली परस्पर चुनौतियों की एक विस्तृत श्रृंखला को संबोधित करने के लिए अपना ध्यान केंद्रित किया। इस वर्ष में, एचसीपी की साइबर अपराध शाखा क्षमता निर्माण में सुधार करने, साइबर अपराध जांच सहायता केंद्र स्थापित करने, साइबर अपराध की जांच से निपटने के लिए पीएस कर्मचारियों की मदद करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस बैठक के दौरान नवीनतम सॉफ्टवेयर, गैजेट्स की खरीद के लिए औपचारिक स्वीकृति भी प्रदान की गई। सीपी आनंद ने सभी जोनल डीसीपी को एक महीने के भीतर सभी कॉलेजों और इस साल के अंत तक स्कूलों में एडीसी शुरू करने का निर्देश दिया है। कार्य योजना में कई लक्ष्यों और पहलों अतिरिक्त फंडिंग, पुलिस इन्फ्रा अपग्रेडेशन, आंतरिक संचालन को बढ़ाने के माध्यम से उन्नत किया जाने का प्रस्ताव है। विभिन्न धार्मिक त्योहारों के साथ, एक ही तिथि पर होने वाले जुलूस, सामुदायिक संबंधों को मजबूत करने, बोर्ड पर सक्रिय युवाओं के साथ शांति समितियों का पुनर्गठन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। एचसीपी की सभी इकाइयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, चैट बॉट्स, डिजिटल लाइब्रेरी के रखरखाव और एंटरप्राइज सिस्टम की तैनाती जैसे महत्वपूर्ण आईटी अपग्रेड पाइपलाइन में हैं। दवा निर्माण इकाइयां, पूर्ववर्ती रसायनों की निगरानी, दोषी अपराधियों पर पीडी अधिनियम लागू करना, विदेशियों का निर्वासन प्रमुख रणनीतिक कदम हैं जो एच-न्यू इस वर्ष में उठाएगा कार्यालय डिजिटलीकरण और स्वचालन, अभियान चलाने के लिए सोशल मीडिया का प्रभावी लाभ, अनुप्रयोगों का समय पर निपटान, शहर पुलिस पुनर्गठन, यातायात प्रबंधन, सीसीटीवी नेटवर्क में सुधार, कवरेज और अन्य पहलुओं पर इस बैठक के दौरान चर्चा की गई। शीर्ष अधिकारियों ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को अपने-अपने कार्यों में आगे बढ़कर नेतृत्व करने का आह्वान किया। बैठक में विक्रम सिंह मान एडीएल सीपी एल एंड ओ, जी.सुधीर बाबू एडीएल.सीपी ट्रैफिक, एआर. श्रीनिवास, एडीएल. सीपी क्राइम एंड एसआईटी, पी. विश्व प्रसाद जेटीसीपी विशेष शाखा, एम. श्रीनिवासुलु, जेटीसीपी कार मुख्यालय, जे.परमिला हाना नूतन जेटीसीपी प्रशासन और सभी डीसीपी और एडीएल डीसीपी शामिल रहे।

अंधत्व निवारण करने में कंटी वेलुगु की अहम भूमिका : तलसानी

मंत्री ने जीएचएमसी में होने वाले कार्यक्रम की समीक्षा की

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य और डेयरी विकास और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि तेलंगाना को अंध-मुक्त बनाने के उद्देश्य से कंटी वेलम कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। मंगलवार को गृह मंत्री महमूद अली के साथ मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने जीएचएमसी कार्यालय में 18 जनवरी से 30 जून तक होने वाले कंटी वेलगू-2 कार्यक्रम के प्रबंधन और व्यवस्थाओं की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान महापौर मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोठे श्रीलता, एमएलसी प्रभाकर राव, सुरभि वनीदेवी, स्टीफन सन, विधायक दाना नागेंद्र, कालेरू वेंकटेश, मुता गोपाल, सयाना, राजा सिंह, कौसर मोहिनुद्दीन, निगम अध्यक्ष रावुला श्रीधर रेड्डी, एरोला श्रीनिवास, गजेला नागेश, सिटी लाइब्रेरी निगम अध्यक्ष प्रसन्ना, कलेक्टर अमय कुमार, जीएचएमसी आयुक्त लोकेश कुमार, अतिरिक्त आयुक्त संतोष, अतिरिक्त निदेशक स्वास्थ्य पद्मजा, हैदराबाद जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वेंकट, जीएचएमसी जोनल आयुक्त, उपायुक्त, स्वास्थ्य और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री केसीआर जनता का पक्ष सोच विचार कर निर्णय लेंगे, चाहे कोई भी कार्यक्रम हो। उन्होंने कहा कि कंटी वेलगू कार्यक्रम के रखरखाव के लिए सरकार 250 करोड़ रुपये खर्च करेगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के पहले चरण में 827 टीमों का गठन किया गया था, अब 1500 टीमों का गठन किया गया है और उनके लिए विशेष वाहन भी तैयार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी के तहत 91 वार्डों में 115 शिविरों का आयोजन किया जाएगा। अधिकारियों को जीएचएमसी के भीतर कैंप स्थापित करने के लिए समिति हॉल, बहुउद्देश्यीय समारोह हॉल, अन्य सरकारी भवनों और नगरपालिका मैदानों की पहचान करने का निर्देश दिया गया है। इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि शिविरों में उचित फर्नीचर, बिजली और शौचालय हों। उन्होंने कहा कि न केवल सरोजनी देवी और एलवी प्रसाद अस्पताल बल्कि लायंस क्लब, रेड क्रॉस और अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं के अस्पतालों की सेवाओं का उपयोग उन लोगों के लिए किया जाना चाहिए जिन्हें नेत्र शल्य चिकित्सा की आवश्यकता है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे सभी शिविरों में आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

पुलिस के हत्थे चढे तीन चोर, 16 लाख रुपये की संपत्ति बरामद

खम्मम, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने चोरी के दो अलग-अलग मामलों में शामिल तीन चोरों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 16 लाख रुपये के सोने और चांदी के आभूषण के साथ-साथ सजावटी सामान भी बरामद किया। मीडिया से बात करते हुए, पुलिस आयुक्त विष्णु एस. वारियर ने कहा कि सीसीएस और मुदिगोंडा पुलिस ने मंगलवार को यहां वीवी पालेम वदनम चौराहे पर वाहन निरीक्षण के दौरान संदिग्ध रूप से घूम रहे दो लोगों को हिरासत में लिया और उनसे पूछताछ की। कोत्तागुडेम जिले के लक्ष्मीदेवीपल्ली मंडल में नए गोलागुडेम के वरिकुप्पला वेंकटेश और करुकोंडा रामावरम के नरसानी रमेश ने आसानी से पैसे कमाने के लिए खम्मम जिले के मुदिगोंडा मंडल के वल्लभी में एक आभूषण की दुकान से सोने और चांदी के गहने चोरी करने की बात स्वीकार की।

सीपी ने बताया कि पुलिस ने उनके पास से 23 ग्राम सोने के आभूषण और 12 किलोग्राम चांदी के आभूषण और 10 लाख रुपये के सजावटी सामान बरामद किए। इस बीच, सीसीएस और खानापुरम पुलिस ने रंगा रेड्डी जिले के कुथबुल्लापुर मंडल के एक संदिग्ध मणिगंडला विजय कुमार को खम्मम शहर के श्री श्री सर्किल में निरीक्षण के दौरान हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की। उसने अतीत में हैदराबाद के जीदीमेटला और बालानगर, सत्तुपल्ली, कोत्तागुडेम, भोंगिर और जादचेरला के अलावा शहर में खानापुरम हवेली में चोरी करने की बात कबूल की थी। पुलिस ने उसके पास से 97 ग्राम सोना और 724 ग्राम चांदी के जेवरात छह लाख रुपए बरामद किए।

आयुक्त ने चोरों को पकड़ने के लिए सीसीएस एसीपी टी रवि, एसीपी अंजनेयुलु और बसवा रेड्डी, सीसीएस सीआई एन मल्लैया स्वामी, खम्मम ग्रामीण सीआई श्रीनिवास राव, खानापुरम हवेली एसएचओ रामकृष्ण की सराहना की।

कांग्रेस ने केसीआर को दिया राजनीतिक जीवन : रेणुका चौधरी

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता रेणुका चौधरी ने आज कहा कि यह कांग्रेस ही थी जिसने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को राजनीतिक जीवन दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी में शामिल होने वाले पार्टी विधायक अब अपने फैसले पर पछता रहे हैं। खम्मम डीसीसी कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने ये टिप्पणी की।

सिद्दुलगुट्टा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा

निजामाबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने कहा कि सिद्दुलगुट्टा क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर, जिन्होंने मंगलवार को क्षेत्र में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया, ने कहा कि अरमूर सिद्दुलगुट्टा श्री नवनाथ सिद्धेश्वर मंदिर, एक प्रसिद्ध तीर्थस्थल, को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि सरकार सिद्दुलगुट्टा क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। उन्होंने मंदिर क्षेत्र में चल रहे कार्यों की जानकारी ली। अरमूर नगरपालिका अध्यक्ष पंडित विनीता, मंदिर समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग में की गयी कुल 47 हजार पदों की भर्ती : स्वास्थ्य मंत्री

अमरावती, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री विडुदला रजनी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में कुल 47 हजार पदों पर भर्ती की गयी है।

साथ ही उन्होंने यह भी घोषणा की कि, राज्य में जल्द ही 17 नये मेडिकल कालेज की व्यवस्था की जा रही है। इस संदर्भ में, राज्य चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री विडुदला रजनी ने विशाखापट्टणम के उत्तरांध्र जिले के क्षेत्रीय बैठक में भाग लिया। जिसमें उन्होंने घोषणा की कि, जल्द ही राज्य में फैमिली डाक्टरों की सेवाओं की व्यवस्था की जायेगी। यहीं नही, राज्य के स्वास्थ्य विभाग में अबतक कुल 47 हजार पदों की भर्ती की गयी है।

जिसमें एजेंसी क्षेत्र चिंतूरू में 26 सुपर स्पेशालिटी डाक्टरों की भर्ती की गयी है। राज्य में 104 व्हीकलों व्दारा फैमिली फिजिशियन सर्विसेज की बेहतर व्यवस्था की जा रही है। इस मामले एपी सरकारी अधिकारियों ने बताया कि, स्वास्थ्य मंत्री वी. रजनी जो आजकल विजयनगर

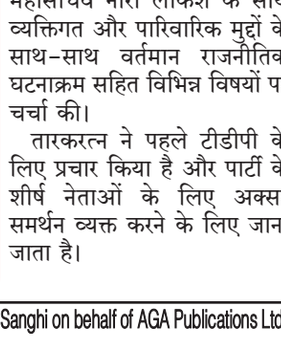

के दौरे पर है जहांपर उन्होने निर्माणाधीन मेडिकल कालेज में जारी विकास कार्य का अवलोकन किया तथा मंत्री ने अधिकारियों से उक्त कालेज के निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री की जानकारी ली। उन्होंने इस मामले में कहा कि, विजयनगर में कुल पांचसौ करोड रुपये की लागत से मेडिकल कालेज की व्यवस्था की जा रही है। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण भी मोजूद थे।

युवक ने हिरण के बच्चे को कुत्तों से बचाया

कामारेड्डी, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पितलाम गांव में आवारा कुत्तों से भटके हिरण के बच्चे को एक युवक ने बचाया और उसे वन अधिकारियों को सौंप दिया। युवक वी. रमेश ने पीतलाम गांव के नेताजी नगर में कुत्तों द्वारा पीछा किए जा रहे हिरण के बच्चे को देखा था और कुत्तों को भगाकर बछड़े को पकड़ लिया था। फिर वह उसे पशु चिकित्सालय ले गया और वन अधिकारियों को भी सूचित किया। वन अधिकारियों ने हिरण के बछड़े को बचाने के लिए रमेश की प्रशंसा की और कहा कि वे बछड़े के स्वस्थ होने तक उसकी देखभाल करेंगे और फिर उसे स्थानीय जंगल में छोड़ देंगे।

नारा लोकेश ने नंदमुरी तारकरत्न ने की मुलाकात

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता और राजनेता नंदामुरी तारकरत्न ने मंगलवार को तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश के साथ व्यक्तिगत और पारिवारिक मुद्दों के साथ-साथ वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

तारकरत्न ने पहले टीडीपी के लिए प्रचार किया है और पार्टी के शीर्ष नेताओं के लिए अक्सर समर्थन व्यक्त करने के लिए जाना जाता है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सोमेश कुमार को मुक्त करने के बाद नये सीएस की तलाश में सरकार

के. रामकृष्ण राव, अरविंद कुमार और रजत कुमार के नाम पर चर्चा

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार कथित तौर पर कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा सोमेश कुमार को राज्य से तत्काल प्रभाव से मुक्त करने के बाद नए मुख्य सचिव की नियुक्ति के विकल्प तलाश रही है।

डीओपीटी ने मंगलवार शाम को राज्य के मुख्य सचिव को संबोधित अपने संचार में, तेलंगाना में सोमेश कुमार की पोस्टिंग पर केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के आदेश को रद्द करने और रद्द करने के उच्च न्यायालय के फैसले का हवाला दिया। डीओपीटी ने अपने संचार में कहा कि उपरोक्त निर्णय के अनुपालन में, संबंधित अधिकारी (सोमेश कुमार) को तत्काल प्रभाव से तेलंगाना राज्य सरकार से कार्यमुक्त किया जाता है।

इसने सोमेश कुमार को 12 जनवरी तक आंध्र प्रदेश सरकार में शामिल होने का निर्देश दिया और उनसे इस दिशा में एक अनुपालन रिपोर्ट भेजने को कहा। उच्च न्यायालय द्वारा अपना फैसला सुनाए जाने के तुरंत बाद मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के साथ चर्चा की, लेकिन बैठक में क्या बात हुई, यह अभी पता नहीं चल पाया है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय जाने के विकल्प तलाश रहे हैं, इस पर सोमेश कुमार ने कोई जवाब नहीं दिया।

सोमेश कुमार को डीओपीटी द्वारा कार्यमुक्त करने के बाद, राज्य सरकार कथित तौर पर एक नए मुख्य सचिव की तलाश कर रही है और इस पद के लिए कुछ नामों पर विचार कर रही है। विशेष मुख्य सचिव रैंक वाले वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के. रामकृष्ण राव, अरविंद कुमार और रजत कुमार के नाम पर चर्चा जारी है। सूत्रों ने कहा कि शीर्ष पद पर नियुक्ति के लिए विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के बाद इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री द्वारा जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.